CTET L1 Telugu L2 Hindi P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) Holding a pencil is an example of _____ skill while kicking a football is an example of ______ skill.

(1) fine motor, gross motor
(2) social, emotional
(3) gross motor, fine motor
(4) emotional, social

एक पेंसिल को पकड़ना _______ कौशल का उदाहरण है जबकि फुटबाल को धकेलना _______ कौशल का उदाहरण है।

(1) सूक्ष्म गतिक, सकल गतिक
(2) सामाजिक, भावनात्मक
(3) सकल गतिक, सूक्ष्म गतिक
(4) भावनात्मक, सामाजिक

[Question ID = 1][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q1]

1. 1 [Option ID = 1]
2. 2 [Option ID = 2]
3. 3 [Option ID = 3]
4. 4 [Option ID = 4]

2) Which of the following is ***not*** correct in the context of development ?

(1) Development proceeds in a discontinuous manner.
(2) Children develop at different rates.
(3) Development is a result of complex interaction of nature and nurture.
(4) Development is relatively orderly.

विकास के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा सही ***नहीं*** है ?

(1) विकास एक अनिरन्तर तरीके से होता है।
(2) बच्चों की विकास दर में विभिन्नताएँ होती हैं।
(3) विकास प्रकृति और पालन-पोषण के जटिल संपर्क का परिणाम है।
(4) विकास अपेक्षाकृत व्यवस्थित रूप से होता है।

[Question ID = 2][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q2]

1. 1 [Option ID = 5]
2. 2 [Option ID = 6]
3. 3 [Option ID = 7]
4. 4 [Option ID = 8]

3) _______ and _______ are the primary agents/agencies of socialisations for children in early childhood.

(1) Religious organisations and law

(2) Neighbourhood and social policies

(3) Print media and school

(4) Family and neighbourhood

_______ और _______ प्रारंभिक बाल्यावस्था के दौरान बच्चों के प्राथमिक समाजीकरण की संस्थाएँ हैं।

(1) धार्मिक संस्थाएँ और कानून

(2) आस-पड़ोस और सामाजिक नीतियाँ

(3) प्रिंट/मुद्रक मीडिया और विद्यालय

(4) परिवार और आस-पड़ोस

[Question ID = 3][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q3]

1. 1 [Option ID = 9]
2. 2 [Option ID = 10]
3. 3 [Option ID = 11]
4. 4 [Option ID = 12]

4) According to Jean Piaget's theory of cognitive development, at which stage most children develop concerns about social issues and justice ?

(1) Sensorimotor

(2) Preoperational

(3) Concrete operational

(4) Formal operational

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार, अधिकतर बच्चे किस स्तर पर सामाजिक मुद्दों और न्याय के प्रति समझ स्थापित कर लेते हैं ?

(1) संवेदी-गामक

(2) पूर्व-संक्रियात्मक

(3) मूर्त संक्रियात्मक

(4) औपचारिक संक्रियात्मक

[Question ID = 4][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q4]

1. 1 [Option ID = 13]
2. 2 [Option ID = 14]
3. 3 [Option ID = 15]
4. 4 [Option ID = 16]

5) A student observes that stick A is larger than stick B and stick B is larger than stick C. Based on this observation the student infers that stick A is larger than stick C but when asked same problem verbally he fails to make correct inference. According to Piaget's theory, the student is at which stage of cognitive development ?

(1) Concrete operational stage

(2) Formal operational stage

(3) Sensorimotor stage

(4) Preoperational stage

एक विद्यार्थी निरीक्षण करता है कि छड़ A, छड़ B से लम्बी है तथा छड़ B, छड़ C से लम्बी है । इस निरीक्षण के आधार पर विद्यार्थी यह निष्कर्ष निकालता है कि छड़ A, छड़ C से लम्बी है, परन्तु जब यही समस्या उससे मौखिक रूप से पूछी जाती है, तो वह सही निष्कर्ष नहीं निकाल पाता । पियाज़े के सिद्धांत के अनुसार, विद्यार्थी संज्ञानात्मक विकास की किस अवस्था में है ?

(1) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था

(2) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था

(3) संवेदी-गामक अवस्था

(4) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था

[Question ID = 5][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q5]

1. 1 [Option ID = 17]
2. 2 [Option ID = 18]
3. 3 [Option ID = 19]
4. 4 [Option ID = 20]

6) Which of the following is explained by Lawrence Kohlberg ?

(1) The Social Contract orientation

(2) Zone of proximal development

(3) Inner speech

(4) Egocentric speech

निम्न में से किसे लॉरेंस कोहलबर्ग द्वारा वर्णित किया गया है ?

(1) सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास

(2) निकटवर्ती विकास का क्षेत्र

(3) आंतरिक वाक्

(4) आत्मकेंद्रित वाक्

[Question ID = 6][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q6]

1. 1 [Option ID = 21]
2. 2 [Option ID = 22]
3. 3 [Option ID = 23]
4. 4 [Option ID = 24]

7) Rajesh, a 3rd grade student was struggling to find solution of a problem. Seeing this his teacher provided him some cues following which he could find the solution. In Lev Vygotsky's terms teacher's scaffolding helped Rajesh to achieve ______.

(1) egocentrism

(2) irreversible thinking

(3) zone of proximal development

(4) biological maturation

राजेश, तीसरी कक्षा का विद्यार्थी, एक समस्या का समाधान खोजने में जूझ रहा था । यह देखकर उसकी अध्यापिका ने उसे कुछ संकेत दिए, जिसके आधार पर वह समस्या का समाधान कर पाया । लेव वायगोत्स्की की शब्दावली में अध्यापिका ने पाड़ प्रदान करके राजेश को ________पाने में मदद की है ।

(1) स्व-केन्द्रीयता

(2) अपरिवर्तनीय सोच

(3) समीपस्थ विकास का क्षेत्र

(4) जैविक परिपक्वता

[Question ID = 7][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q7]

1. 1 [Option ID = 25]
2. 2 [Option ID = 26]
3. 3 [Option ID = 27]
4. 4 [Option ID = 28]

8) Who among the following theorists emphasised on social constructivism in the context of learning ?

(1) B. F. Skinner

(2) Lawrence Kohlberg

(3) Lev Vygotsky

(4) Sigmund Freud

निम्नलिखित में से किस सिद्धांतकारी ने अधिगम के संदर्भ में सामाजिक संरचनावाद पर जोर दिया है ?

(1) बी. एफ. स्किनर

(2) लॉरेंस कोहलबर्ग

(3) लेव वायगोत्स्की

(4) सिगमंड फ्रॉयड

[Question ID = 8][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q8]

1. 1 [Option ID = 29]
2. 2 [Option ID = 30]
3. 3 [Option ID = 31]
4. 4 [Option ID = 32]

9) Learning by doing, discovery learning and collaborative learning are characterstics of a _______ classroom.

(1) Behaviourstic

(2) Progressive

(3) Teacher-centered

(4) Passive

करके सीखना, खोजी अधिगम और सहभागी अधिगम एक _______ कक्षा की विशेषताएँ हैं।

(1) व्यवहारवादी

(2) प्रगतिशील

(3) अध्यापक-केंद्रित

(4) निष्क्रिय

[Question ID = 9][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q9]

1. 1 [Option ID = 33]
2. 2 [Option ID = 34]
3. 3 [Option ID = 35]
4. 4 [Option ID = 36]

10) Radhika is a sportsperson as well as a good dancer. According to Howard Gardner, she has _________ type of intelligence.

(1) intrapersonal

(2) linguistic

(3) bodily kinesthetic

(4) musical

राधिका एक खिलाड़ी होने के साथ-साथ एक अच्छी नृत्यांगना भी है। हावर्ड गार्डनर के अनुसार उसके पास _________ प्रकार की बुद्धि है।

(1) अंत:वैयक्तिक

(2) भाषाई

(3) शारीरिक गतिक-संवेदी

(4) संगीतात्मक

[Question ID = 10][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q10]

1. 1 [Option ID = 37]
2. 2 [Option ID = 38]
3. 3 [Option ID = 39]
4. 4 [Option ID = 40]

11) According to National Education Policy 2020, priority should be given to _______ for the education of children up to the primary level.

(1) mother tongue

(2) foreign language

(3) English language

(4) only sign language

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, प्राथमिक स्तर तक के बच्चों की शिक्षा के लिए ________ को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ।

(1) मातृभाषा

(2) विदेशी भाषा

(3) अंग्रेजी भाषा

(4) केवल सांकेतिक भाषा

[Question ID = 11][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q11]

1. 1 [Option ID = 41]
2. 2 [Option ID = 42]
3. 3 [Option ID = 43]
4. 4 [Option ID = 44]

12) Which of the following statement represents a gender stereotype ?

(1) Girls are equally competent in academics as boys.

(2) Girls are always well-behaved, gentle and emotional.

(3) Both boys and girls have competency to do well in sports.

(4) Girls can handle both education and family in the same way as boys do.

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन लिंग रूढ़िवादिता को दर्शाता है ?

(1) लड़कियाँ लड़कों की तरह ही शैक्षिक क्षेत्र में सक्षम हैं ।

(2) लड़कियाँ हमेशा अच्छा व्यवहार करने वाली, कोमल और भावुक होती हैं ।

(3) लड़के और लड़कियाँ दोनों खेलों में अच्छा करने की सक्षमता है ।

(4) लड़कियाँ लड़कों की ही तरह शिक्षा और परिवार दोनों को संभाल सकती हैं ।

[Question ID = 12][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q12]

1. 1 [Option ID = 45]
2. 2 [Option ID = 46]
3. 3 [Option ID = 47]
4. 4 [Option ID = 48]

13) *Assertion (A) :*

A teacher should avoid using standardised curriculum in a classroom comprising students from diverse socio-economic backgrounds.

Reason (R) :

Children learn best when they are extrinsically motivated to learn.

Choose the correct option.

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).

(3) (A) is true but (R) is false.

(4) Both (A) and (R) are false.

अभिकथन (A) :

एक ऐसी कक्षा जिसमें विविध सामाजिक-आर्थिक परिप्रेक्ष्यों से संबंधित विद्यार्थी हैं, वहाँ अध्यापिका को मानकीकृत पाठ्यक्रम के इस्तेमाल से बचना चाहिए ।

कारण (R) :

बच्चे बहुत अच्छे से सीखते हैं जब वे बाह्य रूप से अभिप्रेरित हों ।

सही विकल्प चुनें ।

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है ।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है ।

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है ।

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं ।

[Question ID = 13][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q13]

1. 1 [Option ID = 49]
2. 2 [Option ID = 50]
3. 3 [Option ID = 51]
4. 4 [Option ID = 52]

14) Which of the following question asked by the teacher encourages creativity and problem-solving skills among children ?

(1) What is pollution ?

(2) What are the causes of pollution ?

(3) What are the types of pollution ?

(4) How can you control pollution in your city ?

शिक्षक द्वारा निम्न में से पूछा गया कौन-सा प्रश्न बच्चों में सृजनात्मकता और समस्या समाधान कौशलों को बढ़ावा देता हैं ?

(1) प्रदूषण क्या होता है ?

(2) प्रदूषण किन कारणों से हो सकता है ?

(3) प्रदूषण कितने प्रकार का होता है ?

(4) अपने शहर में आप प्रदूषण पर नियंत्रण किस प्रकार कर सकते हैं ?

[Question ID = 14][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q14]
1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15) The main objective of assessment should be :

(1) labelling the students based on their performance.

(2) complaining to the parents about what their ward cannot do.

(3) drawing comparisons and creating hierarchies among students.

(4) understanding the strengths and challenges faced by students in the process of learning.

मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य क्या होना चाहिए ?

(1) प्रदर्शन के आधार पर विद्यार्थियों का नामीकरण करना ।

(2) माता-पिता को उनके बच्चे की शिकायत करना कि वह क्या करने में असक्षम है ।

(3) विद्यार्थियों में तुलना करना और पदानुक्रमता स्थापित करना ।

(4) विद्यार्थियों द्वारा अधिगम प्रक्रिया में महसूस की जाने वाली चुनौतियों और उनके सामर्थ्य को समझना ।

[Question ID = 15][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q15]
1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) Inclusive education means :

(1) teaching students with diverse needs in different schools.

(2) developing a schooling system where needs of all students are addressed.

(3) dividing students in different sections based on their performance.

(4) admitting the student in school and putting onus on him to adjust to the schooling system.

समावेशी शिक्षा का क्या मतलब है ?

(1) विविध जरूरतों वाले विद्यार्थियों को अलग-अलग स्कूल में पढ़ाना ।

(2) एक ऐसी स्कूली व्यवस्था स्थापित करना जहाँ सभी विद्यार्थियों की जरूरतों की पूर्ति हों ।

(3) विद्यार्थियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग समूहों में बाँटना ।

(4) विद्यार्थी को स्कूल में दाखिला देकर उस पर स्कूली व्यवस्था में समायोजित होने का भार डालना ।

[Question ID = 16][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q16]
1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) A teacher in a diverse classroom __________

(1) ignores some students to increase the achievement of other children.

(2) uses different teaching-learning and assessment methods as per the needs of the students.

(3) does not give any importance to the learning levels of the students.

(4) creates a fearful environment in the classroom.

एक विविधता वाली कक्षा में एक शिक्षक को क्या करना चाहिए ?

(1) अन्य बच्चों की उपलब्धि बढ़ाने के लिए कुछ छात्रों की उपेक्षा करनी चाहिए।

(2) विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन विधियों का उपयोग करना चाहिए।

(3) विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को कोई महत्त्व नहीं देना चाहिए।

(4) कक्षा में एक भयभीत वातावरण बनाना चाहिए।

[Question ID = 17][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q17]

1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18) Students having dyslexia face direct challenge in _______ and students having dyscalculia face direct challenge in _______.

(1) reading and writing, manipulating numbers

(2) manipulating numbers, spelling words

(3) spelling words, physical coordination

(4) physical coordination, writing story

पठनवैकल्य से जूझने वाले विद्यार्थी _______ में और गुणजवैकल्य से जूझने वाले विद्यार्थी _______ में सापेक्ष रूप से चुनौती महसूस करते हैं।

(1) वाचन और लिखने, अंकों के हेरफेर

(2) अंकों के हेरफेर, शब्द वर्तनी

(3) शब्द वर्तनी, शारीरिक समन्वयता

(4) शारीरिक समन्वयता, कहानी लेखन

[Question ID = 18][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q18]

1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19) For successful inclusion of students with visual impairment, a teacher should :

(1) provide as much information as possible in written format

(2) use colour pens to highlight important information

(3) make diagrams on blackboard to visually describe the concepts

(4) use auditory ways of presenting the information

दृष्टिबाधिता से जूझते विद्यार्थियों के सफल समावेशन हेतु, एक अध्यापिका को क्या करना चाहिए ?

(1) जितनी हो सके उतनी जानकारी लिखित स्वरूप में प्रदान करनी चाहिए

(2) महत्त्वपूर्ण जानकारी को रंगीन लेखनियों द्वारा इंगित करना चाहिए

(3) संप्रत्ययों की व्याख्या करने के लिए श्यामपट्ट पर आरेख बनाने चाहिए

(4) जानकारी को प्रस्तुत करने के लिए मौखिक तरीके अपनाने चाहिए

[Question ID = 19][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q19]

1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) Which of the following is correct in context of students with giftedness ?

(1) They think convergently and conventionally.

(2) They have low-receptivity to learn.

(3) They avoid taking risks of performing new tasks.

(4) They display reversibility and flexibility of mental processes.

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के संदर्भ में निम्न में से क्या सही है ?

(1) वे अभिसारी और परम्परागत तरीके से सोचते हैं।

(2) उनमें सीखने के प्रति कम ग्रहणशीलता होती है।

(3) वे नए क्रियाकलापों को करने का जोखिम टालते हैं।

(4) वे मानसिक क्रियाओं में परिवर्तनशीलता और लचीलापन दिखाते हैं।

[Question ID = 20][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q20]

1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) *Assertion (A) :*

A teacher should promote collaboration, dialogues and debates among students in a classroom.

Reason (R) :

Children are capable to construct meaning of their environment through social interactions.

Choose the correct option.

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).

(3) (A) is true but (R) is false.

(4) Both (A) and (R) are false.

अभिकथन (A) :

एक अध्यापिका को कक्षा में विद्यार्थियों के बीच सहभागिता, बातचीत और वैचारिक बहस को बढ़ावा देना चाहिए।

कारण (R) :

बच्चे सामाजिक अन्त:क्रिया द्वारा अपने वातावरण के बारे में अर्थ सृजन में सक्षम होते हैं।

सही विकल्प चुनिए।

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

[Question ID = 21][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q21]

1. 1 [Option ID = 81]
2. 2 [Option ID = 82]
3. 3 [Option ID = 83]
4. 4 [Option ID = 84]

22) Which of the following framework believes that 'learning is an active process which takes place in cultural contexts' ?

(1) Psychoanalytic

(2) Behavouristic

(3) Socio-constructivist

(4) Moralistic

'अधिगम एक सक्रिय प्रक्रिया है जो एक सांस्कृतिक संदर्भ में होती है।' निम्न में से कौन-सा दृष्टिकोण इस विचार में विश्वास रखता है ?

(1) मनोविश्लेषणवाद

(2) व्यवहारवाद

(3) सामाजिक-संरचनावाद

(4) नैतिकवाद

[Question ID = 22][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q22]
1. 1 [Option ID = 85]
2. 2 [Option ID = 86]
3. 3 [Option ID = 87]
4. 4 [Option ID = 88]

23) Which of the following promotes learning of a new concept ?

(1) Relating new knowledge with previous knowledge of students.

(2) Disconnecting new knowledge from socio-cultural background of students.

(3) Creating pressure and fear of failure among students.

(4) Restricting social interactions and collaborations among students.

निम्न में से कौन-सा एक नए संप्रत्यय के अधिगम को बढ़ावा देता है ?

(1) नए ज्ञान को विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान से जोड़ना।

(2) नए ज्ञान को विद्यार्थियों के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ से ना जोड़ना।

(3) विद्यार्थियों पर दबाव और असफलता का डर पैदा करना।

(4) विद्यार्थियों के बीच पारस्परिक संपर्क और सहभागिता पर रोक लगाना।

[Question ID = 23][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q23]
1. 1 [Option ID = 89]
2. 2 [Option ID = 90]
3. 3 [Option ID = 91]
4. 4 [Option ID = 92]

24) Which of the following approach downplays the role of students as active agents in knowledge construction ?

(1) Rote memorisation

(2) Discovery learning

(3) Inquiry

(4) Exploration

निम्न में से कौन-सा उपागम ज्ञान निर्माण में विद्यार्थियों की सक्रिय भूमिका को कमत्तर रूप से देखता है ?

(1) कंठस्थ स्मरण

(2) खोजी अधिगम

(3) खोजबीन

(4) अन्वेषण

[Question ID = 24][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q24]
1. 1 [Option ID = 93]
2. 2 [Option ID = 94]
3. 3 [Option ID = 95]
4. 4 [Option ID = 96]

25) Renu always takes a decision by considering various aspects of problem-solving and comes up with many correct solutions at the end. She is using ______ type of thinking to solve the problem.

(1) Divergent

(2) Convergent

(3) Egocentric

(4) Irrational

रेणु हमेशा समस्या-समाधान के विभिन्न पहलुओं पर विचार करके और अंत में कई सही समाधान ढूँढ लेती है। वह समस्या को हल करने के लिए _______ प्रकार की सोच का उपयोग कर रही है।

(1) अपसारी

(2) अभिसारी

(3) आत्मकेंद्रित

(4) अतार्किक

[Question ID = 25][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q25]

1. 1 [Option ID = 97]
2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) Which of the following is the correct way to respond to the errors committed by students ?

(1) Punishing the students for making errors.

(2) Directly telling the correct answer to students and asking them to write it multiple times.

(3) Asking the students to copy the answer from their friend.

(4) Analysing the learning gaps which caused error and providing support to students accordingly.

विद्यार्थियों द्वारा की गई त्रुटियों से निपटने का सही तरीका क्या है ?

(1) विद्यार्थियों को त्रुटियाँ करने के लिए दण्डित करना।

(2) विद्यार्थियों को सीधे सही जवाब बता देना और उन्हें उसे बार-बार कॉपी में लिखने को देना।

(3) विद्यार्थियों को अपने सहपाठी का सही जवाब नकल करने को कहना।

(4) अधिगम कमियों का विश्लेषण करना जिनकी वजह से त्रुटि हुई है और विद्यार्थियों को तदानुसार सहायता प्रदान करना।

[Question ID = 26][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q26]

1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27) Which of the following emotions are students likely to experience when outcome is uncertain and focus is on failure ?

(1) Enjoyment

(2) Anxiety

(3) Hope

(4) Boredom

ऐसी स्थिति में जब परिणाम अनिश्चित है लेकिन ध्यान असफलता पर है, विद्यार्थी निम्न में से किस संवेग का अनुभव करेंगे ?

(1) आनंद

(2) दुश्चिंता

(3) उम्मीद

(4) बोरियत

[Question ID = 27][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q27]

1. 1 [Option ID = 105]
2. 2 [Option ID = 106]
3. 3 [Option ID = 107]
4. 4 [Option ID = 108]

28) Students should be motivated to frame _______ goals.

(1) mastery-oriented

(2) performance-oriented

(3) failure-accepting

(4) mastery-avoidance

विद्यार्थियों को किस तरह के लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए ?

(1) महारत-उन्मुखी

(2) प्रदर्शन-उन्मुखी

(3) असफलता-स्वीकार्य

(4) महारत-परिहारी

[Question ID = 28][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q28]

1. 1 [Option ID = 109]
2. 2 [Option ID = 110]
3. 3 [Option ID = 111]
4. 4 [Option ID = 112]

29) Ability to monitor, evaluate and modify one's own thought process is called ________.

(1) Recall

(2) Memorisation

(3) Attention

(4) Metacognition

अपनी स्वयं की चिंतन प्रक्रिया को जाँचने, मूल्यांकन करने और तदानुसार परिवर्तित करने की योग्यता क्या कहलाती है ?

(1) प्रत्यास्मरण

(2) रटना

(3) ध्यान

(4) अधिसंज्ञान/परासंज्ञान

[Question ID = 29][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q29]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]
4. 4 [Option ID = 116]

30) Which of the following sequence of content representation is most appropriate to teach a concept in primary grades ?

(1) Symbols, concrete materials, images

(2) Images, concrete materials, symbols

(3) Concrete materials, images, symbols

(4) Symbols, images, concrete materials

प्राथमिक कक्षाओं में किसी संप्रत्यय को पढ़ाने के लिए, निम्न में से विषयवस्तु प्रस्तुति का कौन-सा क्रम सर्वाधिक उपयुक्त है ?

(1) संकेत, मूर्त सामग्री, चित्र

(2) चित्र, मूर्त सामग्री, संकेत

(3) मूर्त सामग्री, चित्र, संकेत

(4) संकेत, चित्र, मूर्त सामग्री

[Question ID = 30][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q30]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- MATH_Q31-45_P1_CTET

1) 32 bananas were distributed equally among 6 monkeys. How many bananas will be left ?

(1) 0

(2) 1

(3) 2

(4) 3

32 केलों को समान रूप से 6 बंदरों में बाँटा गया। कितने केले शेष रह जाएँगे ?

(1) 0

(2) 1

(3) 2

(4) 3

[Question ID = 31][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q31]

1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) If a student adds a two-digit number with a number obtained by reversing its digits, the sum will be

(1) Divisible by 2

(2) Divisible by 3

(3) Divisible by 7

(4) Divisible by 11

यदि एक विद्यार्थी दो अंकों की किसी संख्या को उस संख्या में जोड़ता है, जो अंकों को पलटने से प्राप्त होती है, तो प्राप्त योगफल होगा

(1) 2 से विभाज्य

(2) 3 से विभाज्य

(3) 7 से विभाज्य

(4) 11 से विभाज्य

[Question ID = 32][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q32]

1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) Ammu's mother has prepared some jalebis. They are less than fifty in number. Ammu noted that if these were divided among 2 or 3 or 7 persons equally, then no jalebi will be left. Now she has to share it equally among 5 persons. What is the minimum number of jalebis left out ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

अम्मू की माँ ने कुछ जलेबियाँ बनाईं। इनकी संख्या 50 से कम है। अम्मू ने देखा कि यदि इन्हें 2 या 3 या 7 व्यक्तियों में समान रूप से वितरित किया जाए, तो कोई जलेबी शेष नहीं बचेगी। अब, उन्हें इन जलेबियों को 5 व्यक्तियों में समान रूप से वितरित करना है। न्यूनतम कितनी जलेबियाँ शेष बचेंगी ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

[Question ID = 33][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q33]
1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

4) Three sisters Anna, Laya and Sana went for a picnic. Their mother gave them three notes of ₹ 100 and one note of ₹ 50. They purchased 4 bottles of juice of price ₹ 20·00 per bottle. They shared the remaining amount equally among themselves. What will be Sana's share ?

(1) ₹ 80

(2) ₹ 75

(3) ₹ 100

(4) ₹ 90

तीन बहनें अन्ना, लाया और सना एक पिकनिक पर गईं। उनकी माँ ने उन्हें ₹ 100 के तीन नोट और ₹ 50 का एक नोट दिया। उन्होंने ₹ 20·00 प्रति बोतल की दर से 4 बोतल जूस खरीदा। फिर, उन्होंने शेष धनराशि को समान रूप से आपस में बाँट लिया। सना का भाग कितना होगा ?

(1) ₹ 80

(2) ₹ 75

(3) ₹ 100

(4) ₹ 90

[Question ID = 34][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q34]
1. 1 [Option ID = 133]
2. 2 [Option ID = 134]
3. 3 [Option ID = 135]
4. 4 [Option ID = 136]

5) Teacher draws two intersecting circles on the board and asks Nayana and Rajul to write as follows :

Rajul has to write all the factors of 80 in one circle. Nayana has to write all the factors of 110 in second circle. What is the largest number in the common portion of the circle ?

(1) 2

(2) 5

(3) 10

(4) 20

शिक्षक बोर्ड पर दो प्रतिच्छेदी वृत्तों को खींचता है तथा नयना और राजुल से इस प्रकार लिखने के लिए कहता है :

राजुल को एक वृत्त में 80 के सभी गुणनखंड लिखने हैं। नयना को दूसरे वृत्त में 110 के सभी गुणनखंड लिखने हैं। इन वृत्तों के उभयनिष्ठ भाग में सबसे बड़ी संख्या क्या है ?

(1) 2

(2) 5

(3) 10

(4) 20

[Question ID = 35][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q35]

1. 1 [Option ID = 137]
2. 2 [Option ID = 138]
3. 3 [Option ID = 139]
4. 4 [Option ID = 140]

6) What is the difference between the place values of 7s in the number 276578 ?

(1) 69993

(2) 69930

(3) 69300

(4) 63000

संख्या 276578 में 7 के स्थानीय मानों का अंतर क्या है ?

(1) 69993

(2) 69930

(3) 69300

(4) 63000

[Question ID = 36][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q36]

1. 1 [Option ID = 141]
2. 2 [Option ID = 142]
3. 3 [Option ID = 143]
4. 4 [Option ID = 144]

7) What is the number of faces in a triangular prism ?

(1) 3

(2) 5

(3) 6

(4) 7

किसी त्रिभुजीय आधार के प्रिज़्म में फलकों की संख्या क्या है ?

(1) 3

(2) 5

(3) 6

(4) 7

[Question ID = 37][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q37]

1. 1 [Option ID = 145]
2. 2 [Option ID = 146]
3. 3 [Option ID = 147]
4. 4 [Option ID = 148]

8) Which of the following pair of figures have the same number of lines of symmetry ?

(1) Parallelogram and Rhombus

(2) Kite and parallelogram

(3) Square and Rectangle

(4) Rectangle and Rhombus

निम्न में से किन आकृतियों के युग्म में सममित रेखाओं की संख्याएँ समान होती हैं ?

(1) समांतर चतुर्भुज और समचतुर्भुज

(2) पतंग और समांतर चतुर्भुज

(3) वर्ग और आयत

(4) आयत और समचतुर्भुज

[Question ID = 38][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q38]

1. 1 [Option ID = 149]
2. 2 [Option ID = 150]
3. 3 [Option ID = 151]
4. 4 [Option ID = 152]

9) Measures of the two angles between hour and minute hands of a clock at 7 o'clock are

(1) 330°, 30°

(2) 285°, 75°

(3) 210°, 150°

(4) 270°, 90°

किसी घड़ी में 7 बजने पर, उसकी घंटे और मिनट की सुइयों के बीच के दो कोणों की माप होती हैं

(1) 330°, 30°

(2) 285°, 75°

(3) 210°, 150°

(4) 270°, 90°

[Question ID = 39][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q39]

1. 1 [Option ID = 153]
2. 2 [Option ID = 154]
3. 3 [Option ID = 155]
4. 4 [Option ID = 156]

10) How many minimum number of square shaped stamps of side 1 cm are required to cover a figure which is of the shape of a rectangle of sides 4 cm and 6 cm attached to a square of side 3 cm ?

(1) 9

(2) 24

(3) 33

(4) 72

एक ऐसी आकृति को ढकने के लिए, 1 cm भुजा वाले वर्गाकार टिकटों की कितनी न्यूनतम संख्या की आवश्यकता होगी, जो 4 cm और 6 cm भुजाओं वाला एक आयत है और उसके साथ 3 cm भुजा का एक वर्ग जुड़ा हुआ है ?

(1) 9

(2) 24

(3) 33

(4) 72

[Question ID = 40][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q40]

1. 1 [Option ID = 157]
2. 2 [Option ID = 158]
3. 3 [Option ID = 159]
4. 4 [Option ID = 160]

11) Which of the following weights ***cannot*** be measured by the weights of 100 g, 200 g and 500 g ?

(1) 300 g

(2) 400 g

(3) 700 g

(4) 750 g

निम्न में से कौन-से भार को 100 g, 200 g और 500 g के बाँटों से मापा ***नहीं*** जा सकता है ?

(1) 300 g

(2) 400 g

(3) 700 g

(4) 750 g

[Question ID = 41][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q41]

1. 1 [Option ID = 161]
2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) Length of a rectangular field is 6 times its breadth. If length of the field is 120 m, then perimeter of the field is :

(1) 240 m

(2) 280 m

(3) 560 m

(4) 720 m

किसी आयताकार खेत की लंबाई उसकी चौड़ाई की 6 गुनी है। यदि इस खेत की लंबाई 120 m है, तो खेत का परिमाप है :

(1) 240 m

(2) 280 m

(3) 560 m

(4) 720 m

[Question ID = 42][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q42]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13) The number of certain article sold by a shopkeeper on six consecutive days of a week is as shown below :

Day	Number of articles
Sunday	350
Monday	200
Tuesday	300
Wednesday	250
Thursday	120
Friday	150

What is the range of the sale of the article during the above days ?

(1) 30

(2) 50

(3) 180

(4) 230

किसी दुकानदार द्वारा किसी सप्ताह के 6 क्रमागत दिनों में बेची गई किसी विशेष वस्तु की संख्या नीचे दर्शाए अनुसार है :

दिन	वस्तु की संख्या
रविवार	350
सोमवार	200
मंगलवार	300
बुधवार	250
बृहस्पतिवार	120
शुक्रवार	150

उपर्युक्त दिनों की अवधि में इस वस्तु की बिक्री का परिसर क्या है ?

(1) 30

(2) 50

(3) 180

(4) 230

[Question ID = 43][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q43]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) The average of first five composite numbers is

(1) 7·6

(2) 7·4

(3) 5·8

(4) 5·6

प्रथम पाँच भाज्य संख्याओं का औसत है

(1) 7·6

(2) 7·4

(3) 5·8

(4) 5·6

[Question ID = 44][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q44]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]
3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) Write the next two entries in the following pattern :
W, 2, V, 4, U, 8, T, 16, ___, ___

(1) S, 18

(2) R, 18

(3) S, 32

(4) R, 32

निम्न पैटर्न में अगली दो प्रविष्टियाँ लिखिए :

W, 2, V, 4, U, 8, T, 16, ___, ___

(1) S, 18

(2) R, 18

(3) S, 32

(4) R, 32

[Question ID = 45][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q45]

1. 1 [Option ID = 177]
2. 2 [Option ID = 178]
3. 3 [Option ID = 179]
4. 4 [Option ID = 180]

Topic:- MATH_Q46-60_P1_CTET

1) Which of the following is least appropriate as an effective pedagogical strategy in mathematics ?

(1) Developing tasks that elicit more than one response

(2) Analysing the errors being made by the children

(3) Use of strategies other than the formal algorithms

(4) Pairing a child who has scored less marks in mathematics with the one who has scored more marks

गणित में प्रभावकारी शैक्षणिक युक्तियों के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे कम उपयुक्त है ?

(1) ऐसे कार्यों का सृजन करना जिनमें एक से अधिक उत्तर आने की संभावना हो

(2) बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों का विश्लेषण करना

(3) औपचारिक कलन-विधि से अतिरिक्त दूसरी युक्तियों का उपयोग करना

(4) जिस बच्चे को गणित में कम अंक प्राप्त हुए हैं, उस बच्चे को उस सहपाठी के साथ बैठाना जिसके अधिक अंक आए हैं

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q46]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

2) According to National Curriculum Framework 2005, assessment in mathematics should include

(1) Ranking the students according to their scores

(2) Progress of the students in terms of conceptual understanding and acquisition of problem solving skill

(3) Testing the knowledge of procedure and formulae

(4) Testing the ability of a student to do error-free calculation

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, गणित के आकलन में क्या शामिल होना चाहिए ?

(1) विद्यार्थियों के अंकों के अनुसार उन्हें वरीयता क्रम देना

(2) अवधारणात्मक समझ और समस्या समाधान कौशल के अर्जन के आधार पर विद्यार्थियों की प्रगति

(3) प्रक्रियाओं और सूत्रों (फॉर्मूला) के ज्ञान का टैस्ट लेना

(4) विद्यार्थी की त्रुटि-रहित गणना करने की योग्यता की जाँच करना

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q47]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

3) Which of the following would be most appropriate in the context of learners focusing on understanding of patterns in numbers and shapes ?

(1) Learners would develop number facts by themselves

(2) Learners would learn the names of geometrical shapes

(3) Learners would be able identify the unit of repeat in the pattern

(4) Learners would be able to appreciate the need of standard units of measurement

संख्याओं और आकृतियों में प्रतिमानों की समझ पर बल देते हुए अधिगमकर्ताओं के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक उपयुक्त होगा ?

(1) अधिगमकर्ता अपने आप ही संख्या तथ्यों को विकसित कर पाएँगे

(2) अधिगमकर्ता ज्यामितीय आकृतियों के नाम सीखेंगे

(3) अधिगमकर्ता प्रतिमान में पुनरावृत्त होने वाली इकाई को पहचानने में सक्षम होंगे

(4) अधिगमकर्ता मापन की मानक इकाइयों की आवश्यकता की सराहना करने में सक्षम होंगे

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q48]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

4) "Mathematics is critical to Society, Science, Technology and Engineering." Which among the following learning experiences of the primary grade students will help in realising the above statement ?

(1) Collecting, organising, representing and interpreting data collected from various socio-scientific contexts

(2) Using mathematical concepts to manage the household budget

(3) Meeting people from various fields of employment especially engineers

(4) Participating in various mathematics quizzes and olympiads

"गणित समाज, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी के लिए महत्त्वपूर्ण है ।" निम्नलिखित में से कौन-से प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों के अधिगम अनुभव, उपरोक्त कथन को चरितार्थ करने में सहायता करेंगे ?

(1) विविध सामाजिक-वैज्ञानिक संदर्भों से एकत्रित आंकड़ों को एकत्रित, सुव्यवस्थित, निरूपित और उनकी व्याख्या करना

(2) गणितीय अवधारणाओं का उपयोग करके घर-परिवार का बजट बनाना

(3) रोज़गार के विविध क्षेत्रों से आए लोगों से मिलना विशेष रूप से इंजीनियरों से

(4) गणित की विविध प्रश्नोत्तरियों और ओलिंपियाड में भाग लेना

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q49]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) A teacher gave the following word problem in her class :
"For a school picnic 12 children can be accommodated in a car. How many cars are required if 78 children are going on the school picnic ?" One of the students came up with 6·5 as the answer.
Which of the following is most appropriate for the above situation ?

(1) The answer given by the student is correct

(2) The teacher can use this situation to introduce the concept of rounding off and its significance in daily life.

(3) The question is misleading for the students

(4) The student does not know the concept of division

एक शिक्षिका ने अपनी कक्षा में निम्नलिखित इबारती सवाल दिया :
"स्कूल पिकनिक के लिए एक गाड़ी में 12 बच्चों को बैठाया जा सकता है । अगर स्कूल पिकनिक पर 78 बच्चे जाएँगे तो कितनी गाड़ियों की आवश्यकता पड़ेगी ।" एक विद्यार्थी ने इसका उत्तर 6·5 दिया ।
निम्नलिखित में से कौन-सा उपरोक्त परिस्थिति के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है ?

(1) विद्यार्थी द्वारा दिया गया उत्तर सही है

(2) शिक्षिका इस परिस्थिति का उपयोग निकटन करने की अवधारणा तथा इसके दैनिक जीवन में महत्त्व को प्रस्तुत करने के लिए कर सकती है

(3) यह प्रश्न विद्यार्थियों को भ्रमित करने वाला है

(4) विद्यार्थी विभाजन की अवधारणा नहीं जानता है

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q50]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

6) Which of the following is ***not*** correct about fractions ?

(1) Fraction represents the parts of a whole

(2) Fraction represents a remaining part of the whole

(3) Fraction represents a part of a collection

(4) Fractions represent only the equivalent parts of a whole

निम्नलिखित में से कौन-सा भिन्नों के बारे में सही ***नहीं*** है ?

(1) भिन्न किसी पूर्ण के भागों को निरूपित करता है

(2) भिन्न किसी पूर्ण के शेष भाग को निरूपित करता है

(3) भिन्न किन्हीं वस्तुओं के संग्रह के एक भाग को निरूपित करता है

(4) भिन्न किसी पूर्ण के केवल समतुल्य भागों को निरूपित करता है

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q51]

1. 1 [Option ID = 201]

2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

7) Sikha has successfully classified the different types of triangles based on their sides. She is at which level of geometric thinking as per Van-Hiele's theory of geometric thinking ?

(1) Visualization

(2) Analysis

(3) Informal Deduction

(4) Formal Deduction

सिखा ने विभिन्न प्रकार के त्रिभुजों को उनकी भुजाओं के आधार पर सफलतापूर्वक वर्गीकृत किया है। वह वैन-हैले के सिद्धांत के अनुसार, ज्यामितीय चिंतन के किस स्तर पर है ?

(1) दृश्यीकरण

(2) विश्लेषण

(3) अनौपचारिक निगमन

(4) औपचारिक निगमन

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q52]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) Arun is good in solving equations but usually faces challenges in solving word problems. Most of the time he asks "Should I add or subtract ?" "Should I multiply or divide ?" Such questions suggest :

(1) He has problems in comprehending the language of the problem

(2) He lacks understanding of number operations

(3) He cannot add and multiply

(4) He seeks opportunities to disturb the class

अरुण समीकरणों का हल खोजने में बहुत अच्छा है पर सामान्यत: इबारती प्रश्नों का समाधान खोजने में कठिनाई का अनुभव करता है। अधिकांश समय वह पूछता है कि, "मुझे जोड़ना है या घटाना ?" "मुझे भाग करना है या गुणा ?" इस प्रकार के प्रश्न क्या सुझाते हैं ?

(1) उसे प्रश्न की भाषा को समझने में कठिनाई होती है

(2) उसमें संख्या संक्रियाओं की समझ में कमी है

(3) वह जोड़ और गुणा नहीं कर सकता

(4) वह कक्षा में व्यवधान डालने के मौके ढूँढ़ता रहता है

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q53]

1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

9) Ms. Harshdeep, a primary grade mathematics teacher wants to strengthen pre-number concepts in her learners. She explains 1 is contained in 2, 1 and 2 are contained in 3, 1, 2 and 3 are contained in 4 and so on so forth. Which pre-number concept is she focusing upon ?

(1) One-to-one correspondence

(2) Hierachichal Inclusion

(3) Counting

(4) Conservation

सुश्री हर्षदीप, एक प्राथमिक कक्षा की गणित की शिक्षिका, अपने अधिगमकर्ताओं में संख्यापूर्व अवधारणाओं को सुदृढ़ करना चाहती है। वह समझाती है 2 में 1 निहित है, 3 में 1 और 2 निहित हैं, 4 में 1, 2 और 3 निहित हैं और इसी तरह आगे भी। वह किस संख्यापूर्व अवधारणा पर बल दे रही है ?

(1) एकैकी संगति

(2) पदानुक्रमिक समावेशन

(3) गणना

(4) संरक्षण

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q54]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

10) A mathematics teacher poses the following word problem in her class :
"Sumita has 12 toffees while Asmita has 18 toffees. How many more toffees does Asmita have than Sumita ?"
One of the students responded, the answer is 12 + 18 = 30 toffees. Which of the following is most appropriate for the answer given by the student ?

(1) The answer given by the student is correct

(2) The student has understood the problem but has made a computational mistake due to carelessness

(3) The student has associated the operation of addition with the keyword "more" in the word problem

(4) Such mistakes are common as word problems are too difficult to be solved by primary grade learners

एक गणित शिक्षिका अपनी कक्षा में निम्नलिखित इबारती सवाल प्रस्तुत करती है :
"सुमिता के पास 12 टॉफियाँ हैं जबकि अस्मिता के पास 18 टॉफियाँ हैं। सुमिता की तुलना में अस्मिता के पास कितनी अधिक टॉफियाँ हैं ?"
एक विद्यार्थी कहता है कि उत्तर है 12 + 18 = 30 टॉफियाँ। निम्नलिखित में से कौन-सा विद्यार्थी द्वारा दिए गए उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है ?

(1) विद्यार्थी द्वारा दिया गया उत्तर सही है

(2) विद्यार्थी समस्या को समझ गया है परन्तु लापरवाही के कारण उसने एक अभिकलनात्मक त्रुटि की है

(3) विद्यार्थी ने योग की संक्रिया को इबारती सवाल में संकेतशब्द (मूलशब्द) "अधिक" के साथ संबद्ध कर दिया है

(4) ऐसी गलतियाँ आम हैं क्योंकि इबारती सवालों को प्राथमिक कक्षा के अधिगमकर्ताओं द्वारा हल किया जाना बहुत ही कठिन है

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q55]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

11) According to National Curriculum Framework, 2005, at primary level, a teacher's pedagogical strategies in mathematics must focus upon

(1) memorisation as children come to school as a blank slate.

(2) developing concepts on the basis of the experiences of the child.

(3) memorisation of formulae.

(4) written practice in mathematics.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार प्राथमिक स्तर पर, गणित में एक शिक्षक की शिक्षाशास्त्रीय युक्तियों को केंद्रित होना चाहिए

(1) कंठस्थ कराने पर क्योंकि बच्चे विद्यालय में एक कोरी स्लेट जैसे आते हैं।

(2) बच्चे के अनुभवों के आधार पर अवधारणाओं को विकसित करने पर।

(3) सूत्रों को कंठस्थ करने पर।

(4) गणित में लिखित अभ्यास करने पर।

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q56]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) "We teach mathematics because it has an inherent beauty that can provide the learner with delight and enjoyment." This statement highlights

(1) Practical value of mathematics

(2) Epistemological value of mathematics

(3) Natural value of mathematics

(4) Aesthetic value of mathematics

"हम गणित इसलिए पढ़ाते हैं क्योंकि इसमें अंतर्निष्ठ सरसता है जो कि अधिगमकर्ता को हर्ष और आनंद प्रदान कर सकता है।" यह कथन उजागर करता है

(1) गणित के व्यवहारिक मान को

(2) गणित के ज्ञान-मीमांसात्मक मान को

(3) गणित के प्राकृतिक मान को

(4) गणित के सौंदर्यपरक मान को

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q57]

1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

13) National Education Policy (NEP) 2020 recommends to provide highest priority to achieve universal foundational literacy and numeracy in Primary School by 2025. To meet this goal of NEP 2020, Ministry of Education, Government of India has launched a mission project named

(1) NISHTHA

(2) NIPUN Bharat

(3) FLN

(4) DIKSHA

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 प्रस्तावित करती है कि 2025 तक प्राथमिक विद्यालय में सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त करने को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करनी होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने _______ नामक परियोजना मिशन आरंभ किया है।

(1) निष्ठा

(2) निपुण भारत

(3) एफ. एल. एन.

(4) दीक्षा

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q58]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

14) Gurvinder takes regular tests in his classrooms and compares the scores of the students. He then divides the students in groups of average achievers, below average achievers and above average achievers. The evaluation type is

(1) Criterion-referenced

(2) Formative

(3) Norm-referenced

(4) Prognostic

गुरविंदर अपनी कक्षा में विद्यार्थियों का नियमित रूप से टैस्ट लेता है और उनके अंकों की तुलना भी करता है। वह प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर विद्यार्थियों के समूह बनाता है, जैसे कि - औसत अंक प्राप्त करने वाले, औसत से कम और औसत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। यह किस प्रकार का मूल्यांकन है ?

(1) मानदण्ड-संदर्भित

(2) रचनात्मक

(3) मानक-संदर्भित

(4) पूर्वानुमानिक

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q59]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

15) Which of the following activities is least appropriate to develop mathematical language and communication among learners ?

(1) Provide opportunities to children to work on mathematical problems in groups and express their ideas freely in class.

(2) Ask the english language teacher to help children learn the words specifically used in mathematics.

(3) Facilitate children to rephrase word problems using various ways of representations like symbols, pictures etc.

(4) Provide situations to use standard mathematical notations, wherever possible, to communicate ideas and arguments.

निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि अधिगमकर्ताओं में गणितीय भाषा और संप्रेषण को विकसित करने के लिए सबसे कम उपयुक्त है ?

(1) बच्चों को समूहों में गणितीय समस्याओं पर काम करने तथा कक्षा में अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त करने के अवसर उपलब्ध कराना।

(2) अंग्रेज़ी भाषा के शिक्षक को गणित में विशिष्ट रूप से उपयोग होने वाले शब्दों को सीखने में बच्चों की सहायता करने के लिए कहना।

(3) प्रतीकों (चिह्नों), चित्रों आदि जैसे निरूपण के विभिन्न तरीकों का उपयोग करके इबारती सवालों को दोबारा (पुन:) व्यक्त करने में बच्चों को सहज-सुगम करना।

(4) जहाँ भी संभव हो विचारों और तर्क-वितर्कों को संप्रेषित करने के लिए मानक गणितीय अंकन/चिह्नों के उपयोग हेतु परिस्थितियाँ उपलब्ध कराना।

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q60]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) Identify the correct statements :

A. Social and economic marginalization are not interlinked.

B. Social and economic marginalization are interlinked.

C. Migration is temporary relocation of people because of developmental projects.

D. Displacement is permanent relocation of people because of developmental projects.

(1) A and C

(2) B and C

(3) A and D

(4) B and D

सही कथनों की पहचान कीजिए :

A. सामाजिक व आर्थिक हाशियाकरण आपस में जुड़े हुए नहीं हैं।

B. सामाजिक व आर्थिक हाशियाकरण आपस में जुड़े हुए हैं।

C. विकास परियोजनाओं के कारण लोगों का अस्थाई पुन:स्थानन प्रवसन कहलाता है।

D. विकास परियोजनाओं के कारण लोगों का स्थाई पुन:स्थानन विस्थापन कहलाता है।

(1) A और C

(2) B और C

(3) A और D

(4) B और D

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q61]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

2) Consider the following statements regarding Baolis (Stepwells) :

A. These are found mainly in rain parched areas.

B. These are the traditional system of storing and conserving rainwater.

C. These are used as a community resource.

D. In stepwells the steps go down several storeys deep but nobody was allowed to go down the steps to reach the water.

The correct statements are :

(1) A and C only

(2) A and D only

(3) B, C and D

(4) A, B and C

बावड़ियों (सीढ़ीदार कुओं) के बारे में नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए :

A. ये मुख्यत: वर्षा-रहित क्षेत्रों में ही दिखाई देते हैं।

B. ये वर्षा के पानी के भण्डारण और संरक्षण की पारम्परिक प्रणाली है।

C. इनका उपयोग सामुदायिक संसाधन के रूप में किया जाता है।

D. बावड़ियों में सीढ़ियाँ जमीन के नीचे कई मंजिल तक जाती हैं परन्तु किसी को भी सीढ़ियों द्वारा नीचे पानी तक जाने की अनुमति नहीं होती है।

इनमें सही कथन हैं :

(1) केवल A और C

(2) केवल A और D

(3) B, C और D

(4) A, B और C

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q62]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

3) After a disaster, refugees/people return back to their original region. This is

(1) Displacement

(2) Transfer

(3) Repatriation

(4) Immigration

आपदा के बाद, शरणार्थी/लोग अपने क्षेत्र को वापस लौटते हैं। यह है

(1) विस्थापन

(2) स्थानांतरण

(3) प्रत्यावर्तन

(4) आप्रवास

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q63]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

4) Solve the following riddle :

"In trunk of trees holes I make
Hidden insects I intake
Tuk-tuk-tuk I work all day
Tell my name what people say"

(1) Woodpecker

(2) Indian Robin

(3) Sunbird

(4) Dove

नीचे दी गयी पहेली हल कीजिए :

"पेड़ के तने में छेद बनाऊँ
उसमें छिपे कीड़े मैं खाऊँ
टुक-टुक-टुक करता जाता हूँ
बोलो क्या कहलाता हूँ"

(1) कठफोड़वा

(2) कलचिड़ी

(3) शकरखोरा

(4) फ़ाख़्ता

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q64]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) Consider the following statements regarding beekeeping in Bihar :

A. The best period to start beekeeping is April to June.

B. Every beehive has one queen that lays eggs.

C. There are only a few males in the hive. They perform special role as workers and also make the hives.

D. Female bees fly around flowers in search of nectar. They collect nectar from flowers for honey.

The correct statements are :

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) B and D only

(4) A and C only

बिहार में मधुमक्खी पालन के बारे में नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए :

A. मधुमक्खी पालन आरम्भ करने का सर्वोत्तम समय अप्रैल से जून है।

B. प्रत्येक मधुमक्खी के छत्ते में एक रानी मक्खी होती है जो अण्डे देती है।

C. छत्ते में केवल कुछ नर मक्खी होते हैं। ये श्रमिक के रूप में विशेष भूमिका निभाते हैं और छत्ता भी बनाते हैं।

D. मादा मधुमक्खियाँ फूलों के चारों ओर रस के लिए नाचती हैं। ये फूलों से रस एकत्र करके शहद बनाती हैं।

इनमें सही कथन हैं :

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) केवल B और D

(4) केवल A और C

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q65]

1. 1 [Option ID = 257]
2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

6) In a village of Maharashtra with sugar fields, what is the role of a 'Mukadam' ?

(1) He is an agent who provides access to different irrigation facilities.

(2) He is an agent who allots ration to the families.

(3) He is an agent who encourages use of modern agricultural facilities.

(4) He is an agent who lends money and gives the details of the loan taken by each family.

महाराष्ट्र में गन्ने के खेतों वाले एक गाँव में, 'मुकादम' की क्या भूमिका है ?

(1) वह एक एजेंट है जो विभिन्न सिंचाई की सुविधाओं को उपलब्ध कराता है।

(2) वह एक एजेंट है जो परिवारों को राशन बँटवाता है।

(3) वह एक एजेंट है जो आधुनिक कृषि सुविधाओं के प्रयोग को प्रोत्साहित करता है।

(4) वह एक एजेंट है जो धन उधार पर देता है तथा प्रत्येक परिवार द्वारा लिए गए ऋण का विवरण देता है।

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q66]

1. 1 [Option ID = 261]
2. 2 [Option ID = 262]
3. 3 [Option ID = 263]
4. 4 [Option ID = 264]

7) For testing proteins in food, the food turns violet because

(1) copper sulphate is red and reacts with peptide bond to form violet colour.

(2) the reagent methyl orange is yellow and it turns violet easily.

(3) of the presence of peptide bond in food.

(4) of the presence of O-peptide bond in food.

खाद्य-पदार्थों में प्रोटीन की जाँच के समय, खाद्य-पदार्थ बैंगनी रंग का हो जाता है क्योंकि

(1) कॉपर सल्फेट लाल रंग का होता है तथा पेप्टाइड बंध के साथ अभिक्रिया के कारण बैंगनी रंग बनता है।

(2) अभिकर्मक मेथिल ऑरेंज पीले रंग का है तथा उसका रंग बदल कर बैंगनी आसानी से हो जाता है।

(3) खाद्य-पदार्थ में पेप्टाइड बंध की उपस्थिति होती है।

(4) खाद्य-पदार्थ में O-पेप्टाइड बंध की उपस्थिति होती है।

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q67]

1. 1 [Option ID = 265]
2. 2 [Option ID = 266]
3. 3 [Option ID = 267]
4. 4 [Option ID = 268]

8) Ramu complains of weak muscles and very little energy to work. He may be having deficiency of

(1) Vitamin D

(2) Vitamin A

(3) Vitamin C

(4) Vitamin B_1

रामू कमजोर मांसपेशियों तथा कार्य करने के लिए बहुत कम ऊर्जा की शिकायत करता है। उसे अभाव हो सकता है

(1) विटामिन डी का

(2) विटामिन ए का

(3) विटामिन सी का

(4) विटामिन बी$_1$ का

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q68]

1. 1 [Option ID = 269]
2. 2 [Option ID = 270]
3. 3 [Option ID = 271]
4. 4 [Option ID = 272]

9) Pochampalli is a district of one of the states of our country. This district is famous for beautiful colourful sarees and a special kind of weave. "Pochampalli" was a part of which state ?

(1) Karnataka

(2) Andhra Pradesh

(3) Tamil Nadu

(4) Telangana

पोचमपल्ली हमारे ही देश के एक राज्य का जिला है। यह जिला अपनी सुन्दर चमकीली रंग-बिरंगी साड़ियों और विशेष प्रकार की बुनाई के लिए प्रसिद्ध है। यह जिला किस राज्य का भाग था ?

(1) कर्नाटक

(2) आंध्र प्रदेश

(3) तमिलनाडु

(4) तेलंगाना

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q69]

1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

10) Select from the following a pair of petroleum producing regions of our country :

(1) Assam and Rajasthan

(2) Bihar and Bombay High

(3) Gujarat and Tamil Nadu

(4) West Bengal and Bombay High

निम्नलिखित में से हमारे देश के पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्रों के युगल को चुनिए :

(1) असम और राजस्थान

(2) बिहार और बॉम्बे हाई

(3) गुजरात और तमिलनाडु

(4) पश्चिम बंगाल और बॉम्बे हाई

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q70]

1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]
4. 4 [Option ID = 280]

11) When an organism makes small changes in the body to overcome small problems due to change in surroundings it is called ________ .

(1) Acclimatisation

(2) Adaptation

(3) Adoption

(4) Adjustment

पास-पड़ोस के वातावरण में बदलाव के कारण छोटी-छोटी समस्याओं से पार पाने के लिए जब कोई जीव अपने शरीर में छोटे बदलाव करता है, तो यह ________ कहलाता है।

(1) पर्यानुकूलन

(2) अनुकूलन

(3) अभिग्रहण

(4) समायोजन

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q71]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

12) Which of the following erosion and deposition is ***not*** the work of sea waves ?

(1) Arches

(2) Cliff

(3) Stacks

(4) Loess

निम्नलिखित में से कौन-सा समुद्री लहरों से होने वाला अपरदन एवं निक्षेपण ***नहीं*** है ?

(1) मेहराब

(2) खड़ी चट्टान

(3) ढेर

(4) लोएस (पवनोढ मृत्तिका)

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q72]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

13) Meteorites burn up in this layer of atmosphere :

(1) Thermosphere

(2) Mesosphere

(3) Stratosphere

(4) Exosphere

वायुमंडल के इस परत में उल्का-पिंड जल जाते हैं :

(1) बाह्य वायुमंडल

(2) मध्यमंडल

(3) समतापमंडल

(4) बहिर्मंडल

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q73]

1. 1 [Option ID = 289]
2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) What will happen if the orbit of moon starts decreasing ?

(1) Moon will exert a greater gravitational force.

(2) Low tide will become high and high tide will become low.

(3) It will cause a low tidal bulge.

(4) Neap tides will occur.

यदि चन्द्रमा का परिक्रमा-पथ घटना शुरू हो जाए तो क्या होगा ?

(1) चन्द्रमा एक बृहत गुरुत्वीय बल प्रयोग में लाएगा ।

(2) निम्न ज्वार-भाटा उच्च बन जाएगा और उच्च ज्वार-भाटा निम्न बन जाएगा ।

(3) यह एक निम्न ज्वारीय उभार पैदा करेगा ।

(4) निम्न ज्वार-भाटे पैदा होंगे ।

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q74]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) Coldest inhabited place on earth located in Ladakh is known as _______

(1) Dras

(2) Kargil

(3) Gangri

(4) Karakoram

लद्दाख में स्थित पृथ्वी की सबसे ठंडी बसी हुई/आबाद जगह का नाम है

(1) द्रास

(2) कारगिल

(3) गांगरी

(4) काराकोरम

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q75]

1. 1 [Option ID = 297]

2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) An EVS teacher explains to his students "Snake has no ears so it cannot hear Sapera's been."
Which of the following statements explains the process skill involved in this ?

A. Expressing natural curiosity about the environment.

B. Establishing the cause and effect relationship.

C. Exhibiting appreciation towards animal diversity.

D. Making generalisation based on observation.

(1) B and D

(2) A and B

(3) B and C

(4) C and D

एक पर्यावरण अध्यापक अपने विद्यार्थियों को समझाता है कि "साँप के कान नहीं होते, इसलिए वे सपेरे की बीन नहीं सुन सकता है।"
निम्नलिखित में से कौन-से कथन प्रक्रिया कौशल की व्याख्या करते हैं ?

A. पर्यावरण के बारे में स्वाभाविक जिज्ञासा की अभिव्यक्ति।

B. कार्य और कारण संबंध की स्थापना।

C. जीव विविधता के प्रति सराहना की अभिव्यक्ति।

D. अवलोकन के आधार पर सामान्यीकरण करना।

(1) B और D

(2) A और B

(3) B और C

(4) C और D

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q76]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

2) Which of the following activity should be conducted/discussed in the class by the teacher to teach the topic spoilage of food ?

(1) Observe cooking of food at home

(2) To buy things in maximum quantity

(3) To keep the chips packet in freezer

(4) To check the expiry date before buying any commodity

खाद्य-पदार्थों के खराब हो जाने के प्रकरण को पढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी क्रियाकलाप या चर्चा कक्षा में शिक्षक को करानी चाहिए ?

(1) घर पर भोजन बनाने का अवलोकन करना

(2) अधिकतम मात्रा में चीज़ों को खरीदना

(3) चिप्स पैकेट को फ्रीज़र में रखना

(4) किसी भी पदार्थ को खरीदने से पूर्व उसकी समाप्ति की तिथि की जाँच करना

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q77]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]
3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

3) Active learning is characterized by which of the following strategies ?

(1) Self-study, Problem solving and Discussion

(2) Testing achievement

(3) Taking notes from blackboard

(4) Delivering structured learning experiences

निम्नलिखित में से किस योजना से सक्रिय अधिगम पहचाना जाता है ?

(1) स्व-पठन, समस्या समाधान और परिचर्चा

(2) उपलब्धि परीक्षण

(3) श्यामपट्ट से नोट लिखना

(4) संरचित अधिगम अनुभव देना

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q78]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

4) When students are given the freedom to learn at their own pace, the approach of learning is

(1) Collaborative learning

(2) Adaptive learning

(3) Active learning

(4) Passive learning

जब विद्यार्थियों को उनकी अपनी गति से सीखने की स्वतंत्रता दी जाती है, तब अधिगम का यह उपागम कहलाता है

(1) सहयोगात्मक अधिगम

(2) अनुकूली अधिगम

(3) सक्रिय अधिगम

(4) निष्क्रिय अधिगम

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q79]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) Which of the following strategies promotes inquiry while teaching 'Shelter' to class V students ?

(1) Asking students to collect pictures of different shelters in rural and urban areas

(2) Showing pictures of shelters of different animals to students

(3) Showing digital presentation on shelters of different animals to students

(4) Asking students to narrate their experience of visiting shelters in community

कक्षा V के विद्यार्थियों को 'आवास' के बारे में सिखाते समय निम्नलिखित में से कौन-सी युक्ति अन्वेषण (इंक्वाइरी) को प्रोत्साहित करेगी ?

(1) विद्यार्थियों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विभिन्न आवासों के चित्र एकत्र करने के लिए कहना

(2) विद्यार्थियों को विभिन्न पशुओं के आवासों के चित्र दिखाना

(3) विद्यार्थियों को विभिन्न पशुओं के आवासों पर डिजिटल प्रस्तुतीकरण दिखाना

(4) विद्यार्थियों को समुदाय में आवासों के भ्रमण के अपने अनुभवों का वर्णन करने को कहना

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q80]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) In primary classes, for teaching EVS, which of the following is essential ?

A. Well-equipped lab

B. A resource room

C. Local resources

D. Experiments using easily available material

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

प्राथमिक कक्षाओं में, पर्यावरण अध्ययन शिक्षण हेतु, निम्नलिखित में से क्या अनिवार्य है ?

A. सुसज्जित प्रयोगशाला

B. संसाधन कक्ष

C. स्थानीय संसाधन

D. आसानी से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करने वाले प्रयोग

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q81]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) What could be the most appropriate for the students in the learning of EVS through experiments ?

(1) Allow each child to perform the activity, observe, record, and make meaning of his or her observations.

(2) Don't accept all the answers that children may give in their own language.

(3) Allow students to memorize all the steps of the experiments, including facts and principles.

(4) Allow students to write definitions of the outcome of the experiment.

प्रयोगों के माध्यम से पर्यावरण अध्ययन सीखने में विद्यार्थियों के लिए क्या सबसे उपयुक्त हो सकता है ?

(1) प्रत्येक बच्चे को गतिविधि करने, निरीक्षण करने, रिकॉर्ड करने और अपने अवलोकनों का अर्थ बनाने की अनुमति दें ।

(2) उन सभी उत्तरों को स्वीकार न करें जो बच्चे अपनी भाषा में दे सकते हैं ।

(3) विद्यार्थियों को तथ्यों और सिद्धांतों सहित प्रयोगों के सभी चरणों को याद रखने की अनुमति दें ।

(4) विद्यार्थियों को प्रयोग के परिणाम की परिभाषा लिखने की अनुमति दें ।

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q82]

1. 1 [Option ID = 325]
2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

8) Which of the following documents is the cumulative evidence of successive learning achievement in a definite period ?

(1) Assessment indicator scoring booklet

(2) Annual assessment record register

(3) Portfolio

(4) Report card

निम्नलिखित में से कौन-सा दस्तावेज एक निश्चित अवधि में बच्चे की उत्तरोत्तर अधिगम उपलब्धि का संचयी साक्ष्य है ?

(1) आकलन सूचक अंकन पुस्तिका

(2) वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका

(3) पोर्टफोलियो

(4) रिपोर्ट कार्ड

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q83]

1. 1 [Option ID = 329]
2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

9) Which of the following is a student-centred method of teaching EVS ?

(1) Lecture method

(2) Dictation

(3) Lecture and dictation

(4) Project method

पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण का विद्यार्थी-केंद्रित प्रक्रम निम्नलिखित में से कौन-सा है ?

(1) व्याख्यान विधि

(2) श्रुतलेखन

(3) व्याख्यान एवं श्रुतलेखन

(4) प्रायोजन विधि

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q84]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

10) Indira is finding it difficult to understand that medicine for snake bite is made from snake's poison. Which of the following method should Indira's teacher use to help her understand better ?

A. Inviting a doctor for a talk on "How snake bite is cured ?"

B. Inviting a Sapera (Snake charmer) for explaining "How medicine is made from snake's poison ?"

C. An explanation of the process by the teacher.

D. A video presentation of the process how medicine is prepared from snake's poison.

(1) A and D

(2) B and C

(3) A and B

(4) B and D

इंदिरा को यह समझने में कठिनाई हो रही है कि साँप के काटने की दवाई साँप के जहर से ही बनती है । इंदिरा के शिक्षक को निम्नलिखित में से कौन-सी विधि का प्रयोग करना चाहिए जिससे वह इसे बेहतर तरीके से समझ सके ?

A. "साँप के काटने पर इलाज कैसे किया जाता है ?" पर वार्ता के लिए डॉक्टर को आमंत्रित करें ।

B. "साँप के जहर से दवाई कैसे बनाई जाती है ?" यह समझाने के लिए सपेरे को आमंत्रित करें ।

C. शिक्षक द्वारा इस प्रक्रिया की व्याख्या की जाए ।

D. साँप के जहर की दवाई कैसे बनाई जाती है, उस प्रक्रिया का वीडियो प्रस्तुतीकरण ।

(1) A और D

(2) B और C

(3) A और B

(4) B और D

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q85]

1. 1 [Option ID = 337]
2. 2 [Option ID = 338]
3. 3 [Option ID = 339]
4. 4 [Option ID = 340]

11) Anita, an EVS teacher, is describing the advantage of choosing 'percentage' for reporting performance of students in assessments. Which is Anita's statement ?

(1) Percentage is suitable for lower classes.

(2) Percentage is easy to use for assessment of skills.

(3) Percentage describe the strength and weakness of students.

(4) Percentage is easy to use and interpret for administrative purpose.

एक पर्यावरण अध्ययन की शिक्षिका अनीता, विद्यार्थियों के आकलन में उनके प्रदर्शन को दर्शाने के लिए 'प्रतिशत' का चयन करने के लाभ का वर्णन कर रही है। अनीता का कौन-सा कथन है ?

(1) निचली कक्षाओं के लिए प्रतिशत उपयुक्त है।

(2) कौशलों के आकलन के लिए प्रतिशत का प्रयोग आसान है।

(3) विद्यार्थियों की शक्तियों तथा कमज़ोरियों का वर्णन प्रतिशत से होता है।

(4) प्रशासनिक उद्देश्य के लिए प्रतिशत का प्रयोग करने में एवं अर्थ निकालने में आसान है।

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q86]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

12) Playful activities are organised for children to

(1) understand the rules of the society

(2) remain active and promote their learning

(3) develop gender stereotypes

(4) play outdoors without any restrictions

बच्चों के लिए खेलों वाले क्रियाकलापों की व्यवस्था की जाती है जिससे वे

(1) समाज के नियमों को समझें

(2) सक्रिय रहें तथा अपने सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाएँ

(3) लिंग संबंधी रूढ़िबद्ध धारणाओं को विकसित करें

(4) घर से बाहर बिना किसी रोक-टोक के खेलें

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q87]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) An activity is

(1) verifying principles given in textbook

(2) an open-ended exploration

(3) helping children to learn

(4) a way of presenting concepts

गतिविधि है

(1) पाठ्यपुस्तक में दिए गए सिद्धांतों का पुष्टिकरण

(2) एक खुला/स्वतंत्र अन्वेषण

(3) बच्चों को सीखने में सहायता करना

(4) अवधारणाओं को प्रस्तुत करने का तरीका

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q88]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]
3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) EVS as a subject is ________ .

(1) cross-disciplinary

(2) disciplinary

(3) interdisciplinary

(4) intradisciplinary

पर्यावरण अध्ययन किस प्रकार का विषय है ?

(1) जिसमें अन्य विषय समाहित हों

(2) विषयक

(3) अंतर-विषयक

(4) अंतरा-विषयक

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q89]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) The content in EVS textbooks should

A. give written information to students

B. provide opportunities to question and explore

C. discourage rote memorisation

D. avoid definitions and detailed description

(1) A, B and C

(2) B and C

(3) A, C and D

(4) B, C and D

पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों में सामग्री कैसी होनी चाहिए ?

A. छात्रों को लिखित जानकारी देना

B. प्रश्न करने एवं अन्वेषण के अवसर प्रदान करना

C. रटने को हतोत्साहित करना

D. परिभाषाओं तथा विस्तृत विवरण से बचना

(1) A, B और C

(2) B और C

(3) A, C और D

(4) B, C और D

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q90]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]
4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- Telugu_Q91-99_L1_P1_CTET

1) **సూచన :** *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఆచార్య బి. రామరాజు, నాయని కృష్ణకుమారి (తెలుగు జానపద గేయగాథలు) నేతృత్వంలో జానపద సాహిత్యంపై విస్తృతమైన పరిశోధనలు జరిగాయి. కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి (పొడుపుకథలు), కె. రుక్నుద్దీన్ (జానపద సాహిత్యంలో అలంకార విధానం), ఎల్దండ రఘుమన్న (పల్లె పదాలలో ప్రజాజీవనం), రావి ప్రేమలత (పురాణగాథలు), సిహెచ్. వసుంధర (స్త్రీల గేయములలో సంప్రదాయము) కె. సుమతి (జానపద కథలు), బి. బాలస్వామి (మహబుబ్ నగర్ జిల్లా జానపదకథలు), గోపు లింగారెడ్డి (శ్రామిక గేయాలు), బి. దామోదరరావు (జానపదుల సామెతలు), టి.వి. రామ నరసయ్య (తెలుగు సామెతలు), ఎం. అండమ్మ (నల్లగొండ జిల్లా గ్రామదేవతలు), సిహెచ్. యాదయ్య (బవనీలు), ఎస్.ఆర్. వెంకటేశం (బుడగ జంగాలు), బి. కేశవులు (మోటపాటలు), వి. సురేందర్ రావు (కోలాటం పాటలు), పి. ఎల్లారెడ్డి (యక్షగానాలు) విర వేణుగోపాల్ ప్రాచీనాంధ్రసాహిత్యం, (గిరిజన జీవనచిత్రణ) సూర్య ధనంజయ్, ఎం. ఇందిరాదేవి (పాలమూరు జిల్లా గ్రామదేవతలు) మొదలైనవారి సిద్ధాంత వ్యాసాలు పేర్కొనదగినవి. దేవరాజు మహారాజు 'ఆధునిక యుగంలో జానపద సాహిత్యం'లో (1987) అర్వాచీన జానపద గేయాలను పరామర్శించారు.

కాకతీయ విశ్వవిద్యాలయ ప్రాంతంలోనూ, దాని పరిధిలోగల వివిధ జిల్లాలోనూ సాహిత్య విమర్శ రంగంలో గణనీయమైన కృషి జరిగింది. తెలుగుశాఖలోని ఆచార్యులు, అధ్యాపకులు సృజనాత్మక రచయితలుగానే కాక విమర్శకులుగా కూడ వాసికెక్కారు. వసుచరిత్రపై లోతైన పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన కోవెల సుప్రసన్నాచార్య వ్యాససంపుటి 'సాహిత్య వివేచన' రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ ఉత్తమ విమర్శ బహుమతి పొందింది. 'సహృదయ

చక్రము', 'భావుకసీమ', అధ్యయనం, చందనశాఖి, దర్శణం, సమర్చన, సమర్పణ, భావసంధ్య, 'కావ్య ప్రమితి' మున్నగు వ్యాససంపుటులు ఆయన సూక్ష్మ వివేచనా ప్రతిభకు గీటురాళ్లు. ప్రాచీనాధునిక ప్రక్రియలు, కవుల కావ్యాలపై హృద్యమైన విమర్శలు వీనిలో గోచరిస్తాయి. 'అంతరంగం' వివిధ గ్రంథలకు అయన కూర్చిన పీఠికల సమాహారం.

ఛందస్సు అలంకారశాస్త్ర నిష్ణాతులైన కోవెల సంపత్కుమారాచార్య ఆధునిక సాహిత్య విమర్శ – సాంప్రదాయిక రీతి (1981) లో తెలుగు విమర్శలో అలంకారశాస్త్ర సంప్రదాయ ప్రసారాన్ని విశిష్టంగా వివేచించారు. 'తెలుగు ఛందోవికాసము' 1962) లో తెలుగు సాహిత్యంలో ఛందస్సు క్రమవికాస పరిణామాన్ని సమగ్రంగా విశ్లేషించారు. 'పూర్వకవుల కావ్య దృక్పథాలు' 1990) లో నలుగురు ఆంధ్రమహాకవుల విమర్శ సూత్రాలను విశదీకరించారు. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ సాహిత్యాన్ని సమ్యక్ వీక్షణంతో (విశ్వనాథ సాహిత్య దర్శనం – 2004) దర్శించారు. 'మన పండితులు – కవులు – రచయితలు'లో (1970) వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించారు. 'కావ్యం – కవి స్వామ్యం' (1993), కన్యాశుల్కం – మరో వైపు (2000) ఆయన వివేచనా ప్రతిభకు తార్కాణాలు.

ఆరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించి డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన పేర్వారం జగన్నాథం సాహిత్యావలోకనం, సాహితీ వసంతం వ్యాససంపూటలు ప్రచురించారు. ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడిన అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు (1987), సాహిత్యం – సమాజం – రాజకీయాలు పేర్వారం గారి విశిష్ట పరిశీలనా దృష్టికీ, సాహిత్యాభిరుచికీ నిదర్శనాలు. స్వేచ్ఛా కవిత్వం పేరిట వచన కవితారంగంలో విలక్షణమైన కావ్యాలు వెలువరిస్తున్న మాదిరాజు రంగారావు వినూత్న దృక్కోణంతో కూడిన విమర్శలు కూడా విరచించారు. కవిత్రయం సృజన కళ – నిర్వహణ శిల్పం (2003) డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన ఆయన సిద్ధాంత గ్రంథం. సృజన చేతన – రామాయణ కల్పవృక్షం (2009) విశ్వనాథ కావ్యవైశిష్ట్యాన్ని సూక్ష్మాంశ వివేచనతో నిరూపిస్తుంది. శ్రీశ్రీ, దాశరథి కవిత్వాలను ప్రత్యేకంగా సమీక్షించిన రంగారావు ఆధునిక కవితాధోరణులు, కవుల కావ్యాలు, సాహితీ ప్రక్రియలను సమాలోచనం, సమదర్శనం, సృజనదృష్టి అన్న వ్యాససంపుటుల్లో విశదీకరించారు. స్వేచ్ఛా కవిత్వంలోని ప్రజాస్వామ్య, మానవీయభావనలను వివరిస్తూ పరిచయాత్మకమైన మరి రెండు వ్యాస సంపుటాలు వెలువరించారు. ప్రసిద్ధ విప్లవకవి పెండ్యాల వరవరరావు 'తెలంగాణ విమోచనోద్యమం – తెలుగు నవల' పై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందారు. కొరవి గోపరాజు, నాయని సుబ్బారావు కృతుల పరిశీలనకు ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. పట్టాలు పొందిన అనుమాండ్ల భూమయ్య వేయిపడగలు, మాలపల్లి, ప్రజల మనిషిపై విమర్శలు ప్రకటించారు. సురవరం గోలకొండకవుల సంచికను, సినారె కర్పూర వసంతరాయలను ప్రత్యేకంగా వివేచించారు. వ్యాసభారతి, వ్యాసభూమి, అంతర్వీక్షణం ఆయన వ్యాససంపూటాలు. 'రాయప్రోలు సౌందర్య దర్శనం' కావించిన డా. కె. యాదగిరి వివిధాంశాలపై సదస్సులలో పరిశోధన పత్రాలు సమర్పించారు. వివిధ ప్రక్రియా వివేచనకు సంబంధించిన పలు సాహిత్యసంచికలు ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడ్డాయి. తెలంగాణా సాహిత్య సంస్థల గురించిన పరిశోధన సల్పిన టన్నె ఐలయ్య 'తెలంగాణా సాహిత్య సాంస్కృతిక చైతన్యం' (2006) అన్న సిద్ధాంతగ్రంథం ప్రచురించారు. 'తెలుగు కవిత అభినవ

దృక్పథం' (దళిత సాహిత్య విమర్శ), 'నాలుగు ఆధునిక కావ్యాలు – ఒక పరిచయం', ఆధునిక కవితా విమర్శలు. సాహితీకిరణాలు, సవ్వడి ఆయన విమర్శవ్యాససంపుటులు. 'కాలువ మల్లయ్య కథలు – తెలంగాణా జనజీవితం' (2010) సహృదయ పురస్కారం పొందింది. చివరకు మిగిలేది నవలపై సిద్ధాంత వ్యాసం రచించిన కాత్యాయనీ విద్మహే స్త్రీవాద దృక్పథంతో సాహిత్య విపేచన గావించారు. 'ప్రాచిన సాహిత్యం – మరో చూపు' (2008) వినూత్న దృక్కోణంతో ప్రాచీన కావ్యాలను, కవులను అనుశీలించిన వ్యాస సంపుటి. స్త్రీల కవిత్వం, కథ, అస్తిత్వ చైతన్యం అంశాలను సూక్ష్మదృష్టితో పరిశీలించిన గ్రంథం 'సాహిత్యాకాశాంలో' సగం (2010). 'నాటక సాహిత్య విమర్శ' వెలువరించిన డా. పి. జ్యోతి విమర్శ వ్యాససంపుటులు 'వ్యాసమందారం' (2005), 'జానపద విజ్ఞాన వ్యాసమంజరి' (2008). నన్నయ భారతంలో ఉపమాలంకారంపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పొందిన డా. బి. రుక్మిణి ఉపనిషత్ కథలు, జానపద రామాయణం, ఆంధ్ర మహాభారతంపై రచించిన వ్యాసాలు 'వ్యాసపారిజాతం' (2005) గా ప్రకటితమైనాయి.

డా. జి. వెంకటరత్నం హంస వింశతిలోని విజ్ఞాన సర్వస్వ స్వభావంపై సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రచురించటమే కాక విజ్ఞాన సర్వస్వాలపై విస్తృతమైన పరిశోధన సల్పారు. 'విశ్వనాథ వారి కృష్ణకావ్యాల'పై (1994) పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన శ్రీరంగస్వామి వాఙ్మయ సూచికలపై (వరంగల్ జిల్లా రచయితలు, కోపెల సుప్రసన్నాచార్య జీవిత వాఙ్మయాలు) ప్రత్యేక దృష్టిని ప్రసరించారు. విపంచి, సాహితీ గవాక్షం, శ్రీవ్యాసం, సమూహ మొ. వ్యాససంపుటాలు ఆయన సాహిత్య విపేచనకు ప్రతిరూపాలు. విశ్వనాథ నవలా సాహిత్యంపై జి. లక్ష్మణరావు, కె..యస్.వి. రాఘవన్, వి. వెంకటరామారావు పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసాలు ప్రచురించారు. అభినవ పోతన వానమామలై వరదాచార్యులు సాహిత్యాన్ని డా. అందె వెంకటరాజం సమాలోచించగా ఆయన సోదరుడు వానమామలై జగన్నాథచార్యుల 'రైతు రామాయణ' ప్రాశస్త్యాన్ని డా. డింగరి నరహరి చారి, డా. డింగరి రామాచారి నిరూపించారు. డా. అయాచితం నటేశ్వరశర్మ సంస్కృతాంధ్ర వాఙ్మయ విమర్శలు గణనీయమైనవి.

'తెలంగాణ సాంస్కృతిక చైతన్యం' అనే సిద్ధాంత గ్రంథం ఎవరిది ?

(1) బన్న ఐలయ్య

(2) శ్రీరంగస్వామి

(3) డా.కె. యాదగిరి

(4) అనుమాండ్ల భూమయ్య

[Question ID = 211][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q91]

1. 1 [Option ID = 841]
2. 2 [Option ID = 842]
3. 3 [Option ID = 843]
4. 4 [Option ID = 844]

2) **సూచన :** *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఆచార్య బి. రామరాజు, నాయని కృష్ణకుమారి (తెలుగు జానపద గేయగాథలు) నేతృత్వంలో జానపద సాహిత్యంపై విస్తృతమైన పరిశోధనలు జరిగాయి. కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి (పొడుపుకథలు), కె. రుక్నుద్దీన్ (జానపద సాహిత్యంలో అలంకార విధానం), ఎల్దండ రఘుమన్న (పల్లె పదాలలో ప్రజాజీవనం), రావి ప్రేమలత (పురాణగాథలు), సిహెచ్. వసుంధర (స్త్రీల గేయములలో సంప్రదాయము) కె. సుమతి (జానపద కథలు), బి. బాలస్వామి (మహబుబ్ నగర్ జిల్లా జానపదకథలు), గోపు లింగారెడ్డి (శ్రామిక గేయాలు), బి. దామోదరరావు (జానపదుల సామెతలు), టి.వి. రామ నరసయ్య (తెలుగు సామెతలు), ఎం. అండమ్మ (నల్లగొండ జిల్లా గ్రామదేవతలు), సిహెచ్. యాదయ్య (బవనీలు), ఎస్.ఆర్. వెంకటేశం (బుడగ జంగాలు), బి. కేశవులు (మోటపాటలు), వి. సురేందర్ రావు (కోలాటం పాటలు), పి. ఎల్లారెడ్డి (యక్షగానాలు) విర వేణుగోపాల్ ప్రాచీనాంధ్రసాహిత్యం, (గిరిజన జీవనచిత్రణ) సూర్య ధనంజయ్, ఎం. ఇందిరాదేవి (పాలమూరు జిల్లా గ్రామదేవతలు) మొదలైనవారి సిద్ధాంత వ్యాసాలు పేర్కొనదగినవి. దేవరాజు మహారాజు 'ఆధునిక యుగంలో జానపద సాహిత్యం'లో (1987) అర్వాచీన జానపద గేయాలను పరామర్శించారు.

కాకతీయ విశ్వవిద్యాలయ ప్రాంతంలోనూ, దాని పరిధిలోగల వివిధ జిల్లాలోనూ సాహిత్య విమర్శ రంగంలో గణనీయమైన కృషి జరిగింది. తెలుగుశాఖలోని ఆచార్యులు, అధ్యాపకులు సృజనాత్మక రచయితలుగానే కాక విమర్శకులుగా కూడ వాసికెక్కారు. వసుచరిత్రపై లోతైన పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన కోవెల సుప్రసన్నాచార్య వ్యాససంపుటి 'సాహిత్య వివేచన' రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ ఉత్తమ విమర్శ బహుమతి పొందింది. 'సహృదయ చక్రము', 'భావుకసీమ', అధ్యయనం, చందనశాఖి, దర్పణం, సమర్చన, సమర్పణ, భావసంధ్య, 'కావ్య ప్రమితి' మున్నగు వ్యాససంపుటులు ఆయన సూక్ష్మ వివేచనా ప్రతిభకు గీటురాళ్లు. ప్రాచీనాధునిక ప్రక్రియలు, కవుల కావ్యాలపై హృద్యమైన విమర్శలు వీనిలో గోచరిస్తాయి. 'అంతరంగం' వివిధ గ్రంథలకు అయన కూర్చిన పీఠికల సమాహారం.

ఛందస్సు అలంకారశాస్త్ర నిష్ణాతులైన కోవెల సంపత్కుమారాచార్య ఆధునిక సాహిత్య విమర్శ – సాంప్రదాయిక రీతి (1981) లో తెలుగు విమర్శలో అలంకారశాస్త్ర సంప్రదాయ ప్రసారాన్ని విశిష్టంగా వివేచించారు. 'తెలుగు ఛందోవికాసము' 1962) లో తెలుగు సాహిత్యంలో ఛందస్సు క్రమవికాస పరిణామాన్ని సమగ్రంగా విశ్లేషించారు. 'పూర్వకవుల కావ్య దృక్పథాలు' 1990) లో నలుగురు ఆంధ్రమహాకవుల విమర్శ సూత్రాలను విశదీకరించారు. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ సాహిత్యాన్ని సమ్యక్ వీక్షణంతో (విశ్వనాథ సాహిత్య దర్శనం – 2004) దర్శించారు. 'మన పండితులు – కవులు – రచయితలు'లో (1970) వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించారు. 'కావ్యం – కవి స్వామ్యం' (1993), కన్యాశుల్కం – మరో వైపు (2000) ఆయన వివేచనా ప్రతిభకు తార్కాణాలు.

ఆరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించి డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన పేర్వారం జగన్నాథం సాహిత్యావలోకనం, సాహితీ వసంతం వ్యాససంపుటలు ప్రచురించారు. ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడిన అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు (1987), సాహిత్యం – సమాజం – రాజకీయాలు పేర్వారం గారి విశిష్ట పరిశీలనా దృష్టికీ, సాహిత్యాభిరుచికీ

నిదర్శనాలు. స్వేచ్ఛా కవిత్వం పేరిట వచన కవితారంగంలో విలక్షణమైన కావ్యాలు వెలువరిస్తున్న మాదిరాజు రంగారావు వినూత్న దృక్కోణంతో కూడిన విమర్శలు కూడా విరచించారు. కవిత్రయం సృజన కళ – నిర్వహణ శిల్పం (2003) డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన ఆయన సిద్ధాంత గ్రంథం. సృజన చేతన – రామాయణ కల్పవృక్షం (2009) విశ్వనాథ కావ్యవైశిష్ట్యాన్ని సూక్ష్మాంశ వివేచనతో నిరూపిస్తుంది. శ్రీశ్రీ, దాశరథి కవిత్వాలను ప్రత్యేకంగా సమీక్షించిన రంగారావు ఆధునిక కవితాధోరణులు, కవుల కావ్యాలు, సాహితీ ప్రక్రియలను సమాలోచనం, సమదర్శనం, సృజనదృష్టి అన్న వ్యాససంపుటుల్లో విశదీకరించారు. స్వేచ్ఛా కవిత్వంలోని ప్రజాస్వామ్య, మానవీయభావనలను వివరిస్తూ పరిచయాత్మకమైన మరి రెండు వ్యాస సంపుటాలు వెలువరించారు. ప్రసిద్ధ విప్లవకవి పెండ్యాల వరవరరావు 'తెలంగాణ విమోచనద్యోమం – తెలుగు నవల' పై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందారు.

కొరవి గోపరాజు, నాయని సుబ్బారావు కృతుల పరిశీలనకు ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. పట్టాలు పొందిన అనుమాండ్ల భూమయ్య వేయిపడగలు, మాలపల్లి, ప్రజల మనిషిపై విమర్శలు ప్రకటించారు. సురవరం గోలకొండకవుల సంచికను, సినారె కర్పూర వసంతరాయలను ప్రత్యేకంగా వివేచించారు. వ్యాసభారతి, వ్యాసభూమి, అంతర్వీక్షణం ఆయన వ్యాససంపూటాలు. 'రాయప్రోలు సౌందర్య దర్శనం' కావించిన డా. కె. యాదగిరి వివిధాంశాలపై సదస్సులలో పరిశోధన పత్రాలు సమర్పించారు. వివిధ ప్రక్రియా వివేచనకు సంబంధించిన పలు సాహిత్యసంచికలు ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడ్డాయి. తెలంగాణా సాహిత్య సంస్థల గురించిన పరిశోధన సల్పిన బన్న ఐలయ్య 'తెలంగాణా సాహిత్య సాంస్కృతిక చైతన్యం' (2006) అన్న సిద్ధాంతగ్రంథం ప్రచురించారు. 'తెలుగు కవిత అభినవ దృక్పథం' (దళిత సాహిత్య విమర్శ), 'నాలుగు ఆధునిక కావ్యాలు – ఒక పరిచయం', ఆధునిక కవితా విమర్శలు. సాహితీకిరణాలు, సవ్వడి ఆయన విమర్శవ్యాససంపుటులు. 'కాలువ మల్లయ్య కథలు – తెలంగాణా జనజీవితం' (2010) సహృదయ పురస్కారం పొందింది. చివరకు మిగిలేది నవలపై సిద్ధాంత వ్యాసం రచించిన కాత్యాయనీ విద్మహే స్త్రీవాద దృక్పథంతో సాహిత్య వివేచన గావించారు. 'ప్రాచీన సాహిత్యం – మరో చూపు' (2008) వినూత్న దృక్కోణంతో ప్రాచీన కావ్యాలను, కవులను అనుశీలించిన వ్యాస సంపుటి. స్త్రీల కవిత్వం, కథ, అస్తిత్వ చైతన్యం అంశాలను సూక్ష్మదృష్టితో పరిశీలించిన గ్రంథం 'సాహిత్యాకాశంలో' సగం (2010). 'నాటక సాహిత్య విమర్శ' వెలువరించిన డా. పి. జ్యోతి విమర్శ వ్యాససంపుటులు 'వ్యాసమందారం' (2005), 'జానపద విజ్ఞాన వ్యాసమంజరి' (2008). నన్నయ భారతంలో ఉపమాలంకారంపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పొందిన డా. బి. రుక్మిణి ఉపనిషత్ కథలు, జానపద రామాయణం, ఆంధ్ర మహాభారతంపై రచించిన వ్యాసాలు 'వ్యాసపారిజాతం' (2005) గా ప్రకటితమైనాయి.

డా. జి. వెంకటరత్నం హంస వింశతిలోని విజ్ఞాన సర్వస్వ స్వభావంపై సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రచురించటమే కాక విజ్ఞాన సర్వస్వాలపై విస్తృతమైన పరిశోధన సల్పారు. 'విశ్వనాథ వారి కృష్ణకావ్యాలపై' (1994) పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన శ్రీరంగస్వామి వాఙ్మయ సూచికలపై (వరంగల్ జిల్లా రచయితలు, కోవెల సుప్రసన్నాచార్య జీవిత వాఙ్మయాలు) ప్రత్యేక దృష్టిని ప్రసరించారు. విపంచి, సాహితీ గవాక్షం, శ్రీవ్యాసం, సమూహ మొ.

వ్యాససంపుటాలు ఆయన సాహిత్య వివేచనకు ప్రతిరూపాలు. విశ్వనాథ నవలా సాహిత్యంపై జి. లక్ష్మణరావు, కె..యస్.వి. రాఘవన్, వి. వెంకటరామారావు పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసాలు ప్రచురించారు. అభినవ పోతన వానమామలై వరదాచార్యులు సాహిత్యాన్ని డా. అందె వెంకటరాజం సమాలోచించగా ఆయన సోదరుడు వానమామలై జగన్నాథచార్యుల 'రైతు రామాయణ' ప్రాశస్త్యాన్ని డా. డింగరి నరహరి చారి, డా. డింగరి రామాచారి నిరూపించారు. డా. అయాచితం నటేశ్వరశర్మ సంస్కృతాంధ్ర వాఙ్మయ విమర్శలు గణనీయమైనవి.

ఈ క్రింది వాటిలో కోవెల సుప్రసన్నాచార్యగారి రచనకానిది

(1) కార్యప్రమితి

(2) భావుక సీమ

(3) సహృదయ చక్రము

(4) తెలుగు ఛందో వికాసము

[Question ID = 212][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q92]

1. 1 [Option ID = 845]
2. 2 [Option ID = 846]
3. 3 [Option ID = 847]
4. 4 [Option ID = 848]

3) **సూచన :** *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఆచార్య బి. రామరాజు, నాయని కృష్ణకుమారి (తెలుగు జానపద గేయగాథలు) నేతృత్వంలో జానపద సాహిత్యంపై విస్తృతమైన పరిశోధనలు జరిగాయి. కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి (పొడుపుకథలు), కె. రుక్నుద్దీన్ (జానపద సాహిత్యంలో అలంకార విధానం), ఎల్దండ రఘుమన్న (పల్లె పదాలలో ప్రజాజీవనం), రావి ప్రేమలత (పురాణగాథలు), సిహెచ్. వసుంధర (స్త్రీల గేయములలో సంప్రదాయము) కె. సుమతి (జానపద కథలు), బి. బాలస్వామి (మహబూబ్ నగర్ జిల్లా జానపదకథలు), గోపు లింగారెడ్డి (శ్రామిక గేయాలు), బి. దామోదరరావు (జానపదుల సామెతలు), టి.వి. రామ నరసయ్య (తెలుగు సామెతలు), ఎం. అండమ్మ (నల్లగొండ జిల్లా గ్రామదేవతలు), సిహెచ్. యాదయ్య (బవనీలు), ఎన్.ఆర్. వెంకటేశం (బుడగ జంగాలు), బి. కేశవులు (మోటపాటలు), వి. సురెందర్ రావు (కోలాటం పాటలు), పి. ఎల్లారెడ్డి (యక్షగానాలు) విర వేణుగోపాల్ ప్రాచీనాంధ్రసాహిత్యం, (గిరిజన జీవనచిత్రణ) సూర్య ధనంజయ్, ఎం. ఇందిరాదేవి (పాలమూరు జిల్లా గ్రామదేవతలు) మొదలైనవారి సిద్ధాంత వ్యాసాలు పేర్కొనదగినవి. దేవరాజు మహారాజు 'ఆధునిక యుగంలో జానపద సాహిత్యం'లో (1987) అర్వాచీన జానపద గేయాలను పరామర్శించారు.

కాకతీయ విశ్వవిద్యాలయ ప్రాంతంలోనూ, దాని పరిధిలోగల వివిధ జిల్లాలోనూ సాహిత్య విమర్శ రంగంలో గణనీయమైన కృషి జరిగింది. తెలుగుశాఖలోని ఆచార్యులు, అధ్యాపకులు సృజనాత్మక రచయితలుగానే కాక విమర్శకులుగా కూడ వాసికెక్కారు. వసుచరిత్రపై లోతైన

పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన కోవెల సుప్రసన్నాచార్య వ్యాససంపుటి 'సాహిత్య వివేచన' రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ ఉత్తమ విమర్శ బహుమతి పొందింది. 'సహృదయ చక్రము', 'భావుకసీమ', అధ్యయనం, చందనశాఖి, దర్శణం, సమర్చన, సమర్పణ, భావసంధ్య, 'కావ్య ప్రమితి' మున్నగు వ్యాససంపుటులు ఆయన సూక్ష్మ వివేచనా ప్రతిభకు గీటురాళ్లు. ప్రాచీనాధునిక ప్రక్రియలు, కవుల కావ్యాలపై హృద్యమైన విమర్శలు వీనిలో గోచరిస్తాయి. 'అంతరంగం' వివిధ గ్రంథలకు అయన కూర్చిన పీఠికల సమాహారం.
ఛందస్సు అలంకారశాస్త్ర నిష్ణాతులైన కోవెల సంపత్కుమారాచార్య ఆధునిక సాహిత్య విమర్శ – సాంప్రదాయిక రీతి (1981) లో తెలుగు విమర్శలో అలంకారశాస్త్ర సంప్రదాయ ప్రసారాన్ని విశిష్టంగా వివేచించారు. 'తెలుగు ఛందోవికాసము' 1962) లో తెలుగు సాహిత్యంలో ఛందస్సు క్రమవికాస పరిణామాన్ని సమగ్రంగా విశ్లేషించారు. 'పూర్వకవుల కావ్య దృక్పథాలు' 1990) లో నలుగురు ఆంధ్రమహాకవుల విమర్శ సూత్రాలను విశదీకరించారు. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ సాహిత్యాన్ని సమ్యక్ వీక్షణంతో (విశ్వనాథ సాహిత్య దర్శనం – 2004) దర్శించారు. 'మన పండితులు – కవులు – రచయితలు'లో (1970) వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించారు. 'కావ్యం – కవి స్వామ్యం' (1993), కన్యాశుల్కం – మరో వైపు (2000) ఆయన వివేచనా ప్రతిభకు తార్కాణాలు.
ఆరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించి డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన పేర్వారం జగన్నాథం సాహిత్యావలోకనం, సాహితీ వసంతం వ్యాససంపూటలు ప్రచురించారు. ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడిన అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు (1987), సాహిత్యం – సమాజం – రాజకీయాలు పేర్వారం గారి విశిష్ట పరిశీలనా దృష్టికీ, సాహిత్యాభిరుచికీ నిదర్శనాలు. స్వేచ్ఛా కవిత్వం పేరిట వచన కవితారంగంలో విలక్షణమైన కావ్యాలు వెలువరిస్తున్న మాదిరాజు రంగారావు వినూత్న దృక్కోణంతో కూడిన విమర్శలు కూడా విరచించారు. కవిత్రయం సృజన కళ – నిర్వహణ శిల్పం (2003) డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన ఆయన సిద్ధాంత గ్రంథం. సృజన చేతన – రామాయణ కల్పవృక్షం (2009) విశ్వనాథ కావ్యవైశిష్ట్యాన్ని సూక్ష్మాంశ వివేచనతో నిరూపిస్తుంది. శ్రీశ్రీ, దాశరథి కవిత్వాలను ప్రత్యేకంగా సమీక్షించిన రంగారావు ఆధునిక కవితాధోరణులు, కవుల కావ్యాలు, సాహితీ ప్రక్రియలను సమాలోచనం, సమదర్శనం, సృజనదృష్టి అన్న వ్యాససంపుటుల్లో విశదీకరించారు. స్వేచ్ఛా కవిత్వంలోని ప్రజాస్వామ్య, మానవీయభావనలను వివరిస్తూ పరిచయాత్మకమైన మరి రెండు వ్యాస సంపుటాలు వెలువరించారు. ప్రసిద్ధ విప్లవకవి పెండ్యాల వరవరరావు 'తెలంగాణ విమోచనోద్యమం – తెలుగు నవల' పై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందారు.
కొరవి గోపరాజు, నాయని సుబ్బారావు కృతుల పరిశీలనకు ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. పట్టాలు పొందిన అనుమాండ్ల భూమయ్య వేయిపడగలు, మాలపల్లి, ప్రజల మనిషిపై విమర్శలు ప్రకటించారు. సురవరం గోలకొండకవుల సంచికను, సినారె కర్పూర వసంతరాయలను ప్రత్యేకంగా వివేచించారు. వ్యాసభారతి, వ్యాసభూమి, అంతర్వీక్షణం ఆయన వ్యాససంపూటాలు. 'రాయప్రోలు సౌందర్య దర్శనం' కావించిన డా. కె. యాదగిరి వివిధాంశాలపై సదస్సులలో పరిశోధన పత్రాలు సమర్పించారు. వివిధ ప్రక్రియా వివేచనకు సంబంధించిన పలు సాహిత్యసంచికలు ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడ్డాయి. తెలంగాణా

సాహిత్య సంస్థల గురించిన పరిశోధన సల్పిన బన్న ఐలయ్య 'తెలంగాణా సాహిత్య సాంస్కృతిక చైతన్యం' (2006) అన్న సిద్ధాంతగ్రంథం ప్రచురించారు. 'తెలుగు కవిత అభినవ దృక్పథం' (దళిత సాహిత్య విమర్శ), 'నాలుగు ఆధునిక కావ్యాలు – ఒక పరిచయం', ఆధునిక కవితా విమర్శలు. సాహితీకిరణాలు, సవ్వడి ఆయన విమర్శవ్యాససంపుటులు. 'కాలువ మల్లయ్య కథలు – తెలంగాణా జనజీవితం' (2010) సహృదయ పురస్కారం పొందింది. చివరకు మిగిలేది నవలపై సిద్ధాంత వ్యాసం రచించిన కాత్యాయనీ విద్మహే స్త్రీవాద దృక్పథంతో సాహిత్య వివేచన గావించారు. 'ప్రాచీన సాహిత్యం – మరో చూపు' (2008) వినూత్న దృక్కోణంతో ప్రాచీన కావ్యాలను, కవులను అనుశీలించిన వ్యాస సంపుటి. స్త్రీల కవిత్వం, కథ, అస్తిత్వ చైతన్యం అంశాలను సూక్ష్మదృష్టితో పరిశీలించిన గ్రంథం 'సాహిత్యాకాశంలో' సగం (2010). 'నాటక సాహిత్య విమర్శ' వెలువరించిన డా. పి. జ్యోతి విమర్శ వ్యాససంపుటులు 'వ్యాసమందారం' (2005), 'జానపద విజ్ఞాన వ్యాసమంజరి' (2008). నన్నయ భారతంలో ఉపమాలంకారంపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పొందిన డా. బి. రుక్మిణి ఉపనిషత్ కథలు, జానపద రామాయణం, ఆంధ్ర మహాభారతంపై రచించిన వ్యాసాలు 'వ్యాసపారిజాతం' (2005) గా ప్రకటితమైనాయి.

డా. జి. వెంకటరత్నం హంస వింశతిలోని విజ్ఞాన సర్వస్వ స్వభావంపై సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రచురించటమే కాక విజ్ఞాన సర్వస్వాలపై విస్తృతమైన పరిశోధన సల్పారు. 'విశ్వనాథ వారి కృష్ణకావ్యాల'పై (1994) పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన శ్రీరంగస్వామి వాఙ్మయ సూచికలపై (వరంగల్ జిల్లా రచయితలు, కోవెల సుప్రసన్నాచార్య జీవిత వాఙ్మయాలు) ప్రత్యేక దృష్టిని ప్రసరించారు. విపంచి, సాహితీ గవాక్షం, శ్రీవ్యాసం, సమూహ మొ. వ్యాససంపుటాలు ఆయన సాహిత్య వివేచనకు ప్రతిరూపాలు. విశ్వనాథ నవలా సాహిత్యంపై జి. లక్ష్మణరావు, కె..యస్.వి. రాఘవన్, వి. వెంకటరామారావు పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసాలు ప్రచురించారు. అభినవ పోతన వానమామలై వరదాచార్యులు సాహిత్యాన్ని డా. అందె వెంకటరాజం సమాలోచించగా ఆయన సోదరుడు వానమామలై జగన్నాథచార్యుల 'రైతు రామాయణ' ప్రాశస్త్యాన్ని డా. డింగరి నరహరి చారి, డా. డింగరి రామాచారి నిరూపించారు. డా. అయాచితం నటేశ్వరశర్మ సంస్కృతాంధ్ర వాఙ్మయ విమర్శలు గణనీయమైనవి.

ఆరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించినవారు

(1) పేర్వారం జగన్నాథం

(2) మాదిరాజు రంగారావు

(3) దాశరథి

(4) బి. రుక్మిణి

[Question ID = 213][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q93]

1. 1 [Option ID = 849]
2. 2 [Option ID = 850]
3. 3 [Option ID = 851]
4. 4 [Option ID = 852]

4) **సూచన :** *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఆచార్య బి. రామరాజు, నాయని కృష్ణకుమారి (తెలుగు జానపద గేయగాథలు) నేతృత్వంలో జానపద సాహిత్యంపై విస్తృతమైన పరిశోధనలు జరిగాయి. కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి (పొడుపుకథలు), కె. రుక్నుద్దీన్ (జానపద సాహిత్యంలో అలంకార విధానం), ఎల్దండ రఘుమన్న (పల్లె పదాలలో ప్రజాజీవనం), రావి ప్రేమలత (పురాణగాథలు), సిహెచ్. వసుంధర (స్త్రీల గేయములలో సంప్రదాయము) కె. సుమతి (జానపద కథలు), బి. బాలస్వామి (మహబూబ్ నగర్ జిల్లా జానపదకథలు), గోపు లింగారెడ్డి (శ్రామిక గేయాలు), బి. దామోదరరావు (జానపదుల సామెతలు), టి.వి. రామ నరసయ్య (తెలుగు సామెతలు), ఎం. అండమ్మ (నల్లగొండ జిల్లా గ్రామదేవతలు), సిహెచ్. యాదయ్య (బవనీలు), ఎన్.ఆర్. వెంకటేశం (బుడగ జంగాలు), బి. కేశవులు (మోటపాటలు), వి. సురేందర్ రావు (కోలాటం పాటలు), పి. ఎల్లారెడ్డి (యక్షగానాలు) విఠ వేణుగోపాల్ ప్రాచీనాంధ్రసాహిత్యం, (గిరిజన జీవనచిత్రణ) సూర్య ధనంజయ్, ఎం. ఇందిరాదేవి (పాలమూరు జిల్లా గ్రామదేవతలు) మొదలైనవారి సిద్ధాంత వ్యాసాలు పేర్కొనదగినవి. దేవరాజు మహారాజు 'ఆధునిక యుగంలో జానపద సాహిత్యం'లో (1987) అర్వాచీన జానపద గేయాలను పరామర్శించారు.

కాకతీయ విశ్వవిద్యాలయ ప్రాంతంలోనూ, దాని పరిధిలోగల వివిధ జిల్లాలోనూ సాహిత్య విమర్శ రంగంలో గణనీయమైన కృషి జరిగింది. తెలుగుశాఖలోని ఆచార్యులు, అధ్యాపకులు సృజనాత్మక రచయితలుగానే కాక విమర్శకులుగా కూడ వాసికెక్కారు. వసుచరిత్రపై లోతైన పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన కోవెల సుప్రసన్నాచార్య వ్యాససంపుటి 'సాహిత్య వివేచన' రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ ఉత్తమ విమర్శ బహుమతి పొందింది. 'సహృదయ చక్రము', 'భావుకసీమ', అధ్యయనం, చందనశాఖి, దర్పణం, సమర్చన, సమర్పణ, భావసంధ్య, 'కావ్య ప్రమితి' మున్నగు వ్యాససంపుటులు ఆయన సూక్ష్మ వివేచనా ప్రతిభకు గీటురాళ్లు. ప్రాచీనాధునిక ప్రక్రియలు, కవుల కావ్యాలపై హృద్యమైన విమర్శలు వీనిలో గోచరిస్తాయి. 'అంతరంగం' వివిధ గ్రంథలకు ఆయన కూర్చిన పీఠికల సమాహారం.

ఛందస్సు అలంకారశాస్త్ర నిష్ణాతులైన కోవెల సంపత్కుమారాచార్య ఆధునిక సాహిత్య విమర్శ – సాంప్రదాయిక రీతి (1981) లో తెలుగు విమర్శలో అలంకారశాస్త్ర సంప్రదాయ ప్రసారాన్ని విశిష్టంగా వివేచించారు. 'తెలుగు ఛందోవికాసము' 1962) లో తెలుగు సాహిత్యంలో ఛందస్సు క్రమవికాస పరిణామాన్ని సమగ్రంగా విశ్లేషించారు. 'పూర్వకవుల కావ్య దృక్పథాలు' 1990) లో నలుగురు ఆంధ్రమహాకవుల విమర్శ సూత్రాలను విశదీకరించారు. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ సాహిత్యాన్ని సమ్యక్ వీక్షణంతో (విశ్వనాథ సాహిత్య దర్శనం – 2004) దర్శించారు. 'మన పండితులు – కవులు – రచయితలు'లో (1970) వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించారు. 'కావ్యం – కవి స్వామ్యం' (1993), కన్యాశుల్కం – మరో వైపు (2000) ఆయన వివేచనా ప్రతిభకు తార్కాణాలు.

ఆరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించి డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన పేర్వారం జగన్నాథం సాహిత్యావలోకనం, సాహితీ వసంతం వ్యాససంపూటలు ప్రచురించారు. ఆయన

సంపాదకత్వంలో వెలువడిన అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు (1987), సాహిత్యం – సమాజం – రాజకీయాలు పేర్వారం గారి విశిష్ట పరిశీలనా దృష్టికీ, సాహిత్యాభిరుచికీ నిదర్శనాలు. స్వేచ్ఛా కవిత్వం పేరిట వచన కవితారంగంలో విలక్షణమైన కావ్యాలు వెలువరిస్తున్న మాదిరాజు రంగారావు వినూత్న దృక్కోణంతో కూడిన విమర్శలు కూడా విరచించారు. కవిత్రయం సృజన కళ – నిర్వహణ శిల్పం (2003) డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన ఆయన సిద్ధాంత గ్రంథం. సృజన చేతన – రామాయణ కల్పవృక్షం (2009) విశ్వనాథ కావ్యవైశిష్ట్యాన్ని సూక్ష్మాంశ వివేచనతో నిరూపిస్తుంది. శ్రీశ్రీ, దాశరథి కవిత్వాలను ప్రత్యేకంగా సమీక్షించిన రంగారావు ఆధునిక కవితాధోరణులు, కవుల కావ్యాలు, సాహితీ ప్రక్రియలను సమాలోచనం, సమదర్శనం, సృజనదృష్టి అన్న వ్యాససంపుటుల్లో విశదీకరించారు. స్వేచ్ఛా కవిత్వంలోని ప్రజాస్వామ్య, మానవీయభావనలను వివరిస్తూ పరిచయాత్మకమైన మరి రెండు వ్యాస సంపుటాలు వెలువరించారు. ప్రసిద్ధ విప్లవకవి పెండ్యాల వరవరరావు 'తెలంగాణ విమోచనద్యోమం – తెలుగు నవల' పై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందారు.
కొరవి గోపరాజు, నాయని సుబ్బారావు కృతుల పరిశీలనకు ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. పట్టాలు పొందిన అనుమాండ్ల భూమయ్య వేయిపడగలు, మాలపల్లి, ప్రజల మనిషిపై విమర్శలు ప్రకటించారు. సురవరం గోలకొండకవుల సంచికను, సినారె కర్పూర వసంతరాయలను ప్రత్యేకంగా వివేచించారు. వ్యాసభారతి, వ్యాసభూమి, అంతర్వీక్షణం ఆయన వ్యాససంపూటాలు. 'రాయప్రోలు సౌందర్య దర్శనం' కావించిన డా. కె. యాదగిరి వివిధాంశాలపై సదస్సులలో పరిశోధన పత్రాలు సమర్పించారు. వివిధ ప్రక్రియా వివేచనకు సంబంధించిన పలు సాహిత్యసంచికలు ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడ్డాయి. తెలంగాణా సాహిత్య సంస్థల గురించిన పరిశోధన సల్పిన టన్న ఐలయ్య 'తెలంగాణా సాహిత్య సాంస్కృతిక చైతన్యం' (2006) అన్న సిద్ధాంతగ్రంథం ప్రచురించారు. 'తెలుగు కవిత అభినవ దృక్పథం' (దళిత సాహిత్య విమర్శ), 'నాలుగు ఆధునిక కావ్యాలు – ఒక పరిచయం', ఆధునిక కవితా విమర్శలు. సాహితీకిరణాలు, సవ్వడి ఆయన విమర్శవ్యాససంపుటులు. 'కాలువ మల్లయ్య కథలు – తెలంగాణా జనజీవితం' (2010) సహృదయ పురస్కారం పొందింది. చివరకు మిగిలేది నవలపై సిద్ధాంత వ్యాసం రచించిన కాత్యాయనీ విద్మహే స్త్రీవాద దృక్పథంతో సాహిత్య వివేచన గావించారు. 'ప్రాచిన సాహిత్యం – మరో చూపు' (2008) వినూత్న దృక్కోణంతో ప్రాచీన కావ్యాలను, కవులను అనుశీలించిన వ్యాస సంపుటి. స్త్రీల కవిత్వం, కథ, అస్తిత్వ చైతన్యం అంశాలను సూక్ష్మదృష్టితో పరిశీలించిన గ్రంథం 'సాహిత్యాకాశంలో' సగం (2010). 'నాటక సాహిత్య విమర్శ' వెలువరించిన డా. పి. జ్యోతి విమర్శ వ్యాససంపుటులు 'వ్యాసమందారం' (2005), 'జానపద విజ్ఞాన వ్యాసమంజరి' (2008). నన్నయ భారతంలో ఉపమాలంకారంపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పొందిన డా. బి. రుక్మిణి ఉపనిషత్ కథలు, జానపద రామాయణం, ఆంధ్ర మహాభారతంపై రచించిన వ్యాసాలు 'వ్యాసపారిజాతం' (2005) గా ప్రకటితమైనాయి.
డా. జి. వెంకటరత్నం హంస వింశతిలోని విజ్ఞాన సర్వస్వ స్వభావంపై సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రచురించటమే కాక విజ్ఞాన సర్వస్వాలపై విస్తృతమైన పరిశోధన సల్పారు. 'విశ్వనాథ వారి కృష్ణకావ్యాల'పై (1994) పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన శ్రీరంగస్వామి వాఙ్మయ

సూచికలపై (వరంగల్ జిల్లా రచయితలు, కోవెల సుప్రసన్నాచార్య జీవిత వాఙ్మయాలు) ప్రత్యేక దృష్టిని ప్రసరించారు. విపంచి, సాహితీ గవాక్షం, శ్రీవ్యాసం, సమూహ మొ. వ్యాససంపుటాలు ఆయన సాహిత్య వివేచనకు ప్రతిరూపాలు. విశ్వనాథ నవలా సాహిత్యంపై జి. లక్ష్మణరావు, కె..యస్.వి. రాఘవన్, వి. వెంకటరామారావు పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసాలు ప్రచురించారు. అభినవ పోతన వానమామలై వరదాచార్యులు సాహిత్యాన్ని డా. అందె వెంకటరాజం సమాలోచించగా ఆయన సోదరుడు వానమామలై జగన్నాథచార్యుల 'రైతు రామాయణ' ప్రాశస్త్యాన్ని డా. డింగరి నరహరి చారి, డా. డింగరి రామాచారి నిరూపించారు. డా. అయాచితం నటేశ్వరశర్మ సంస్కృతాంధ్ర వాఙ్మయ విమర్శలు గణనీయమైనవి.

పొడుపు కథలు వీరి సిద్ధాంత వ్యాసం

(1) దేవరాజు మహారాజు

(2) కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి

(3) కె. సుమతి

(4) సూర్యధనంజయ్

[Question ID = 214][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q94]

1. 1 [Option ID = 853]
2. 2 [Option ID = 854]
3. 3 [Option ID = 855]
4. 4 [Option ID = 856]

5) **సూచన :** *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఆచార్య బి. రామరాజు, నాయని కృష్ణకుమారి (తెలుగు జానపద గేయగాథలు) నేతృత్వంలో జానపద సాహిత్యంపై విస్తృతమైన పరిశోధనలు జరిగాయి. కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి (పొడుపుకథలు), కె. రుక్నుద్దీన్ (జానపద సాహిత్యంలో అలంకార విధానం), ఎల్దండ రఘుమన్న (పల్లె పదాలలో ప్రజాజీవనం), రావి ప్రేమలత (పురాణగాథలు), సిహెచ్. వసుంధర (స్త్రీల గేయములలో సంప్రదాయము) కె. సుమతి (జానపద కథలు), బి. బాలస్వామి (మహబుబ్ నగర్ జిల్లా జానపదకథలు), గోపు లింగారెడ్డి (శ్రామిక గేయాలు), బి. దామోదరరావు (జానపదుల సామెతలు), టి.వి. రామ నరసయ్య (తెలుగు సామెతలు), ఎం. అండమ్మ (నల్లగొండ జిల్లా గ్రామదేవతలు), సిహెచ్. యాదయ్య (బవనీలు), ఎన్.ఆర్. వెంకటేశం (బుడగ జంగాలు), బి. కేశవులు (మోటపాటలు), వి. సురేందర్ రావు (కోలాటం పాటలు), పి. ఎల్లారెడ్డి (యక్షగానాలు) విఠ వేణుగోపాల్ ప్రాచీనాంధ్రసాహిత్యం, (గిరిజన జీవనచిత్రణ) సూర్య ధనంజయ్, ఎం. ఇందిరాదేవి (పాలమూరు జిల్లా గ్రామదేవతలు) మొదలైనవారి సిద్ధాంత వ్యాసాలు పేర్కొనదగినవి. దేవరాజు మహారాజు 'ఆధునిక యుగంలో జానపద సాహిత్యం'లో (1987) అర్వాచీన జానపద గేయాలను పరామర్శించారు.

కాకతీయ విశ్వవిద్యాలయ ప్రాంతంలోనూ, దాని పరిధిలోగల వివిధ జిల్లాలోనూ సాహిత్య

విమర్శ రంగంలో గణనీయమైన కృషి జరిగింది. తెలుగుశాఖలోని ఆచార్యులు, అధ్యాపకులు సృజనాత్మక రచయితలుగానే కాక విమర్శకులుగా కూడ వాసికెక్కారు. వసుచరిత్రపై లోతైన పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన కోవెల సుప్రసన్నాచార్య వ్యాససంపుటి 'సాహిత్య వివేచన' రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ ఉత్తమ విమర్శ బహుమతి పొందింది. 'సహృదయ చక్రము', 'భావుకసీమ', అధ్యయనం, చందనశాఖి, దర్పణం, సమర్చన, సమర్పణ, భావసంధ్య, 'కావ్య ప్రమితి' మున్నగు వ్యాససంపుటులు ఆయన సూక్ష్మ వివేచనా ప్రతిభకు గీటురాళ్లు. ప్రాచీనాధునిక ప్రక్రియలు, కవుల కావ్యాలపై హృద్యమైన విమర్శలు వీనిలో గోచరిస్తాయి. 'అంతరంగం' వివిధ గ్రంథలకు అయన కూర్చిన పీఠికల సమాహారం.

ఛందస్సు అలంకారశాస్త్ర నిష్ణాతులైన కోవెల సంపత్కుమారాచార్య ఆధునిక సాహిత్య విమర్శ – సాంప్రదాయిక రీతి (1981) లో తెలుగు విమర్శలో అలంకారశాస్త్ర సంప్రదాయ ప్రసారాన్ని విశిష్టంగా వివేచించారు. 'తెలుగు ఛందోవికాసము' 1962) లో తెలుగు సాహిత్యంలో ఛందస్సు క్రమవికాస పరిణామాన్ని సమగ్రంగా విశ్లేషించారు. 'పూర్వకవుల కావ్య దృక్పథాలు' 1990) లో నలుగురు ఆంధ్రమహాకవుల విమర్శ సూత్రాలను విశదీకరించారు. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ సాహిత్యాన్ని సమ్యక్ వీక్షణంతో (విశ్వనాథ సాహిత్య దర్శనం – 2004) దర్శించారు. 'మన పండితులు – కవులు – రచయితలు'లో (1970) వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించారు. 'కావ్యం – కవి స్వామ్యం' (1993), కన్యాశుల్కం – మరో వైపు (2000) ఆయన వివేచనా ప్రతిభకు తార్కాణాలు.

ఆరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించి డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన పేర్వారం జగన్నాథం సాహిత్యావలోకనం, సాహితీ వసంతం వ్యాససంపూటలు ప్రచురించారు. ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడిన అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు (1987), సాహిత్యం – సమాజం – రాజకీయాలు పేర్వారం గారి విశిష్ట పరిశీలనా దృష్టికీ, సాహిత్యాభిరుచికీ నిదర్శనాలు. స్వేచ్ఛా కవిత్వం పేరిట వచన కవితారంగంలో విలక్షణమైన కావ్యాలు వెలువరిస్తున్న మాదిరాజు రంగారావు వినూత్న దృక్కోణంతో కూడిన విమర్శలు కూడా విరచించారు. కవిత్రయం సృజన కళ – నిర్వహణ శిల్పం (2003) డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన ఆయన సిద్ధాంత గ్రంథం. సృజన చేతన – రామాయణ కల్పవృక్షం (2009) విశ్వనాథ కావ్యవైశిష్ట్యాన్ని సూక్ష్మాంశ వివేచనతో నిరూపిస్తుంది. శ్రీశ్రీ, దాశరథి కవిత్వాలను ప్రత్యేకంగా సమీక్షించిన రంగారావు ఆధునిక కవితాధోరణులు, కవుల కావ్యాలు, సాహితీ ప్రక్రియలను సమాలోచనం, సమదర్శనం, సృజనదృష్టి అన్న వ్యాససంపుటుల్లో విశదీకరించారు. స్వేచ్ఛా కవిత్వంలోని ప్రజాస్వామ్య, మానవీయభావనలను వివరిస్తూ పరిచయాత్మకమైన మరి రెండు వ్యాస సంపుటాలు వెలువరించారు. ప్రసిద్ధ విప్లవకవి పెండ్యాల వరవరరావు 'తెలంగాణ విమోచనద్యోమం – తెలుగు నవల' పై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందారు.

కొరవి గోపరాజు, నాయని సుబ్బారావు కృతుల పరిశీలనకు ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. పట్టాలు పొందిన అనుమాండ్ల భూమయ్య వేయిపడగలు, మాలపల్లి, ప్రజల మనిషిపై విమర్శలు ప్రకటించారు. సురవరం గోలకొండకవుల సంచికను, సినారె కర్పూర వసంతరాయలను ప్రత్యేకంగా వివేచించారు. వ్యాసభారతి, వ్యాసభూమి, అంతర్వీక్షణం ఆయన వ్యాససంపూటాలు. 'రాయప్రోలు సౌందర్య దర్శనం' కావించిన డా. కె. యాదగిరి

వివిధాంశాలపై సదస్సులలో పరిశోధన పత్రాలు సమర్పించారు. వివిధ ప్రక్రియా వివేచనకు సంబంధించిన పలు సాహిత్యసంచికలు ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడ్డాయి. తెలంగాణా సాహిత్య సంస్థల గురించిన పరిశోధన సల్పిన బన్న ఐలయ్య 'తెలంగాణా సాహిత్య సాంస్కృతిక చైతన్యం' (2006) అన్న సిద్ధాంతగ్రంథం ప్రచురించారు. 'తెలుగు కవిత అభినవ దృక్పథం' (దళిత సాహిత్య విమర్శ), 'నాలుగు ఆధునిక కావ్యాలు – ఒక పరిచయం', ఆధునిక కవితా విమర్శలు. సాహితీకిరణాలు, సవ్వడి ఆయన విమర్శవ్యాససంపుటులు. 'కాలువ మల్లయ్య కథలు – తెలంగాణా జనజీవితం' (2010) సహృదయ పురస్కారం పొందింది. చివరకు మిగిలేది నవలపై సిద్ధాంత వ్యాసం రచించిన కాత్యాయనీ విద్మహే స్త్రీవాద దృక్పథంతో సాహిత్య వివేచన గావించారు. 'ప్రాచిన సాహిత్యం – మరో చూపు' (2008) వినూత్న దృక్కోణంతో ప్రాచీన కావ్యాలను, కవులను అనుశీలించిన వ్యాస సంపుటి. స్త్రీల కవిత్వం, కథ, అస్తిత్వ చైతన్యం అంశాలను సూక్ష్మదృష్టితో పరిశీలించిన గ్రంథం 'సాహిత్యాకాశంలో' సగం (2010). 'నాటక సాహిత్య విమర్శ' వెలువరించిన డా. పి. జ్యోతి విమర్శ వ్యాససంపుటులు 'వ్యాసమందారం' (2005), 'జానపద విజ్ఞాన వ్యాసమంజరి' (2008). నన్నయ భారతంలో ఉపమాలంకారంపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పొందిన డా. బి. రుక్మిణి ఉపనిషత్ కథలు, జానపద రామాయణం, ఆంధ్ర మహాభారతంపై రచించిన వ్యాసాలు 'వ్యాసపారిజాతం' (2005) గా ప్రకటితమైనాయి.

డా. జి. వెంకటరత్నం హంస వింశతిలోని విజ్ఞాన సర్వస్వ స్వభావంపై సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రచురించటమే కాక విజ్ఞాన సర్వస్వాలపై విస్తృతమైన పరిశోధన సల్పారు. 'విశ్వనాథ వారి కృష్ణకావ్యాల'పై (1994) పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన శ్రీరంగస్వామి వాఙ్మయ సూచికలపై (వరంగల్ జిల్లా రచయితలు, కోవెల సుప్రసన్నాచార్య జీవిత వాఙ్మయాలు) ప్రత్యేక దృష్టిని ప్రసరించారు. విపంచి, సాహితీ గవాక్షం, శ్రీవ్యాసం, సమూహ మొ. వ్యాససంపుటాలు ఆయన సాహిత్య వివేచనకు ప్రతిరూపాలు. విశ్వనాథ నవలా సాహిత్యంపై జి. లక్ష్మణరావు, కె..యస్.వి. రాఘవన్, వి. వెంకటరామారావు పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసాలు ప్రచురించారు. అభినవ పోతన వానమామలై వరదాచార్యులు సాహిత్యాన్ని డా. అందె వెంకటరాజం సమాలోచించగా ఆయన సోదరుడు వానమామలై జగన్నాథచార్యుల 'రైతు రామాయణ' ప్రాశస్త్యాన్ని డా. డింగరి నరహరి చారి, డా. డింగరి రామాచారి నిరూపించారు. డా. అయాచితం నటేశ్వరశర్మ సంస్కృతాంధ్ర వాఙ్మయ విమర్శలు గణనీయమైనవి.

ఆధునిక సాహిత్యవిమర్శ - సాంప్రదాయక రీతి ఎవరి గ్రంథం

(1) కాత్యాయనీ విద్మహే

(2) మాదిరాజు రంగారావు

(3) కోవెల సంపత్కుమారాచార్య

(4) కోవెల సుప్రసన్నాచార్య

[Question ID = 215][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q95]

1. 1 [Option ID = 857]

2. 2 [Option ID = 858]
3. 3 [Option ID = 859]
4. 4 [Option ID = 860]

6) **సూచన :** *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఆచార్య బి. రామరాజు, నాయని కృష్ణకుమారి (తెలుగు జానపద గేయగాథలు) నేతృత్వంలో జానపద సాహిత్యంపై విస్తృతమైన పరిశోధనలు జరిగాయి. కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి (పొడుపుకథలు), కె. రుక్నుద్దీన్ (జానపద సాహిత్యంలో అలంకార విధానం), ఎల్దండ రఘుమన్న (పల్లె పదాలలో ప్రజాజీవనం), రావి ప్రేమలత (పురాణగాథలు), సిహెచ్. వసుంధర (స్త్రీల గేయములలో సంప్రదాయము) కె. సుమతి (జానపద కథలు), బి. బాలస్వామి (మహబూబ్ నగర్ జిల్లా జానపదకథలు), గోపు లింగారెడ్డి (శ్రామిక గేయాలు), బి. దామోదరరావు (జానపదుల సామెతలు), టి.వి. రామ నరసయ్య (తెలుగు సామెతలు), ఎం. అండమ్మ (నల్లగొండ జిల్లా గ్రామదేవతలు), సిహెచ్. యాదయ్య (బవనీలు), ఎన్.ఆర్. వెంకటేశం (బుడగ జంగాలు), బి. కేశవులు (మోటపాటలు), వి. సురేందర్ రావు (కోలాటం పాటలు), పి. ఎల్లారెడ్డి (యక్షగానాలు) విర వేణుగోపాల్ ప్రాచీనాంధ్రసాహిత్యం, (గిరిజన జీవనచిత్రణ) సూర్య ధనంజయ్, ఎం. ఇందిరాదేవి (పాలమూరు జిల్లా గ్రామదేవతలు) మొదలైనవారి సిద్ధాంత వ్యాసాలు పేర్కొనదగినవి. దేవరాజు మహారాజు 'ఆధునిక యుగంలో జానపద సాహిత్యం'లో (1987) అర్వాచీన జానపద గేయాలను పరామర్శించారు.

కాకతీయ విశ్వవిద్యాలయ ప్రాంతంలోనూ, దాని పరిధిలోగల వివిధ జిల్లాలోనూ సాహిత్య విమర్శ రంగంలో గణనీయమైన కృషి జరిగింది. తెలుగుశాఖలోని ఆచార్యులు, అధ్యాపకులు సృజనాత్మక రచయితలుగానే కాక విమర్శకులుగా కూడ వాసికెక్కారు. వసుచరిత్రపై లోతైన పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన కోవెల సుప్రసన్నాచార్య వ్యాససంపుటి 'సాహిత్య వివేచన' రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ ఉత్తమ విమర్శ బహుమతి పొందింది. 'సహృదయ చక్రము', 'భావుకసీమ', అధ్యయనం, చందనశాఖి, దర్పణం, సమర్చన, సమర్పణ, భావసంధ్య, 'కావ్య ప్రమితి' మున్నగు వ్యాససంపుటులు ఆయన సూక్ష్మ వివేచనా ప్రతిభకు గీటురాళ్లు. ప్రాచీనాధునిక ప్రక్రియలు, కవుల కావ్యాలపై హృద్యమైన విమర్శలు వీనిలో గోచరిస్తాయి. 'అంతరంగం' వివిధ గ్రంథలకు అయన కూర్చిన పీఠికల సమాహారం.

ఛందస్సు అలంకారశాస్త్ర నిష్ణాతులైన కోవెల సంపత్కుమారాచార్య ఆధునిక సాహిత్య విమర్శ – సాంప్రదాయిక రీతి (1981) లో తెలుగు విమర్శలో అలంకారశాస్త్ర సంప్రదాయ ప్రసారాన్ని విశిష్టంగా వివేచించారు. 'తెలుగు ఛందోవికాసము' 1962) లో తెలుగు సాహిత్యంలో ఛందస్సు క్రమవికాస పరిణామాన్ని సమగ్రంగా విశ్లేషించారు. 'పూర్వకవుల కావ్య దృక్పథాలు' 1990) లో నలుగురు ఆంధ్రమహాకవుల విమర్శ సూత్రాలను విశదీకరించారు. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ సాహిత్యాన్ని సమ్యక్ వీక్షణంతో (విశ్వనాథ సాహిత్య దర్శనం – 2004) దర్శించారు. 'మన పండితులు – కవులు – రచయితలు'లో (1970) వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించారు. 'కావ్యం – కవి స్వామ్యం' (1993), కన్యాశుల్కం – మరో వైపు (2000) ఆయన వివేచనా ప్రతిభకు తార్కాణాలు.

అరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించి డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన పేర్వారం జగన్నాథం సాహిత్యావలోకనం, సాహితీ వసంతం వ్యాససంపుటాలు ప్రచురించారు. ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడిన అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు (1987), సాహిత్యం – సమాజం – రాజకీయాలు పేర్వారం గారి విశిష్ట పరిశీలనా దృష్టికీ, సాహిత్యాభిరుచికీ నిదర్శనాలు. స్వేచ్ఛా కవిత్వం పేరిట వచన కవితారంగంలో విలక్షణమైన కావ్యాలు వెలువరిస్తున్న మాదిరాజు రంగారావు వినూత్న దృక్కోణంతో కూడిన విమర్శలు కూడా విరచించారు. కవిత్రయం సృజన కళ – నిర్వహణ శిల్పం (2003) డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన ఆయన సిద్ధాంత గ్రంథం. సృజన చేతన – రామాయణ కల్పవృక్షం (2009) విశ్వనాథ కావ్యవైశిష్ట్యాన్ని సూక్ష్మాంశ వివేచనతో నిరూపిస్తుంది. శ్రీశ్రీ, దాశరథి కవిత్వాలను ప్రత్యేకంగా సమీక్షించిన రంగారావు ఆధునిక కవితాధోరణులు, కవుల కావ్యాలు, సాహితీ ప్రక్రియలను సమాలోచనం, సమదర్శనం, సృజనదృష్టి అన్న వ్యాససంపుటుల్లో విశదీకరించారు. స్వేచ్ఛా కవిత్వంలోని ప్రజాస్వామ్య, మానవీయభావనలను వివరిస్తూ పరిచయాత్మకమైన మరి రెండు వ్యాస సంపుటాలు వెలువరించారు. ప్రసిద్ధ విప్లవకవి పెండ్యాల వరవరరావు 'తెలంగాణ విమోచనద్యోమం – తెలుగు నవల' పై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందారు.

కొరవి గోపరాజు, నాయని సుబ్బారావు కృతుల పరిశీలనకు ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. పట్టాలు పొందిన అనుమాండ్ల భూమయ్య వేయిపడగలు, మాలపల్లి, ప్రజల మనిషిపై విమర్శలు ప్రకటించారు. సురవరం గోలకొండకవుల సంచికను, సినారె కర్పూర వసంతరాయలను ప్రత్యేకంగా వివేచించారు. వ్యాసభారతి, వ్యాసభూమి, అంతర్వీక్షణం ఆయన వ్యాససంపుటాలు. 'రాయప్రోలు సౌందర్య దర్శనం' కావించిన డా. కె. యాదగిరి వివిధాంశాలపై సదస్సులలో పరిశోధన పత్రాలు సమర్పించారు. వివిధ ప్రక్రియా వివేచనకు సంబంధించిన పలు సాహిత్యసంచికలు ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడ్డాయి. తెలంగాణా సాహిత్య సంస్థల గురించిన పరిశోధన సల్పిన టన్న ఐలయ్య 'తెలంగాణా సాహిత్య సాంస్కృతిక చైతన్యం' (2006) అన్న సిద్ధాంతగ్రంథం ప్రచురించారు. 'తెలుగు కవిత అభినవ దృక్పథం' (దళిత సాహిత్య విమర్శ), 'నాలుగు ఆధునిక కావ్యాలు – ఒక పరిచయం', ఆధునిక కవితా విమర్శలు. సాహితీకిరణాలు, సవ్వడి ఆయన విమర్శవ్యాససంపుటులు. 'కాలువ మల్లయ్య కథలు – తెలంగాణా జనజీవితం' (2010) సహృదయ పురస్కారం పొందింది. చివరకు మిగిలేది నవలపై సిద్ధాంత వ్యాసం రచించిన కాత్యాయనీ విద్మహే స్త్రీవాద దృక్పథంతో సాహిత్య వివేచన గావించారు. 'ప్రాచిన సాహిత్యం – మరో చూపు' (2008) వినూత్న దృక్కోణంతో ప్రాచీన కావ్యాలను, కవులను అనుశీలించిన వ్యాస సంపుటి. స్త్రీల కవిత్వం, కథ, అస్తిత్వ చైతన్యం అంశాలను సూక్ష్మదృష్టితో పరిశీలించిన గ్రంథం 'సాహిత్యాకాశంలో' సగం (2010). 'నాటక సాహిత్య విమర్శ' వెలువరించిన డా. పి. జ్యోతి విమర్శ వ్యాససంపుటులు 'వ్యాసమందారం' (2005), 'జానపద విజ్ఞాన వ్యాసమంజరి' (2008). నన్నయ భారతంలో ఉపమాలంకారంపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పొందిన డా. బి. రుక్మిణి ఉపనిషత్ కథలు, జానపద రామాయణం, ఆంధ్ర మహాభారతంపై రచించిన వ్యాసాలు 'వ్యాసపారిజాతం' (2005) గా ప్రకటితమైనాయి.

డా. జి. వెంకటరత్నం హంస వింశతిలోని విజ్ఞాన సర్వస్వ స్వభావంపై సిద్ధాంత గ్రంథం

ప్రచురించటమే కాక విజ్ఞాన సర్వస్వాలపై విస్తృతమైన పరిశోధన సల్పారు. 'విశ్వనాథ వారి కృష్ణకావ్యాల'పై (1994) పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన శ్రీరంగస్వామి వాఙ్మయ సూచికలపై (వరంగల్ జిల్లా రచయితలు, కోవెల సుప్రసన్నాచార్య జీవిత వాఙ్మయాలు) ప్రత్యేక దృష్టిని ప్రసరించారు. విపంచి, సాహితీ గవాక్షం, శ్రీవ్యాసం, సమూహ మొ. వ్యాససంపుటాలు ఆయన సాహిత్య వివేచనకు ప్రతిరూపాలు. విశ్వనాథ నవలా సాహిత్యంపై జి. లక్ష్మణరావు, కె..యస్.వి. రాఘవన్, వి. వెంకటరామారావు పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసాలు ప్రచురించారు. అభినవ పోతన వానమామలై వరదాచార్యులు సాహిత్యాన్ని డా. అందె వెంకటరాజం సమాలోచించగా ఆయన సోదరుడు వానమామలై జగన్నాథచార్యుల 'రైతు రామాయణ' ప్రాశస్త్యాన్ని డా. డింగరి నరహరి చారి, డా. డింగరి రామాచారి నిరూపించారు. డా. అయాచితం నటేశ్వరశర్మ సంస్కృతాంధ్ర వాఙ్మయ విమర్శలు గణనీయమైనవి.

కర్పూర వసంతరాయలను ప్రత్యేకంగా వివేచించినవారు

(1) అనుమాండ్ల భూమయ్య

(2) డా.కె. యాదగిరి

(3) బన్న అయిలయ్య

(4) కాత్యాయనీ విద్మహే

[Question ID = 216][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q96]

1. 1 [Option ID = 861]
2. 2 [Option ID = 862]
3. 3 [Option ID = 863]
4. 4 [Option ID = 864]

7) **సూచన :** *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఆచార్య బి. రామరాజు, నాయని కృష్ణకుమారి (తెలుగు జానపద గేయగాథలు) నేతృత్వంలో జానపద సాహిత్యంపై విస్తృతమైన పరిశోధనలు జరిగాయి. కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి (పొడుపుకథలు), కె. రుక్నుద్దీన్ (జానపద సాహిత్యంలో అలంకార విధానం), ఎల్దండ రఘుమన్న (పల్లె పదాలలో ప్రజాజీవనం), రావి ప్రేమలత (పురాణగాథలు), సిహెచ్. వసుంధర (స్త్రీల గేయములలో సంప్రదాయము) కె. సుమతి (జానపద కథలు), బి. బాలస్వామి (మహబుబ్ నగర్ జిల్లా జానపదకథలు), గోపు లింగారెడ్డి (శ్రామిక గేయాలు), బి. దామోదరరావు (జానపదుల సామెతలు), టి.వి. రామ నరసయ్య (తెలుగు సామెతలు), ఎం. అండమ్మ (నల్లగొండ జిల్లా గ్రామదేవతలు), సిహెచ్. యాదయ్య (బవనీలు), ఎస్.ఆర్. వెంకటేశం (బుడగ జంగాలు), బి. కేశవులు (మోటపాటలు), వి. సురేందర్ రావు (కోలాటం పాటలు), పి. ఎల్లారెడ్డి (యక్షగానాలు) వివి వేణుగోపాల్ ప్రాచీనాంధ్రసాహిత్యం, (గిరిజన జీవనచిత్రణ) సూర్య ధనంజయ్, ఎం. ఇందిరాదేవి (పాలమూరు జిల్లా గ్రామదేవతలు) మొదలైనవారి సిద్ధాంత వ్యాసాలు పేర్కొనదగినవి. దేవరాజు మహారాజు 'ఆధునిక యుగంలో జానపద సాహిత్యం'లో (1987)

అర్వాచీన జానపద గేయాలను పరామర్శించారు.

కాకతీయ విశ్వవిద్యాలయ ప్రాంతంలోనూ, దాని పరిధిలోగల వివిధ జిల్లాలోనూ సాహిత్య విమర్శ రంగంలో గణనీయమైన కృషి జరిగింది. తెలుగుశాఖలోని ఆచార్యులు, అధ్యాపకులు సృజనాత్మక రచయితలుగానే కాక విమర్శకులుగా కూడ వాసికెక్కారు. వసుచరిత్రపై లోతైన పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన కోవెల సుప్రసన్నాచార్య వ్యాససంపుటి 'సాహిత్య వివేచన' రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ ఉత్తమ విమర్శ బహుమతి పొందింది. 'సహృదయ చక్రము', 'భావుకసీమ', అధ్యయనం, చందనశాఖి, దర్శణం, సమర్చన, సమర్పణ, భావసంధ్య, 'కావ్య ప్రమితి' మున్నగు వ్యాససంపుటులు ఆయన సూక్ష్మ వివేచనా ప్రతిభకు గీటురాళ్లు. ప్రాచీనాధునిక ప్రక్రియలు, కవుల కావ్యాలపై హృద్యమైన విమర్శలు వీనిలో గోచరిస్తాయి. 'అంతరంగం' వివిధ గ్రంథలకు అయన కూర్చిన పీఠికల సమాహారం.

ఛందస్సు అలంకారశాస్త్ర నిష్ణాతులైన కోవెల సంపత్కుమారాచార్య ఆధునిక సాహిత్య విమర్శ – సాంప్రదాయిక రీతి (1981) లో తెలుగు విమర్శలో అలంకారశాస్త్ర సంప్రదాయ ప్రసారాన్ని విశిష్టంగా వివేచించారు. 'తెలుగు ఛందోవికాసము' 1962) లో తెలుగు సాహిత్యంలో ఛందస్సు క్రమవికాస పరిణామాన్ని సమగ్రంగా విశ్లేషించారు. 'పూర్వకవుల కావ్య దృక్పథాలు' 1990) లో నలుగురు ఆంధ్రమహాకవుల విమర్శ సూత్రాలను విశదీకరించారు. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ సాహిత్యాన్ని సమ్యక్ వీక్షణంతో (విశ్వనాథ సాహిత్య దర్శనం – 2004) దర్శించారు. 'మన పండితులు – కవులు – రచయితలు'లో (1970) వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించారు. 'కావ్యం – కవి స్వామ్యం' (1993), కన్యాశుల్కం – మరో వైపు (2000) ఆయన వివేచనా ప్రతిభకు తార్కాణాలు.

ఆరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించి డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన పేర్వారం జగన్నాథం సాహిత్యావలోకనం, సాహితీ వసంతం వ్యాససంపూటలు ప్రచురించారు. ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడిన అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు (1987), సాహిత్యం – సమాజం – రాజకీయాలు పేర్వారం గారి విశిష్ట పరిశీలనా దృష్టికీ, సాహిత్యాభిరుచికీ నిదర్శనాలు. స్వేచ్ఛా కవిత్వం పేరిట వచన కవితారంగంలో విలక్షణమైన కావ్యాలు వెలువరిస్తున్న మాదిరాజు రంగారావు వినూత్న దృక్కోణంతో కూడిన విమర్శలు కూడా విరచించారు. కవిత్రయం సృజన కళ – నిర్వహణ శిల్పం (2003) డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన ఆయన సిద్ధాంత గ్రంథం. సృజన చేతన – రామాయణ కల్పవృక్షం (2009) విశ్వనాథ కావ్యవైశిష్ట్యాన్ని సూక్ష్మాంశ వివేచనతో నిరూపిస్తుంది. శ్రీశ్రీ, దాశరథి కవిత్వాలను ప్రత్యేకంగా సమీక్షించిన రంగారావు ఆధునిక కవితాధోరణులు, కవుల కావ్యాలు, సాహితీ ప్రక్రియలను సమాలోచనం, సమదర్శనం, సృజనదృష్టి అన్న వ్యాససంపుటుల్లో విశదీకరించారు. స్వేచ్ఛా కవిత్వంలోని ప్రజాస్వామ్య, మానవీయభావనలను వివరిస్తూ పరిచయాత్మకమైన మరి రెండు వ్యాస సంపుటాలు వెలువరించారు. ప్రసిద్ధ విప్లవకవి పెండ్యాల వరవరరావు 'తెలంగాణ విమోచనోద్యమం – తెలుగు నవల' పై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందారు.

కొరవి గోపరాజు, నాయని సుబ్బారావు కృతుల పరిశీలనకు ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. పట్టాలు పొందిన అనుమాండ్ల భూమయ్య వేయిపడగలు, మాలపల్లి, ప్రజల మనిషిపై విమర్శలు ప్రకటించారు. సురవరం గోలకొండకవుల సంచికను, సినారె కర్పూర వసంతరాయలను

ప్రత్యేకంగా వివేచించారు. వ్యాసభారతి, వ్యాసభూమి, అంతర్వీక్షణం ఆయన వ్యాససంపూటాలు. 'రాయప్రోలు సౌందర్య దర్శనం' కావించిన డా. కె. యాదగిరి వివిధాంశాలపై సదస్సులలో పరిశోధన పత్రాలు సమర్పించారు. వివిధ ప్రక్రియా వివేచనకు సంబంధించిన పలు సాహిత్యసంచికలు ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడ్డాయి. తెలంగాణా సాహిత్య సంస్థల గురించిన పరిశోధన సల్పిన బన్న ఐలయ్య 'తెలంగాణా సాహిత్య సాంస్కృతిక చైతన్యం' (2006) అన్న సిద్ధాంతగ్రంథం ప్రచురించారు. 'తెలుగు కవిత అభినవ దృక్పథం' (దళిత సాహిత్య విమర్శ), 'నాలుగు ఆధునిక కావ్యాలు – ఒక పరిచయం', ఆధునిక కవితా విమర్శలు. సాహితీకిరణాలు, సవ్వడి ఆయన విమర్శవ్యాససంపుటులు. 'కాలువ మల్లయ్య కథలు – తెలంగాణా జనజీవితం' (2010) సహృదయ పురస్కారం పొందింది. చివరకు మిగిలేది నవలపై సిద్ధాంత వ్యాసం రచించిన కాత్యాయనీ విద్మహే స్త్రీవాద దృక్పథంతో సాహిత్య వివేచన గావించారు. 'ప్రాచిన సాహిత్యం – మరో చూపు' (2008) వినూత్న దృక్కోణంతో ప్రాచీన కావ్యాలను, కవులను అనుశీలించిన వ్యాస సంపుటి. స్త్రీల కవిత్వం, కథ, అస్తిత్వ చైతన్యం అంశాలను సూక్ష్మదృష్టితో పరిశీలించిన గ్రంథం 'సాహిత్యాకాశంలో' సగం (2010). 'నాటక సాహిత్య విమర్శ' వెలువరించిన డా. పి. జ్యోతి విమర్శ వ్యాససంపుటులు 'వ్యాసమందారం' (2005), 'జానపద విజ్ఞాన వ్యాసమంజరి' (2008). నన్నయ భారతంలో ఉపమాలంకారంపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పొందిన డా. బి. రుక్మిణి ఉపనిషత్ కథలు, జానపద రామాయణం, ఆంధ్ర మహాభారతంపై రచించిన వ్యాసాలు 'వ్యాసపారిజాతం' (2005) గా ప్రకటితమైనాయి.

డా. జి. వెంకటరత్నం హంస వింశతిలోని విజ్ఞాన సర్వస్వ స్వభావంపై సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రచురించటమే కాక విజ్ఞాన సర్వస్వాలపై విస్తృతమైన పరిశోధన సల్పారు. 'విశ్వనాథ వారి కృష్ణకావ్యాల'పై (1994) పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన శ్రీరంగస్వామి వాఙ్మయ సూచికలపై (వరంగల్ జిల్లా రచయితలు, కోవెల సుప్రసన్నాచార్య జీవిత వాఙ్మయాలు) ప్రత్యేక దృష్టిని ప్రసరించారు. విపంచి, సాహితీ గవాక్షం, శ్రీవ్యాసం, సమూహ మొ. వ్యాససంపుటాలు ఆయన సాహిత్య వివేచనకు ప్రతిరూపాలు. విశ్వనాథ నవలా సాహిత్యంపై జి. లక్ష్మణరావు, కె..యస్.వి. రాఘవన్, వి. వెంకటరామారావు పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసాలు ప్రచురించారు. అభినవ పోతన వానమామలై వరదాచార్యులు సాహిత్యాన్ని డా. అందె వెంకటరాజం సమాలోచించగా ఆయన సోదరుడు వానమామలై జగన్నాథచార్యుల 'రైతు రామాయణ' ప్రాశస్త్యాన్ని డా. డింగరి నరహరి చారి, డా. డింగరి రామాచారి నిరూపించారు. డా. అయాచితం నటేశ్వరశర్మ సంస్కృతాంధ్ర వాఙ్మయ విమర్శలు గణనీయమైనవి.

'అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు' గ్రంథనికి సంపాదకులు

(1) ఆచార్య బి. రామరాజు

(2) నాయని కృష్ణకుమారి

(3) పేర్వారం జగన్నాథం

(4) ఎల్దండ రఘుమన్న

[Question ID = 217][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q97]
1. 1 [Option ID = 865]
2. 2 [Option ID = 866]
3. 3 [Option ID = 867]
4. 4 [Option ID = 868]

8) **సూచన :** *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఆచార్య బి. రామరాజు, నాయని కృష్ణకుమారి (తెలుగు జానపద గేయగాథలు) నేతృత్వంలో జానపద సాహిత్యంపై విస్తృతమైన పరిశోధనలు జరిగాయి. కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి (పొడుపుకథలు), కె. రుక్నుద్దీన్ (జానపద సాహిత్యంలో అలంకార విధానం), ఎల్దండ రఘుమన్న (పల్లె పదాలలో ప్రజాజీవనం), రావి ప్రేమలత (పురాణగాథలు), సిహెచ్. వసుంధర (స్త్రీల గేయములలో సంప్రదాయము) కె. సుమతి (జానపద కథలు), బి. బాలస్వామి (మహబుబ్ నగర్ జిల్లా జానపదకథలు), గోపు లింగారెడ్డి (శ్రామిక గేయాలు), బి. దామోదరరావు (జానపదుల సామెతలు), టి.వి. రామ నరసయ్య (తెలుగు సామెతలు), ఎం. అండమ్మ (నల్లగొండ జిల్లా గ్రామదేవతలు), సిహెచ్. యాదయ్య (బవనీలు), ఎస్.ఆర్. వెంకటేశం (బుడగ జంగాలు), బి. కేశవులు (మోటపాటలు), వి. సురేందర్ రావు (కోలాటం పాటలు), పి. ఎల్లారెడ్డి (యక్షగానాలు) విత వేణుగోపాల్ ప్రాచీనాంధ్రసాహిత్యం, (గిరిజన జీవనచిత్రణ) సూర్య ధనంజయ్, ఎం. ఇందిరాదేవి (పాలమూరు జిల్లా గ్రామదేవతలు) మొదలైనవారి సిద్ధాంత వ్యాసాలు పేర్కొనదగినవి. దేవరాజు మహారాజు 'ఆధునిక యుగంలో జానపద సాహిత్యం'లో (1987) అర్వాచీన జానపద గేయాలను పరామర్శించారు.

కాకతీయ విశ్వవిద్యాలయ ప్రాంతంలోనూ, దాని పరిధిలోగల వివిధ జిల్లాలోనూ సాహిత్య విమర్శ రంగంలో గణనీయమైన కృషి జరిగింది. తెలుగుశాఖలోని ఆచార్యులు, అధ్యాపకులు సృజనాత్మక రచయితలుగానే కాక విమర్శకులుగా కూడ వాసికెక్కారు. వసుచరిత్రపై లోతైన పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన కోవెల సుప్రసన్నాచార్య వ్యాససంపుటి 'సాహిత్య వివేచన' రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ ఉత్తమ విమర్శ బహుమతి పొందింది. 'సహృదయ చక్రము', 'భావుకసీమ', అధ్యయనం, చందనశాఖి, దర్పణం, సమర్చన, సమర్పణ, భావసంధ్య, 'కావ్య ప్రమితి' మున్నగు వ్యాససంపుటులు ఆయన సూక్ష్మ వివేచనా ప్రతిభకు గీటురాళ్లు. ప్రాచీనాధునిక ప్రక్రియలు, కవుల కావ్యాలపై హృద్యమైన విమర్శలు వీనిలో గోచరిస్తాయి. 'అంతరంగం' వివిధ గ్రంథలకు అయన కూర్చిన పీఠికల సమాహారం.

ఛందస్సు అలంకారశాస్త్ర నిష్ణాతులైన కోవెల సంపత్కుమారాచార్య ఆధునిక సాహిత్య విమర్శ – సాంప్రదాయిక రీతి (1981) లో తెలుగు విమర్శలో అలంకారశాస్త్ర సంప్రదాయ ప్రసారాన్ని విశిష్టంగా వివేచించారు. 'తెలుగు ఛందోవికాసము' 1962) లో తెలుగు సాహిత్యంలో ఛందస్సు క్రమవికాస పరిణామాన్ని సమగ్రంగా విశ్లేషించారు. 'పూర్వకవుల కావ్య దృక్పథాలు' 1990) లో నలుగురు ఆంధ్రమహాకవుల విమర్శ సూత్రాలను విశదీకరించారు. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ సాహిత్యాన్ని సమ్యక్ వీక్షణంతో (విశ్వనాథ సాహిత్య దర్శనం – 2004) దర్శించారు. 'మన పండితులు – కవులు – రచయితలు'లో

(1970) వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించారు. 'కావ్యం – కవి స్వామ్యం' (1993), కన్యాశుల్కం – మరో వైపు (2000) ఆయన వివేచనా ప్రతిభకు తార్కాణాలు.

ఆరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించి డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన పేర్వారం జగన్నాథం సాహిత్యావలోకనం, సాహితీ వసంతం వ్యాససంపూటలు ప్రచురించారు. ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడిన అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు (1987), సాహిత్యం – సమాజం – రాజకీయాలు పేర్వారం గారి విశిష్ట పరిశీలనా దృష్టికీ, సాహిత్యాభిరుచికీ నిదర్శనాలు. స్వేచ్ఛా కవిత్వం పేరిట వచన కవితారంగంలో విలక్షణమైన కావ్యాలు వెలువరిస్తున్న మాదిరాజు రంగారావు వినూత్న దృక్కోణంతో కూడిన విమర్శలు కూడా విరచించారు. కవిత్రయం సృజన కళ – నిర్వహణ శిల్పం (2003) డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన ఆయన సిద్ధాంత గ్రంథం. సృజన చేతన – రామాయణ కల్పవృక్షం (2009) విశ్వనాథ కావ్యవైశిష్ట్యాన్ని సూక్ష్మాంశ వివేచనతో నిరూపిస్తుంది. శ్రీశ్రీ, దాశరథి కవిత్వాలను ప్రత్యేకంగా సమీక్షించిన రంగారావు ఆధునిక కవితాధోరణులు, కవుల కావ్యాలు, సాహితీ ప్రక్రియలను సమాలోచనం, సమదర్శనం, సృజనదృష్టి అన్న వ్యాససంపుటుల్లో విశదీకరించారు. స్వేచ్ఛా కవిత్వంలోని ప్రజాస్వామ్య, మానవీయభావనలను వివరిస్తూ పరిచయాత్మకమైన మరి రెండు వ్యాస సంపుటాలు వెలువరించారు. ప్రసిద్ధ విప్లవకవి పెండ్యాల వరవరరావు 'తెలంగాణ విమోచనద్యోమం – తెలుగు నవల' పై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందారు.

కొరవి గోపరాజు, నాయని సుబ్బారావు కృతుల పరిశీలనకు ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. పట్టాలు పొందిన అనుమాండ్ల భూమయ్య వేయిపడగలు, మాలపల్లి, ప్రజల మనిషిపై విమర్శలు ప్రకటించారు. సురవరం గోలకొండకవుల సంచికను, సినారె కర్పూర వసంతరాయలను ప్రత్యేకంగా వివేచించారు. వ్యాసభారతి, వ్యాసభూమి, అంతర్వీక్షణం ఆయన వ్యాససంపూటాలు. 'రాయప్రోలు సౌందర్య దర్శనం' కావించిన డా. కె. యాదగిరి వివిధాంశాలపై సదస్సులలో పరిశోధన పత్రాలు సమర్పించారు. వివిధ ప్రక్రియా వివేచనకు సంబంధించిన పలు సాహిత్యసంచికలు ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడ్డాయి. తెలంగాణా సాహిత్య సంస్థల గురించిన పరిశోధన సల్పిన టన్న ఐలయ్య 'తెలంగాణా సాహిత్య సాంస్కృతిక చైతన్యం' (2006) అన్న సిద్ధాంతగ్రంథం ప్రచురించారు. 'తెలుగు కవిత అభినవ దృక్పథం' (దళిత సాహిత్య విమర్శ), 'నాలుగు ఆధునిక కావ్యాలు – ఒక పరిచయం', ఆధునిక కవితా విమర్శలు. సాహితీకిరణాలు, సవ్వడి ఆయన విమర్శవ్యాససంపుటులు. 'కాలువ మల్లయ్య కథలు – తెలంగాణా జనజీవితం' (2010) సహృదయ పురస్కారం పొందింది. చివరకు మిగిలేది నవలపై సిద్ధాంత వ్యాసం రచించిన కాత్యాయనీ విద్మహే స్త్రీవాద దృక్పథంతో సాహిత్య వివేచన గావించారు. 'ప్రాచిన సాహిత్యం – మరో చూపు' (2008) వినూత్న దృక్కోణంతో ప్రాచీన కావ్యాలను, కవులను అనుశీలించిన వ్యాస సంపుటి. స్త్రీల కవిత్వం, కథ, అస్తిత్వ చైతన్యం అంశాలను సూక్ష్మదృష్టితో పరిశీలించిన గ్రంథం 'సాహిత్యాకాశంలో' సగం (2010). 'నాటక సాహిత్య విమర్శ' వెలువరించిన డా. పి. జ్యోతి విమర్శ వ్యాససంపుటులు 'వ్యాసమందారం' (2005), 'జానపద విజ్ఞాన వ్యాసమంజరి' (2008). నన్నయ భారతంలో ఉపమాలంకారంపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పొందిన డా. బి. రుక్మిణి ఉపనిషత్ కథలు, జానపద రామాయణం, ఆంధ్ర మహాభారతంపై రచించిన

వ్యాసాలు 'వ్యాసపారిజాతం' (2005) గా ప్రకటితమైనాయి.

డా. జి. వెంకటరత్నం హంస వింశతిలోని విజ్ఞాన సర్వస్వ స్వభావంపై సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రచురించటమే కాక విజ్ఞాన సర్వస్వాలపై విస్తృతమైన పరిశోధన సల్పారు. 'విశ్వనాథ వారి కృష్ణకావ్యాల'పై (1994) పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన శ్రీరంగస్వామి వాఙ్మయ సూచికలపై (వరంగల్ జిల్లా రచయితలు, కోవెల సుప్రసన్నాచార్య జీవిత వాఙ్మయాలు) ప్రత్యేక దృష్టిని ప్రసరించారు. విపంచి, సాహితీ గవాక్షం, శ్రీవ్యాసం, సమూహ మొ. వ్యాససంపుటాలు ఆయన సాహిత్య వివేచనకు ప్రతిరూపాలు. విశ్వనాథ నవలా సాహిత్యంపై జి. లక్ష్మణరావు, కె..యస్.వి. రాఘవన్, వి. వెంకటరామారావు పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసాలు ప్రచురించారు. అభినవ పోతన వానమామలై వరదాచార్యులు సాహిత్యాన్ని డా. అందె వెంకటరాజం సమాలోచించగా ఆయన సోదరుడు వానమామలై జగన్నాథచార్యుల 'రైతు రామాయణ' ప్రాశస్త్యాన్ని డా. డింగరి నరహరి చారి, డా. డింగరి రామాచారి నిరూపించారు. డా. అయాచితం నటేశ్వరశర్మ సంస్కృతాంధ్ర వాఙ్మయ విమర్శలు గణనీయమైనవి.

వ్యాసమందారం వెలువడిన సంవత్సరం

(1) 2005

(2) 2010

(3) 2008

(4) 1994

[Question ID = 218][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q98]

1. 1 [Option ID = 869]
2. 2 [Option ID = 870]
3. 3 [Option ID = 871]
4. 4 [Option ID = 872]

9) **సూచన :** *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఆచార్య బి. రామరాజు, నాయని కృష్ణకుమారి (తెలుగు జానపద గేయగాథలు) నేతృత్వంలో జానపద సాహిత్యంపై విస్తృతమైన పరిశోధనలు జరిగాయి. కసిరెడ్డి వెంకటరెడ్డి (పొడుపుకథలు), కె. రుక్నుద్దీన్ (జానపద సాహిత్యంలో అలంకార విధానం), ఎల్దండ రఘుమన్న (పల్లె పదాలలో ప్రజాజీవనం), రావి ప్రేమలత (పురాణగాథలు), సిహెచ్. వసుంధర (స్త్రీల గేయములలో సంప్రదాయము) కె. సుమతి (జానపద కథలు), బి. బాలస్వామి (మహబుబ్ నగర్ జిల్లా జానపదకథలు), గోపు లింగారెడ్డి (శ్రామిక గేయాలు), బి. దామోదరరావు (జానపదుల సామెతలు), టి.వి. రామ నరసయ్య (తెలుగు సామెతలు), ఎం. అండమ్మ (నల్లగొండ జిల్లా గ్రామదేవతలు), సిహెచ్. యాదయ్య (బవనీలు), ఎన్.ఆర్. వెంకటేశం (బుడగ జంగాలు), బి. కేశవులు (మోటపాటలు), వి. సురేందర్ రావు (కోలాటం పాటలు), పి. ఎల్లారెడ్డి (యక్షగానాలు) విర వేణుగోపాల్ ప్రాచీనాంధ్రసాహిత్యం, (గిరిజన జీవనచిత్రణ) సూర్య ధనంజయ్, ఎం.

ఇందిరాదేవి (పాలమూరు జిల్లా గ్రామదేవతలు) మొదలైనవారి సిద్ధాంత వ్యాసాలు పేర్కొనదగినవి. దేవరాజు మహారాజు 'ఆధునిక యుగంలో జానపద సాహిత్యం'లో (1987) అర్వాచీన జానపద గేయాలను పరామర్శించారు.

కాకతీయ విశ్వవిద్యాలయ ప్రాంతంలోనూ, దాని పరిధిలోగల వివిధ జిల్లాలోనూ సాహిత్య విమర్శ రంగంలో గణనీయమైన కృషి జరిగింది. తెలుగుశాఖలోని ఆచార్యులు, అధ్యాపకులు సృజనాత్మక రచయితలుగానే కాక విమర్శకులుగా కూడ వాసికెక్కారు. వసుచరిత్రపై లోతైన పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన కోవెల సుప్రసన్నాచార్య వ్యాససంపుటి 'సాహిత్య వివేచన' రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ ఉత్తమ విమర్శ బహుమతి పొందింది. 'సహృదయ చక్రము', 'భావుకసీమ', అధ్యయనం, చందనశాఖి, దర్పణం, సమర్చన, సమర్పణ, భావసంధ్య, 'కావ్య ప్రమితి' మున్నగు వ్యాససంపుటులు ఆయన సూక్ష్మ వివేచనా ప్రతిభకు గీటురాళ్లు. ప్రాచీనాధునిక ప్రక్రియలు, కవుల కావ్యాలపై హృద్యమైన విమర్శలు వీనిలో గోచరిస్తాయి. 'అంతరంగం' వివిధ గ్రంథలకు ఆయన కూర్చిన పీఠికల సమాహారం.

ఛందస్సు అలంకారశాస్త్ర నిష్ణాతులైన కోవెల సంపత్కుమారాచార్య ఆధునిక సాహిత్య విమర్శ – సాంప్రదాయిక రీతి (1981) లో తెలుగు విమర్శలో అలంకారశాస్త్ర సంప్రదాయ ప్రసారాన్ని విశిష్టంగా వివేచించారు. 'తెలుగు ఛందోవికాసము' 1962) లో తెలుగు సాహిత్యంలో ఛందస్సు క్రమవికాస పరిణామాన్ని సమగ్రంగా విశ్లేషించారు. 'పూర్వకవుల కావ్య దృక్పథాలు' 1990) లో నలుగురు ఆంధ్రమహాకవుల విమర్శ సూత్రాలను విశదీకరించారు. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ సాహిత్యాన్ని సమ్యక్ వీక్షణంతో (విశ్వనాథ సాహిత్య దర్శనం – 2004) దర్శించారు. 'మన పండితులు – కవులు – రచయితలు'లో (1970) వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించారు. 'కావ్యం – కవి స్వామ్యం' (1993), కన్యాశుల్కం – మరో వైపు (2000) ఆయన వివేచనా ప్రతిభకు తార్కాణాలు.

ఆరె జానపద సాహిత్యంపై తెలుగు ప్రభావాన్ని విశ్లేషించి డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన పేర్వారం జగన్నాథం సాహిత్యావలోకనం, సాహితీ వసంతం వ్యాససంపూటలు ప్రచురించారు. ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడిన అభ్యుదయ కవిత్వానంతర ధోరణులు (1987), సాహిత్యం – సమాజం – రాజకీయాలు పేర్వారం గారి విశిష్ట పరిశీలనా దృష్టికీ, సాహిత్యాభిరుచికీ నిదర్శనాలు. స్వేచ్ఛా కవిత్వం పేరిట వచన కవితారంగంలో విలక్షణమైన కావ్యాలు వెలువరిస్తున్న మాదిరాజు రంగారావు వినూత్న దృక్కోణంతో కూడిన విమర్శలు కూడా విరచించారు. కవిత్రయం సృజన కళ – నిర్వహణ శిల్పం (2003) డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన ఆయన సిద్ధాంత గ్రంథం. సృజన చేతన – రామాయణ కల్పవృక్షం (2009) విశ్వనాథ కావ్యవైశిష్ట్యాన్ని సూక్ష్మాంశ వివేచనతో నిరూపిస్తుంది. శ్రీశ్రీ, దాశరథి కవిత్వాలను ప్రత్యేకంగా సమీక్షించిన రంగారావు ఆధునిక కవితాధోరణులు, కవుల కావ్యాలు, సాహితీ ప్రక్రియలను సమాలోచనం, సమదర్శనం, సృజనదృష్టి అన్న వ్యాససంపుటుల్లో విశదీకరించారు. స్వేచ్ఛా కవిత్వంలోని ప్రజాస్వామ్య, మానవీయభావనలను వివరిస్తూ పరిచయాత్మకమైన మరి రెండు వ్యాస సంపుటాలు వెలువరించారు. ప్రసిద్ధ విప్లవకవి పెండ్యాల వరవరరావు 'తెలంగాణ విమోచనద్యోమం – తెలుగు నవల' పై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందారు. కొరవి గోపరాజు, నాయని సుబ్బారావు కృతుల పరిశీలనకు ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. పటాలు

పొందిన అనుమాండ్ల భూమయ్య వేయిపడగలు, మాలపల్లి, ప్రజల మనిషిపై విమర్శలు ప్రకటించారు. సురవరం గోలకొండకవుల సంచికను, సినారె కర్పూర వసంతరాయలను ప్రత్యేకంగా వివేచించారు. వ్యాసభారతి, వ్యాసభూమి, అంతర్వీక్షణం ఆయన వ్యాససంపూటాలు. 'రాయప్రోలు సౌందర్య దర్శనం' కావించిన డా. కె. యాదగిరి వివిధాంశాలపై సదస్సులలో పరిశోధన పత్రాలు సమర్పించారు. వివిధ ప్రక్రియా వివేచనకు సంబంధించిన పలు సాహిత్యసంచికలు ఆయన సంపాదకత్వంలో వెలువడ్డాయి. తెలంగాణా సాహిత్య సంస్థల గురించిన పరిశోధన సల్పిన బన్న ఐలయ్య 'తెలంగాణా సాహిత్య సాంస్కృతిక చైతన్యం' (2006) అన్న సిద్ధాంతగ్రంథం ప్రచురించారు. 'తెలుగు కవిత అభినవ దృక్పథం' (దళిత సాహిత్య విమర్శ), 'నాలుగు ఆధునిక కావ్యాలు – ఒక పరిచయం', ఆధునిక కవితా విమర్శలు. సాహితీకిరణాలు, సవ్వడి ఆయన విమర్శవ్యాససంపుటులు. 'కాలువ మల్లయ్య కథలు – తెలంగాణా జనజీవితం' (2010) సహృదయ పురస్కారం పొందింది. చివరకు మిగిలేది నవలపై సిద్ధాంత వ్యాసం రచించిన కాత్యాయనీ విద్మహే స్త్రీవాద దృక్పథంతో సాహిత్య వివేచన గావించారు. 'ప్రాచిన సాహిత్యం – మరో చూపు' (2008) వినూత్న దృక్కోణంతో ప్రాచీన కావ్యాలను, కవులను అనుశీలించిన వ్యాస సంపుటి. స్త్రీల కవిత్వం, కథ, అస్తిత్వ చైతన్యం అంశాలను సూక్ష్మదృష్టితో పరిశీలించిన గ్రంథం 'సాహిత్యాకాశంలో' సగం (2010). 'నాటక సాహిత్య విమర్శ' వెలువరించిన డా. పి. జ్యోతి విమర్శ వ్యాససంపుటులు 'వ్యాసమందారం' (2005), 'జానపద విజ్ఞాన వ్యాసమంజరి' (2008). నన్నయ భారతంలో ఉపమాలంకారంపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పొందిన డా. బి. రుక్మిణి ఉపనిషత్ కథలు, జానపద రామాయణం, ఆంధ్ర మహాభారతంపై రచించిన వ్యాసాలు 'వ్యాసపారిజాతం' (2005) గా ప్రకటితమైనాయి.

డా. జి. వెంకటరత్నం హంస వింశతిలోని విజ్ఞాన సర్వస్వ స్వభావంపై సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రచురించటమే కాక విజ్ఞాన సర్వస్వాలపై విస్తృతమైన పరిశోధన సల్పారు. 'విశ్వనాథ వారి కృష్ణకావ్యాల'పై (1994) పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన శ్రీరంగస్వామి వాఙ్మయ సూచికలపై (వరంగల్ జిల్లా రచయితలు, కోవెల సుప్రసన్నాచార్య జీవిత వాఙ్మయాలు) ప్రత్యేక దృష్టిని ప్రసరించారు. విపంచి, సాహితీ గవాక్షం, శ్రీవ్యాసం, సమూహ మొ. వ్యాససంపుటాలు ఆయన సాహిత్య వివేచనకు ప్రతిరూపాలు. విశ్వనాథ నవలా సాహిత్యంపై జి. లక్ష్మణరావు, కె..యస్.వి. రాఘవన్, వి. వెంకటరామారావు పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసాలు ప్రచురించారు. అభినవ పోతన వానమామలై వరదాచార్యులు సాహిత్యాన్ని డా. అందె వెంకటరాజం సమాలోచించగా ఆయన సోదరుడు వానమామలై జగన్నాథచార్యుల 'రైతు రామాయణ' ప్రాశస్త్యాన్ని డా. డింగరి నరహరి చారి, డా. డింగరి రామాచారి నిరూపించారు. డా. అయాచితం నటేశ్వరశర్మ సంస్కృతాంధ్ర వాఙ్మయ విమర్శలు గణనీయమైనవి.

వరంగల్ జిల్లా రచయితల సాహిత్యాన్ని పరామర్శించిన గ్రంథం

(1) మన పండితులు-కవులు రచయితలు

(2) సాహిత్యం-సమాజం-రాజకీయలు

(3) కావ్య-కవిస్వామ్య

(4) తెలంగాణ విమోచనోద్యమం-తెలుగు నవల

[Question ID = 219][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q99]

1. 1 [Option ID = 873]
2. 2 [Option ID = 874]
3. 3 [Option ID = 875]
4. 4 [Option ID = 876]

Topic:- Telugu_Q100-105_L1_P1_CTET

1) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

తరగల్, పిప్పల పత్రముల్, మెఱుఁగుటద్దంబుల్, మరుద్దీపముల్
కరికర్ణాంతము లెండరూపులతతుల్, ఖద్యోత కీట ప్రభల్
సురవీధీ లిఖితాక్షరంబుల సువులు, జోత్స్నా పయఃపిండముల్
సిరులందేల మదాంధులౌదురో జనుల్ ! శ్రీ కాళహస్తీశ్వరా !

అసువులు ఏమిటి ?

(1) కెరట ములు

(2) ఖద్యోతకీటప్రభలు

(3) సురవీధీ లిఖితాక్షరాలు

(4) జ్యోత్స్నపయః పిండముల్

[Question ID = 220][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q100]

1. 1 [Option ID = 877]
2. 2 [Option ID = 878]
3. 3 [Option ID = 879]
4. 4 [Option ID = 880]

2) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

తరగల్, పిప్పల పత్రముల్, మెఱుఁగుటద్దంబుల్, మరుద్దీపముల్
కరికర్ణాంతము లెండరూపులతతుల్, ఖద్యోత కీట ప్రభల్
సురవీధీ లిఖితాక్షరంబుల సువులు, జోత్స్నా పయఃపిండముల్
సిరులందేల మదాంధులౌదురో జనుల్ ! శ్రీ కాళహస్తీశ్వరా !

'తరగలు'కు అర్థము

(1) కెరటాలు

(2) రావిఆకులు

(3) గాలిలో దీపాలు

(4) వెన్నెల పాలముద్దలు

[Question ID = 221][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q101]
1. 1 [Option ID = 881]
2. 2 [Option ID = 882]
3. 3 [Option ID = 883]
4. 4 [Option ID = 884]

3) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

తరగల్, పిప్పల పత్రముల్, మెఱుఁగుటద్దంబుల్, మరుద్దీపముల్
కరికర్ణాంతము లెండరూపులతతుల్, ఖద్యోత కీట ప్రభల్
సురవీధీ లిఖితాక్షరంబుల సువులు, జ్యోత్స్నా పయఃపిండముల్
సిరులందేల మదాంధులౌదురో జనుల్ ! శ్రీ కాళహస్తీశ్వరా !

మనుషులు దేనిపట్ల గర్వాంధులవు తున్నరు

(1) సిరులు

(2) పిప్పల పత్రాలు

(3) గాలిలోనిదీపాలు

(4) ఎండమావులు

[Question ID = 222][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q102]
1. 1 [Option ID = 885]
2. 2 [Option ID = 886]
3. 3 [Option ID = 887]
4. 4 [Option ID = 888]

4) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

తరగల్, పిప్పల పత్రముల్, మెఱుఁగుటద్దంబుల్, మరుద్దీపముల్
కరికర్ణాంతము లెండరూపులతతుల్, ఖద్యోత కీట ప్రభల్
సురవీధీ లిఖితాక్షరంబుల సువులు, జ్యోత్స్నా పయఃపిండముల్
సిరులందేల మదాంధులౌదురో జనుల్ ! శ్రీ కాళహస్తీశ్వరా !

'తరగల్' పదానికి గురులఘుక్రమం

(1) IIU

(2) IIII

(3) UII

(4) UUU

[Question ID = 223][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q103]
1. 1 [Option ID = 889]
2. 2 [Option ID = 890]
3. 3 [Option ID = 891]
4. 4 [Option ID = 892]

5) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

తరగల్, పిప్పల పత్రముల్, మెఱుఁగుటద్దంబుల్, మరుద్దీపముల్
కరికర్ణాంతము లెండరూపులతతుల్, ఖద్యోత కీట ప్రభల్
సురవీధీ లిఖితాక్షరంబుల సువులు, జోత్స్నా పయఃపిండముల్
సిరులందేల మదాంధులౌదురో జనుల్ ! శ్రీ కాళహస్తీశ్వరా !

ఈ పద్యం ఏ వృత్తానికి చెందుతుంది

(1) మత్తేభము

(2) శార్దూలము

(3) ఉత్పలమాల

(4) చంపకమాల

[Question ID = 224][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q104]

1. 1 [Option ID = 893]
2. 2 [Option ID = 894]
3. 3 [Option ID = 895]
4. 4 [Option ID = 896]

6) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

తరగల్, పిప్పల పత్రముల్, మెఱుఁగుటద్దంబుల్, మరుద్దీపముల్
కరికర్ణాంతము లెండరూపులతతుల్, ఖద్యోత కీట ప్రభల్
సురవీధీ లిఖితాక్షరంబుల సువులు, జోత్స్నా పయఃపిండముల్
సిరులందేల మదాంధులౌదురో జనుల్ ! శ్రీ కాళహస్తీశ్వరా !

'ఖద్యోతము' అనగా

(1) మిణుగురు

(2) ఏనుగు

(3) కెరటము

(4) పిండము

[Question ID = 225][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q105]

1. 1 [Option ID = 897]
2. 2 [Option ID = 898]
3. 3 [Option ID = 899]
4. 4 [Option ID = 900]

Topic:- Telugu_Q106-120_L1_P1_CTET

1) ఒక విద్యార్థి భాష సమపార్జనను, ఉత్పాదనను సాధ్యంచేసే స్థానికుల సహజాత మానసిక సామర్థ్యం గురించిన భావన

(1) భాషా అభ్యసన చాలన

(2) భాషా భివృద్ధి సాధనం

(3) భాషా సమపార్జన పరికరం

(4) భాషా వగాహన

[Question ID = 226][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q106]

1. 1 [Option ID = 901]
2. 2 [Option ID = 902]
3. 3 [Option ID = 903]
4. 4 [Option ID = 904]

2) 2-3 నెలల పసి పిల్లలు ఏక అచ్చుల శబ్దాలను ఉత్పత్తి చేస్తారు. భాషాభివృద్ధిలో ఈ దశను ఏమంటారు ?

(1) కువకువ

(2) సంశ్లేషణాత్మక (హాలోపారసైటిక్)

(3) వాచాలత (బాబ్లింగ్)

(4) ఏక పదం

[Question ID = 227][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q107]

1. 1 [Option ID = 905]
2. 2 [Option ID = 906]
3. 3 [Option ID = 907]
4. 4 [Option ID = 908]

3) భాషను, డ్రిల్లు ద్వారా ఆచరణ ద్వారా నేర్చుకోవటం జరుగుతుంది. భాషను నేర్చుకోవాటాన్ని గురించిన ఈ భావన ఎవరికి చెందుతుంది ?

(1) బి.ఎఫ్. స్కిన్నర్

(2) లెవ్ వైగాట్స్కి

(3) నామ్ చామ్స్కి

(4) జీన్ పియాజెట్

[Question ID = 228][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q108]

1. 1 [Option ID = 909]
2. 2 [Option ID = 910]
3. 3 [Option ID = 911]
4. 4 [Option ID = 912]

4) 2 వ తరగతిలో విద్యార్థులు అనేక భాషా నేపథ్యాలకు చెందినవారు. తరగతి గదిలో ఈ బహుబాషా స్వభావం

(1) ఆ తరగతికి బోధించే ఉపాధ్యాయరాలికి భారం

(2) భాషా భ్యసనలో అది గందరగోళాని దారి తీస్తుంది కాబట్టి అదొక అవరోధం

(3) భాషాభ్యసనని దాన్నికి వనరుగా వాడవచ్చు

(4) కొత్త భాష నేర్చుకోవటంలో గందరగోళానికి దారితీస్తుంది

[Question ID = 229][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q109]

1. 1 [Option ID = 913]
2. 2 [Option ID = 914]
3. 3 [Option ID = 915]
4. 4 [Option ID = 916]

5) సమర్థవంతమైన వినికిడికి ఈ క్రింది వాటిలో ఏది సరైన వ్యూహం కాదు ?

(1) వినటానికి ముందటి విశ్లేషణ

(2) నిర్మిత భాషణను (స్ట్రక్చర్డ్) వినటం

(3) ఊహించి చెప్పటం

(4) బృంద శ్రవణం

[Question ID = 230][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q110]

1. 1 [Option ID = 917]
2. 2 [Option ID = 918]
3. 3 [Option ID = 919]
4. 4 [Option ID = 920]

6) గ్రహణశీల పదజాల పదాలు

(1) చూసినప్పుడు, విన్నప్పుడు గుర్తుపట్ట గలిగేవి

(2) వాచకంనుంచి అర్థంచేసుకోగలిగేవి

(3) ఇతరుల ఉపన్యాసం నుంచి గ్రహించేవి

(4) క్రియాశీలక పదజాలంతో వాడేవి

[Question ID = 231][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q111]

1. 1 [Option ID = 921]
2. 2 [Option ID = 922]
3. 3 [Option ID = 923]
4. 4 [Option ID = 924]

7) రవికాంత్ అనే 2 వ గ్రేడ్ విద్యార్థి రాస్తువున్నప్పుడు పదరూపకల్పన, అక్షర రూపకల్పనలో ఇబ్బంది పడుతూవుంటాడు అతని రాత కుదురుగా వుండదు, ఒకే రకంగా వుండదు దీన్నేమంటారు

(1) డిస్ గ్రాఫియా

(2) డిస్ లెక్సియా

(3) డిస్ కలిక్యూలియా

(4) డిస్ ప్రేజియా

[Question ID = 232][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q112]

1. 1 [Option ID = 925]
2. 2 [Option ID = 926]
3. 3 [Option ID = 927]
4. 4 [Option ID = 928]

8) ఒక విద్యార్థిఇది చేయగలిగితే అతను లక్ష్య భాషలో కౌశలం కలవాడుగా పిలువబడతాడు

(1) సరైన పదజాలం తెలిసినప్పటికీ తరచుగా వాడలేడు

(2) ఇంటి భాషలు చదవగలడు, రాయగలడు

(3) లక్ష్య భాషను ధారాళంగా, ఖచ్చితంగా ఉపయోగించ గలడు

(4) మాట్లాడిన అంశాన్ని అర్థం చేసుకో గలడు

[Question ID = 233][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q113]

1. 1 [Option ID = 929]
2. 2 [Option ID = 930]
3. 3 [Option ID = 931]
4. 4 [Option ID = 932]

9) నదిరా ఇప్పుడు తన నాలుగవగ్రేడు విద్యార్థుల అభ్యసన అవగాహనను మూల్యాంకనం చేయబోతుంది. ఈ సందర్భంలో ఆమె విద్యార్థులకు ఇవ్వదగిన అత్యంత సరైన టాస్క్ ఏది ?

(1) చదివిన వాచకం యొక్క డిక్టేషన్

(2) పఠనంవల్ల వున్న 4-5 ఉపయోగాలు రాయండి

(3) మీ స్వంత మాటల్లో కథని తిరిగి చెప్పండి

(4) వాచకంలోని పదాలతోవాక్యాలు రాయండి

[Question ID = 234][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q114]

1. 1 [Option ID = 933]
2. 2 [Option ID = 934]
3. 3 [Option ID = 935]
4. 4 [Option ID = 936]

10) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు ఇవ్వబడిన అంశంమీద 6 వాక్యాలు మాట్లాడమని విద్యార్థిల్ని అడుగుతుంది. ఆ కార్యక్రమం నడుస్తూ వున్నప్పుడు మిగతా విద్యార్థులు తమ తరగతి విద్యార్థులు మాట్లడుతూ వున్నప్పుడు వాళ్ళను మూల్యాంకం చేయమని అడుగుతుంది. ఈ మూల్యాంకాన్ని ఏమంటారు

(1) స్వయం మూల్యాంకనం

(2) వ్యక్తిగత మూల్యాంకనం

(3) బృంద మూల్యాంకనం

(4) సమవుజ్జీల మూల్యాంకనం

[Question ID = 235][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q115]

1. 1 [Option ID = 937]
2. 2 [Option ID = 938]
3. 3 [Option ID = 939]
4. 4 [Option ID = 940]

11) బహుళ భాషలు తెలిసిన వ్యక్తిని ఇలా కూడా పిలుస్తారు

(1) ద్విభాషి

(2) ఏకభాషి

(3) బహుభాషి

(4) భాషావేత్త

[Question ID = 236][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q116]

1. 1 [Option ID = 941]
2. 2 [Option ID = 942]
3. 3 [Option ID = 943]
4. 4 [Option ID = 944]

12) పఠన, లేఖన నైపుణ్యాలకు సంబంధించి ఈ క్రింది వాటిలో ఏ ప్రకటన వాస్తవం

(1) చక్కగా రాయగలిగే నైపుణ్యాల ప్రభావం పఠనం మీద వుండదు

(2) ఎక్కువ చదివే విద్యార్థుల మెరుగయిన విద్యార్థులవుతారు

(3) బాగారాసేవిద్యార్థులు ఎప్పుడూ పదాలకి మంచి స్పెల్లింగు రాయగలిగిన వాళ్ళుగా వుంటారు

(4) పఠన లేఖన నైపుణ్యాలు ఎప్పుడు విడిగా బోధించాలి

[Question ID = 237][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q117]

1. 1 [Option ID = 945]
2. 2 [Option ID = 946]
3. 3 [Option ID = 947]
4. 4 [Option ID = 948]

13) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు తన విద్యార్థిని ఒక పేరాగ్రాఫ్ రాయమని అడుగుతుంది. రాస్తున్నప్పుడు విద్యార్థినిచేయాల్సినపని

(1) ప్రతిని తిరిగి రాయడం

(2) పేరాగ్రాఫ్ రాయటం మొదలు పెట్టటం

(3) విషయాన్ని గురించిన మేధో మథనం చేయటం

(4) ప్రతిని ఎడిట్ చేయటం

[Question ID = 238][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q118]

1. 1 [Option ID = 949]
2. 2 [Option ID = 950]
3. 3 [Option ID = 951]
4. 4 [Option ID = 952]

14) మూల్యాంకన క్రమంలో సమవుజ్జీ ఫీడ్ బ్యాక్ ఇలావుండాలి

(1) సమవుజ్జీల ఫీడ్ బ్యాక్ అవసరం వుండదు కాబట్టి దాన్ని వదిలివేయటం మంచిది.

(2) అది ఉపాధ్యాయుడి భాధ్యత కాబట్టి దాన్ని ఆచరించాల్సిన అవసరం లేదు.

(3) లేఖన నైపుణ్యాలలో క్రమం తప్పకుండా వాడాలి.

(4) కేవలం లేఖన నైపుణ్యంతో వాడాలి తప్ప, మిగతా మూడు నైపుణ్యాలతో వాడకూడదు.

[Question ID = 239][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q119]

1. 1 [Option ID = 953]
2. 2 [Option ID = 954]
3. 3 [Option ID = 955]
4. 4 [Option ID = 956]

15) నిన్ననేను జలంధర్ వెళ్ళాల్సింది, అయితే నా ట్రైన్ మిస్ అయింది. ఈ వాక్యం దేనిని ఉదాహరణ ?

(1) కోడ్ మిక్సింగ్ కి

(2) కోడ్ స్విచ్చింగ్ కి

(3) కోడ్ స్విప్పింగ్ కి

(4) కోడ్ తేడా కి

[Question ID = 240][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_107_TELUGU_Q120]

1. 1 [Option ID = 957]
2. 2 [Option ID = 958]
3. 3 [Option ID = 959]
4. 4 [Option ID = 960]

Topic:- HIN_Q121-128_L2_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

पाठ्यचर्या निर्माण आवश्यक रूप से एक अंतहीन प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत समाज में घटित होने वाले परिवर्तनों की दृष्टि से शिक्षा में गुणात्मक विकास की सतत खोज की जाती है । इस दृष्टि से यह कोई जड़ प्रक्रिया न होकर एक गतिशील आयाम है । एक सार्थक पाठ्यचर्या को समाज के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए और उसमें शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की झलक मिलनी चाहिए । नई सहस्त्राब्दी में भी कुछ देशों के मुख्य सामाजिक सरोकार अपरिवर्तित बने रहेंगे क्योंकि पूर्व में उन सरोकारों को पर्याप्त रूप से क्रियान्वित नहीं किया जा सका । अनेक नए सरोकारों का उदय देश और विश्व के तेज़ी से बदलते संदर्भों में हुआ है । पाठ्यचर्या को इस प्रकार की शिक्षा की रचना करनी होगी जो असमानता के विरुद्ध संघर्ष कर सके और शिक्षार्थी की सामाजिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर सके । यह तभी होगा जब पाठ्यचर्या में उत्कृष्टता, प्रासंगिकता व समानता हो ।

पाठ्यचर्या सार्थक कब कहलाएगी ?

(1) जब वह अपरिवर्तनशील होगी ।

(2) समाज के प्रति उत्तरदायी होगी ।

(3) असमानता पर आधारित होगी ।

(4) जड़ प्रक्रिया होगी ।

[Question ID = 241][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q121]

1. 1 [Option ID = 961]
2. 2 [Option ID = 962]
3. 3 [Option ID = 963]
4. 4 [Option ID = 964]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

पाठ्यचर्या निर्माण आवश्यक रूप से एक अंतहीन प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत समाज में घटित होने वाले परिवर्तनों की दृष्टि से शिक्षा में गुणात्मक विकास की सतत खोज की जाती है । इस दृष्टि से यह कोई जड़ प्रक्रिया न होकर एक गतिशील आयाम है । एक सार्थक पाठ्यचर्या को समाज के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए और उसमें शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की झलक मिलनी चाहिए । नई सहस्राब्दी में भी कुछ देशों के मुख्य सामाजिक सरोकार अपरिवर्तित बने रहेंगे क्योंकि पूर्व में उन सरोकारों को पर्याप्त रूप से क्रियान्वित नहीं किया जा सका । अनेक नए सरोकारों का उदय देश और विश्व के तेज़ी से बदलते संदर्भों में हुआ है । पाठ्यचर्या को इस प्रकार की शिक्षा की रचना करनी होगी जो असमानता के विरुद्ध संघर्ष कर सके और शिक्षार्थी की सामाजिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर सके । यह तभी होगा जब पाठ्यचर्या में उत्कृष्टता, प्रासंगिकता व समानता हो ।

पाठ्यचर्या निर्माण अंतहीन प्रक्रिया क्यों होनी चाहिए ?

(1) समाज में आने वाले परिवर्तनों को शामिल किया जा सके

(2) शिक्षाविदों के समय का सार्थक उपयोग हो सके

(3) हर पीढ़ी को पाठ्यचर्या तैयार करने का अनुभव मिल सके

(4) सभी को शैक्षिक अवसरों की समानता मिले

[Question ID = 242][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q122]

1. 1 [Option ID = 965]
2. 2 [Option ID = 966]
3. 3 [Option ID = 967]
4. 4 [Option ID = 968]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

पाठ्यचर्या निर्माण आवश्यक रूप से एक अंतहीन प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत समाज में घटित होने वाले परिवर्तनों की दृष्टि से शिक्षा में गुणात्मक विकास की सतत खोज की जाती है। इस दृष्टि से यह कोई जड़ प्रक्रिया न होकर एक गतिशील आयाम है। एक सार्थक पाठ्यचर्या को समाज के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए और उसमें शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की झलक मिलनी चाहिए। नई सहस्राब्दी में भी कुछ देशों के मुख्य सामाजिक सरोकार अपरिवर्तित बने रहेंगे क्योंकि पूर्व में उन सरोकारों को पर्याप्त रूप से क्रियान्वित नहीं किया जा सका। अनेक नए सरोकारों का उदय देश और विश्व के तेज़ी से बदलते संदर्भों में हुआ है। पाठ्यचर्या को इस प्रकार की शिक्षा की रचना करनी होगी जो असमानता के विरुद्ध संघर्ष कर सके और शिक्षार्थी की सामाजिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर सके। यह तभी होगा जब पाठ्यचर्या में उत्कृष्टता, प्रासंगिकता व समानता हो।

कुछ देशों के सामाजिक सरोकारों में परिवर्तन क्यों नहीं होगा ?

(1) वे किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं चाहते हैं

(2) परिवर्तन हेतु पर्याप्त संसाधन नहीं है

(3) उनकी पाठ्यचर्या परिवर्तनशील नहीं है

(4) पूर्व में सरोकार क्रियान्वित नहीं हो सके हैं

[Question ID = 243][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q123]

1. 1 [Option ID = 969]
2. 2 [Option ID = 970]
3. 3 [Option ID = 971]
4. 4 [Option ID = 972]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

पाठ्यचर्या निर्माण आवश्यक रूप से एक अंतहीन प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत समाज में घटित होने वाले परिवर्तनों की दृष्टि से शिक्षा में गुणात्मक विकास की सतत खोज की जाती है । इस दृष्टि से यह कोई जड़ प्रक्रिया न होकर एक गतिशील आयाम है । एक सार्थक पाठ्यचर्या को समाज के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए और उसमें शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की झलक मिलनी चाहिए । नई सहस्राब्दी में भी कुछ देशों के मुख्य सामाजिक सरोकार अपरिवर्तित बने रहेंगे क्योंकि पूर्व में उन सरोकारों को पर्याप्त रूप से क्रियान्वित नहीं किया जा सका । अनेक नए सरोकारों का उदय देश और विश्व के तेज़ी से बदलते संदर्भों में हुआ है । पाठ्यचर्या को इस प्रकार की शिक्षा की रचना करनी होगी जो असमानता के विरुद्ध संघर्ष कर सके और शिक्षार्थी की सामाजिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर सके । यह तभी होगा जब पाठ्यचर्या में उत्कृष्टता, प्रासंगिकता व समानता हो ।

गद्यांश में शिक्षार्थी की किस आवश्यकता का उल्लेख **नहीं** आया है ?

(1) सामाजिक

(2) आर्थिक

(3) सांस्कृतिक

(4) भावात्मक

[Question ID = 244][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q124]

1. 1 [Option ID = 973]
2. 2 [Option ID = 974]
3. 3 [Option ID = 975]
4. 4 [Option ID = 976]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

पाठ्यचर्या निर्माण आवश्यक रूप से एक अंतहीन प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत समाज में घटित होने वाले परिवर्तनों की दृष्टि से शिक्षा में गुणात्मक विकास की सतत खोज की जाती है । इस दृष्टि से यह कोई जड़ प्रक्रिया न होकर एक गतिशील आयाम है । एक सार्थक पाठ्यचर्या को समाज के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए और उसमें शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की झलक मिलनी चाहिए । नई सहस्राब्दी में भी कुछ देशों के मुख्य सामाजिक सरोकार अपरिवर्तित बने रहेंगे क्योंकि पूर्व में उन सरोकारों को पर्याप्त रूप से क्रियान्वित नहीं किया जा सका । अनेक नए सरोकारों का उदय देश और विश्व के तेज़ी से बदलते संदर्भों में हुआ है । पाठ्यचर्या को इस प्रकार की शिक्षा की रचना करनी होगी जो असमानता के विरुद्ध संघर्ष कर सके और शिक्षार्थी की सामाजिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर सके । यह तभी होगा जब पाठ्यचर्या में उत्कृष्टता, प्रासंगिकता व समानता हो ।

पाठ्यचर्या को किस प्रकार की शिक्षा की रचना करनी होगी ?

(1) जो तकनीकी में पारंगत कर सके

(2) पूर्व के सरोकारों को भूलकर नए सरोकारों पर काम करें

(3) असमानता का भाव मिटा सके

(4) अधिक से अधिक ज्ञान दे सके

[Question ID = 245][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q125]

1. 1 [Option ID = 977]
2. 2 [Option ID = 978]
3. 3 [Option ID = 979]
4. 4 [Option ID = 980]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

पाठ्यचर्या निर्माण आवश्यक रूप से एक अंतहीन प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत समाज में घटित होने वाले परिवर्तनों की दृष्टि से शिक्षा में गुणात्मक विकास की सतत खोज की जाती है । इस दृष्टि से यह कोई जड़ प्रक्रिया न होकर एक गतिशील आयाम है । एक सार्थक पाठ्यचर्या को समाज के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए और उसमें शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की झलक मिलनी चाहिए । नई सहस्राब्दी में भी कुछ देशों के मुख्य सामाजिक सरोकार अपरिवर्तित बने रहेंगे क्योंकि पूर्व में उन सरोकारों को पर्याप्त रूप से क्रियान्वित नहीं किया जा सका । अनेक नए सरोकारों का उदय देश और विश्व के तेज़ी से बदलते संदर्भों में हुआ है । पाठ्यचर्या को इस प्रकार की शिक्षा की रचना करनी होगी जो असमानता के विरुद्ध संघर्ष कर सके और शिक्षार्थी की सामाजिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर सके । यह तभी होगा जब पाठ्यचर्या में उत्कृष्टता, प्रासंगिकता व समानता हो ।

'उत्कृष्टता' का समानार्थी है

(1) निकृष्टता

(2) गुणवत्ता

(3) समानता

(4) तुलनीयता

[Question ID = 246][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q126]

1. 1 [Option ID = 981]
2. 2 [Option ID = 982]
3. 3 [Option ID = 983]
4. 4 [Option ID = 984]

7) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

पाठ्यचर्या निर्माण आवश्यक रूप से एक अंतहीन प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत समाज में घटित होने वाले परिवर्तनों की दृष्टि से शिक्षा में गुणात्मक विकास की सतत खोज की जाती है। इस दृष्टि से यह कोई जड़ प्रक्रिया न होकर एक गतिशील आयाम है। एक सार्थक पाठ्यचर्या को समाज के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए और उसमें शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की झलक मिलनी चाहिए। नई सहस्राब्दी में भी कुछ देशों के मुख्य सामाजिक सरोकार अपरिवर्तित बने रहेंगे क्योंकि पूर्व में उन सरोकारों को पर्याप्त रूप से क्रियान्वित नहीं किया जा सका। अनेक नए सरोकारों का उदय देश और विश्व के तेज़ी से बदलते संदर्भों में हुआ है। पाठ्यचर्या को इस प्रकार की शिक्षा की रचना करनी होगी जो असमानता के विरुद्ध संघर्ष कर सके और शिक्षार्थी की सामाजिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर सके। यह तभी होगा जब पाठ्यचर्या में उत्कृष्टता, प्रासंगिकता व समानता हो।

भिन्न शब्द की पहचान करें

(1) सार्थक

(2) देश

(3) विश्व

(4) समाज

[Question ID = 247][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q127]

1. 1 [Option ID = 985]
2. 2 [Option ID = 986]
3. 3 [Option ID = 987]
4. 4 [Option ID = 988]

8) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

पाठ्यचर्या निर्माण आवश्यक रूप से एक अंतहीन प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत समाज में घटित होने वाले परिवर्तनों की दृष्टि से शिक्षा में गुणात्मक विकास की सतत खोज की जाती है। इस दृष्टि से यह कोई जड़ प्रक्रिया न होकर एक गतिशील आयाम है। एक सार्थक पाठ्यचर्या को समाज के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए और उसमें शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की झलक मिलनी चाहिए। नई सहस्राब्दी में भी कुछ देशों के मुख्य सामाजिक सरोकार अपरिवर्तित बने रहेंगे क्योंकि पूर्व में उन सरोकारों को पर्याप्त रूप से क्रियान्वित नहीं किया जा सका। अनेक नए सरोकारों का उदय देश और विश्व के तेज़ी से बदलते संदर्भों में हुआ है। पाठ्यचर्या को इस प्रकार की शिक्षा की रचना करनी होगी जो असमानता के विरुद्ध संघर्ष कर सके और शिक्षार्थी की सामाजिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कर सके। यह तभी होगा जब पाठ्यचर्या में उत्कृष्टता, प्रासंगिकता व समानता हो।

'सहस्राब्दी' का अर्थ है

(1) हज़ार वर्ष की आयु वाले

(2) हज़ार व्यक्तियों का प्रतिनिधि

(3) हज़ार भागों में बँटा हुआ

(4) हज़ार वर्षों का समय

[Question ID = 248][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q128]

1. 1 [Option ID = 989]
2. 2 [Option ID = 990]
3. 3 [Option ID = 991]
4. 4 [Option ID = 992]

Topic:- HIN_Q129-135_L2_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

निर्देशन करते समय फिल्म पर काफी समय और ध्यान देने की ज़रूरत होती है । निर्देशन अभिनय से तो बिलकुल अलग है ही क्योंकि इसमें अभिनय की तरह एक नहीं बल्कि कई चुनौतियाँ होती हैं । फिल्म निर्देशन के लिए समझ के दायरों का विस्तार ज़रूरी है । एक अभिनेता का ध्यान फिल्म निर्माण के और पहलुओं पर नहीं जाता, सिवाय अपने किरदार के । जबकि निर्देशन में कई बातों को लेकर चलना होता है क्योंकि फिल्म निर्माण कई हिस्सों का जोड़ भर नहीं है । निर्देशन में अनेक कौशल एक साथ चलते हैं । पग-पग पर कई निर्णय लेने होते हैं, चुस्त और कसावट भरा निर्देशन किसी भी फिल्म की सफलता का बड़ा पैमाना हो सकता है । यह काम है तो बहुत चुनौतीपूर्ण पर बड़ा रोमांचक भी है और स्वयं को अभिभावक की हैसियत वाला बना देता है ।

'समझ के दायरों का विस्तार होना ज़रूरी है', से आशय है

(1) दूर-दूर तक घूमना चाहिए

(2) फिल्म का सैट बहुत विशाल होना चाहिए

(3) अनेक पहलुओं की गहरी समझ होनी चाहिए

(4) निर्देशन संबंधी शैक्षिक योग्यता होनी चाहिए

[Question ID = 249][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q129]

1. 1 [Option ID = 993]
2. 2 [Option ID = 994]
3. 3 [Option ID = 995]
4. 4 [Option ID = 996]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

निर्देशन करते समय फिल्म पर काफी समय और ध्यान देने की ज़रूरत होती है । निर्देशन अभिनय से तो बिलकुल अलग है ही क्योंकि इसमें अभिनय की तरह एक नहीं बल्कि कई चुनौतियाँ होती हैं । फिल्म निर्देशन के लिए समझ के दायरों का विस्तार ज़रूरी है । एक अभिनेता का ध्यान फिल्म निर्माण के और पहलुओं पर नहीं जाता, सिवाय अपने किरदार के । जबकि निर्देशन में कई बातों को लेकर चलना होता है क्योंकि फिल्म निर्माण कई हिस्सों का जोड़ भर नहीं है । निर्देशन में अनेक कौशल एक साथ चलते हैं । पग-पग पर कई निर्णय लेने होते हैं, चुस्त और कसावट भरा निर्देशन किसी भी फिल्म की सफलता का बड़ा पैमाना हो सकता है । यह काम है तो बहुत चुनौतीपूर्ण पर बड़ा रोमांचक भी है और स्वयं को अभिभावक की हैसियत वाला बना देता है ।

गद्यांश के अनुसार फिल्म निर्माण में निर्देशन किससे बिलकुल भिन्न है ?

(1) अभिनय

(2) किरदारों का चयन

(3) संवाद बोलना

(4) मंच की साज सज्जा

[Question ID = 250][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q130]

1. 1 [Option ID = 997]
2. 2 [Option ID = 998]
3. 3 [Option ID = 999]
4. 4 [Option ID = 1000]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

निर्देशन करते समय फिल्म पर काफी समय और ध्यान देने की ज़रूरत होती है। निर्देशन अभिनय से तो बिलकुल अलग है ही क्योंकि इसमें अभिनय की तरह एक नहीं बल्कि कई चुनौतियाँ होती हैं। फिल्म निर्देशन के लिए समझ के दायरों का विस्तार ज़रूरी है। एक अभिनेता का ध्यान फिल्म निर्माण के और पहलुओं पर नहीं जाता, सिवाय अपने किरदार के। जबकि निर्देशन में कई बातों को लेकर चलना होता है क्योंकि फिल्म निर्माण कई हिस्सों का जोड़ भर नहीं है। निर्देशन में अनेक कौशल एक साथ चलते हैं। पग-पग पर कई निर्णय लेने होते हैं, चुस्त और कसावट भरा निर्देशन किसी भी फिल्म की सफलता का बड़ा पैमाना हो सकता है। यह काम है तो बहुत चुनौतीपूर्ण पर बड़ा रोमांचक भी है और स्वयं को अभिभावक की हैसियत वाला बना देता है।

किसी भी फिल्म की सफलता का एक बड़ा पैमाना क्या हो सकता है ?

(1) विख्यात अभिनेता

(2) चुस्त निर्देशन

(3) भव्य सैट

(4) बड़ा बजट

[Question ID = 251][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q131]

1. 1 [Option ID = 1001]
2. 2 [Option ID = 1002]
3. 3 [Option ID = 1003]
4. 4 [Option ID = 1004]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

निर्देशन करते समय फिल्म पर काफी समय और ध्यान देने की ज़रूरत होती है । निर्देशन अभिनय से तो बिलकुल अलग है ही क्योंकि इसमें अभिनय की तरह एक नहीं बल्कि कई चुनौतियाँ होती हैं । फिल्म निर्देशन के लिए समझ के दायरों का विस्तार ज़रूरी है । एक अभिनेता का ध्यान फिल्म निर्माण के और पहलुओं पर नहीं जाता, सिवाय अपने किरदार के । जबकि निर्देशन में कई बातों को लेकर चलना होता है क्योंकि फिल्म निर्माण कई हिस्सों का जोड़ भर नहीं है । निर्देशन में अनेक कौशल एक साथ चलते हैं । पग-पग पर कई निर्णय लेने होते हैं, चुस्त और कसावट भरा निर्देशन किसी भी फिल्म की सफलता का बड़ा पैमाना हो सकता है । यह काम है तो बहुत चुनौतीपूर्ण पर बड़ा रोमांचक भी है और स्वयं को अभिभावक की हैसियत वाला बना देता है ।

फिल्म निर्देशन का काम चुनौतीपूर्ण और रोमांचक क्यों है ?

(1) विख्यात अभिनेताओं से मिलने का अवसर मिलता है ।

(2) धन और ख्याति दोनों मिलती हैं ।

(3) नवीन उपकरणों की जानकारी प्राप्त होती है ।

(4) एक साथ अनेक कौशलों का इस्तेमाल करना होता है ।

[Question ID = 252][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q132]

1. 1 [Option ID = 1005]
2. 2 [Option ID = 1006]
3. 3 [Option ID = 1007]
4. 4 [Option ID = 1008]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

निर्देशन करते समय फिल्म पर काफी समय और ध्यान देने की ज़रूरत होती है। निर्देशन अभिनय से तो बिलकुल अलग है ही क्योंकि इसमें अभिनय की तरह एक नहीं बल्कि कई चुनौतियाँ होती हैं। फिल्म निर्देशन के लिए समझ के दायरों का विस्तार ज़रूरी है। एक अभिनेता का ध्यान फिल्म निर्माण के और पहलुओं पर नहीं जाता, सिवाय अपने किरदार के। जबकि निर्देशन में कई बातों को लेकर चलना होता है क्योंकि फिल्म निर्माण कई हिस्सों का जोड़ भर नहीं है। निर्देशन में अनेक कौशल एक साथ चलते हैं। पग-पग पर कई निर्णय लेने होते हैं, चुस्त और कसावट भरा निर्देशन किसी भी फिल्म की सफलता का बड़ा पैमाना हो सकता है। यह काम है तो बहुत चुनौतीपूर्ण पर बड़ा रोमांचक भी है और स्वयं को अभिभावक की हैसियत वाला बना देता है।

फिल्म निर्माण में अभिनेता का ध्यान किस पर केन्द्रित रहता है ?

(1) फिल्म के बजट पर

(2) फिल्म के संगीत पर

(3) अपने किरदार पर

(4) निर्देशन की बारीकियों पर

[Question ID = 253][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q133]

1. 1 [Option ID = 1009]
2. 2 [Option ID = 1010]
3. 3 [Option ID = 1011]
4. 4 [Option ID = 1012]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

निर्देशन करते समय फिल्म पर काफी समय और ध्यान देने की ज़रूरत होती है। निर्देशन अभिनय से तो बिलकुल अलग है ही क्योंकि इसमें अभिनय की तरह एक नहीं बल्कि कई चुनौतियाँ होती हैं। फिल्म निर्देशन के लिए समझ के दायरों का विस्तार ज़रूरी है। एक अभिनेता का ध्यान फिल्म निर्माण के और पहलुओं पर नहीं जाता, सिवाय अपने किरदार के। जबकि निर्देशन में कई बातों को लेकर चलना होता है क्योंकि फिल्म निर्माण कई हिस्सों का जोड़ भर नहीं है। निर्देशन में अनेक कौशल एक साथ चलते हैं। पग-पग पर कई निर्णय लेने होते हैं, चुस्त और कसावट भरा निर्देशन किसी भी फिल्म की सफलता का बड़ा पैमाना हो सकता है। यह काम है तो बहुत चुनौतीपूर्ण पर बड़ा रोमांचक भी है और स्वयं को अभिभावक की हैसियत वाला बना देता है।

'कसावट भरा निर्देशन' में 'कसावट' शब्द है

(1) संज्ञा

(2) सर्वनाम

(3) विशेषण

(4) क्रिया

[Question ID = 254][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q134]

1. 1 [Option ID = 1013]
2. 2 [Option ID = 1014]
3. 3 [Option ID = 1015]
4. 4 [Option ID = 1016]

7) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

निर्देशन करते समय फिल्म पर काफी समय और ध्यान देने की ज़रूरत होती है । निर्देशन अभिनय से तो बिलकुल अलग है ही क्योंकि इसमें अभिनय की तरह एक नहीं बल्कि कई चुनौतियाँ होती हैं । फिल्म निर्देशन के लिए समझ के दायरों का विस्तार ज़रूरी है । एक अभिनेता का ध्यान फिल्म निर्माण के और पहलुओं पर नहीं जाता, सिवाय अपने किरदार के । जबकि निर्देशन में कई बातों को लेकर चलना होता है क्योंकि फिल्म निर्माण कई हिस्सों का जोड़ भर नहीं है । निर्देशन में अनेक कौशल एक साथ चलते हैं । पग-पग पर कई निर्णय लेने होते हैं, चुस्त और कसावट भरा निर्देशन किसी भी फिल्म की सफलता का बड़ा पैमाना हो सकता है । यह काम है तो बहुत चुनौतीपूर्ण पर बड़ा रोमांचक भी है और स्वयं को अभिभावक की हैसियत वाला बना देता है ।

'कसावट' में मूल शब्द कौन-सा है ?

(1) क

(2) कसा

(3) कसाव

(4) कस

[Question ID = 255][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q135]

1. 1 [Option ID = 1017]
2. 2 [Option ID = 1018]
3. 3 [Option ID = 1019]
4. 4 [Option ID = 1020]

Topic:- HIN_Q136-150_L2_P1_CTET

1) छोटे बच्चों की कक्षा में कथावाचन का उपयोग अक्सर क्यों होना चाहिए ?

(1) इससे अध्यापकों को दूसरे अकादमिक कार्य करने का मौका मिल जाता है

(2) यह तार्किक समझ और कल्पनाशीलता को पोषित करती है

(3) यह अन्य अकादमिक कार्यों की नींव रखती है

(4) यह विद्यार्थियों को कल्पना करने और विश्राम के अवसर देती है

[Question ID = 256][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q136]

1. 1 [Option ID = 1021]
2. 2 [Option ID = 1022]
3. 3 [Option ID = 1023]
4. 4 [Option ID = 1024]

2) रूपांतरकारी व्याकरण की अवधारणा किसके द्वारा प्रतिपादित की गई जो वाक्य बनाने के नियमों के निश्चित समूह से संबंधित है और उसी भाषा में उससे अनेक वाक्य बनाए जा सकते हैं ?

(1) चॉमस्की

(2) पियाज़े

(3) वाइगोत्सकी

(4) स्किनर

[Question ID = 257][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q137]

1. 1 [Option ID = 1025]
2. 2 [Option ID = 1026]
3. 3 [Option ID = 1027]
4. 4 [Option ID = 1028]

3) एक अध्यापिका नया पाठ शुरू करने से पहले अपने विद्यार्थियों के लिए मजेदार गतिविधि आयोजित करती है । इस गतिविधि का क्या उद्देश्य है ?

(1) पाठ से पहले विद्यार्थियों को अनुशासित करना

(2) शिक्षार्थियों का ध्यान दूसरी ओर ले जाना

(3) अध्यापक के कार्य भार को कम करना

(4) शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करना और उनमें ऊर्जा भरना

[Question ID = 258][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q138]

1. 1 [Option ID = 1029]
2. 2 [Option ID = 1030]
3. 3 [Option ID = 1031]
4. 4 [Option ID = 1032]

4) पाँचवीं कक्षा में, अध्यापिका समाचार-पत्र के विज्ञापन का प्रयोग करती है । वह विज्ञापन के प्रारूप और विषय-वस्तु पर चर्चा करती है । यह समाचार-पत्र यहाँ पर किस रूप में प्रयुक्त हुआ है ?

(1) पठन बोध की सामग्री

(2) भाषा अधिगम के लिए प्रामाणिक सामग्री

(3) भाषा अधिगम की एक युक्ति

(4) विषय-वस्तु की नकल

[Question ID = 259][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q139]

1. 1 [Option ID = 1033]
2. 2 [Option ID = 1034]
3. 3 [Option ID = 1035]
4. 4 [Option ID = 1036]

5) नीचे दिया गया कौन-सा गत्यात्मक विकार है जो ध्वनि निकालने के लिए जिह्वा और होंठ के समन्वयन को प्रभावित करता है ?

(1) डिस्फ़ेजिया

(2) डिस्प्रेक्सिया

(3) डिसरथ्रिया

(4) डिस्टोपिया

[Question ID = 260][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q140]

1. 1 [Option ID = 1037]
2. 2 [Option ID = 1038]
3. 3 [Option ID = 1039]
4. 4 [Option ID = 1040]

6) किसी कार्य को करने के दौरान एक विद्यार्थी अपने काम के बारे में स्वयं से ही बात कर रहा है कि काम की प्रक्रिया क्या होगी।
इस प्रकार का 'निजी वाक्' किसका संकेत है ?

(1) आत्मकेन्द्रीयवाद

(2) मनोवैज्ञानिक विकार

(3) चिंतित भाव

(4) स्व-नियमन

[Question ID = 261][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q141]

1. 1 [Option ID = 1041]
2. 2 [Option ID = 1042]
3. 3 [Option ID = 1043]
4. 4 [Option ID = 1044]

7) एक अध्यापक कक्षा पाँच के विद्यार्थियों को अनुच्छेद लेखन देने के लिए विषयों का चयन कर रही है। उसे इस स्तर के लिए किन विषयों का चयन करना चाहिए ?

(1) राष्ट्रीय थीम

(2) धार्मिक विश्वास

(3) व्यक्तिगत जीवन

(4) सामाजिक मुद्दे

[Question ID = 262][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q142]

1. 1 [Option ID = 1045]
2. 2 [Option ID = 1046]
3. 3 [Option ID = 1047]
4. 4 [Option ID = 1048]

8) एक अध्यापिका प्राथमिक स्तर के बच्चों को आमतौर पर चित्रकारी करने और रंग भरने के लिए प्रोत्साहित करती है । यह किस तरह से मदद करेगा ?

(1) कक्षा में विद्यार्थियों को अनुशासित करने में

(2) सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल विकसित करने में

(3) बच्चों को आनन्ददायी गतिविधियों में संलग्न करके उनका मनोरंजन करने में

(4) बच्चों को अधिगम से उपजे उबाऊपन से बाहर निकालने में

[Question ID = 263][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q143]

1. 1 [Option ID = 1049]
2. 2 [Option ID = 1050]
3. 3 [Option ID = 1051]
4. 4 [Option ID = 1052]

9) सृजनवादी कक्षा में कविता शिक्षण करते समय अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

(1) पाठ्यसामग्री पढ़ते हुए विद्यार्थियों को अपने पीछे दोहराने के लिए कहना चाहिए

(2) विद्यार्थियों को पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ याद करने के लिए कहना चाहिए

(3) व्याकरण के नियमों पर ध्यान देते हुए उसके अभ्यास के लिए कहना चाहिए

(4) विद्यार्थियों को आपस में समूह में अन्त:क्रिया करने और कविता पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए कहना चाहिए

[Question ID = 264][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q144]

1. 1 [Option ID = 1053]
2. 2 [Option ID = 1054]
3. 3 [Option ID = 1055]
4. 4 [Option ID = 1056]

10) प्राथमिक स्तर पर पठन कौशल का आकलन करने के लिए भाषा अध्यापक को मुख्यत: किस पर ध्यान देना चाहिए ?

(1) अक्षरों को उसकी ध्वनियों से मिलान करने के लिए

(2) विराम चिन्हों के प्रयोग पर

(3) प्रवाह के साथ पठन

(4) समझ के साथ पठन

[Question ID = 265][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q145]

1. 1 [Option ID = 1057]
2. 2 [Option ID = 1058]
3. 3 [Option ID = 1059]
4. 4 [Option ID = 1060]

11) एक अध्यापक कक्षा दो में कक्षा की दीवारों पर पोस्टर, बच्चों के काम, कविताएँ, दृश्यात्मक शब्द आदि प्रदर्शित करती है जिससे कि बच्चों का ध्यान भाषा के लिखित स्वरूप पर जाए। इसे क्या कहा जाएगा ?

(1) निवेश समृद्ध परिवेश

(2) इन्द्रियों के माध्यम से भाषा का अभ्यास

(3) भाषा अर्जन

(4) भाषा बोध

[Question ID = 266][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q146]

1. 1 [Option ID = 1061]
2. 2 [Option ID = 1062]
3. 3 [Option ID = 1063]
4. 4 [Option ID = 1064]

12) बच्चे जिन शब्दों का इस्तेमाल उत्पादक शब्द संपदा के रूप में करते हैं, वे कौन-से शब्द हैं ?

(1) जिनका प्रयोग वे लेखन और वाचन में करते हैं

(2) किसी के बोले जाने पर जिनको पहचाना जाता है

(3) पढ़ने के दौरान जिन पर ध्यान जाता है

(4) जिन्हें बच्चे समझ नहीं पाते हैं

[Question ID = 267][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q147]

1. 1 [Option ID = 1065]
2. 2 [Option ID = 1066]
3. 3 [Option ID = 1067]
4. 4 [Option ID = 1068]

13) विद्यालयी शिक्षा में बहुभाषावाद का क्या तात्पर्य है ?

(1) बुनियादी चरण से ही बहुत सी भाषाओं का अधिगम

(2) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में शिक्षार्थियों की भाषाओं का प्रयोग

(3) प्रिपेरेटरी चरण के लिए राज्य की शिक्षा में भाषा नीति

(4) शिक्षार्थियों को सिर्फ़ उनकी मातृभाषा का शिक्षण

[Question ID = 268][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q148]

1. 1 [Option ID = 1069]
2. 2 [Option ID = 1070]
3. 3 [Option ID = 1071]
4. 4 [Option ID = 1072]

14) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ?

(1) बच्चे जब अंग्रेज़ी सीखना शुरू करते हैं, वे कोरी स्लेट की भाँति होते हैं।

(2) पहली कक्षा के बच्चे अंग्रेज़ी बिल्कुल भी नहीं जानते।

(3) बच्चे जब विद्यालय में प्रवेश लेते हैं, उनके पास अपनी भाषा के अनुभवों का खजाना होता है।

(4) बच्चों को विद्यालय में प्रवेश के पहले ही दिन अंग्रेज़ी के शब्दों की सूची दे देनी चाहिए।

[Question ID = 269][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q149]

1. 1 [Option ID = 1073]
2. 2 [Option ID = 1074]
3. 3 [Option ID = 1075]
4. 4 [Option ID = 1076]

15) प्राथमिक स्तर पर अध्यापक मौन पठन की अपेक्षा सस्वर पठन को प्राथमिकता ____________ देते हैं।

(1) शिक्षार्थियों को तेज गति से पढ़ने योग्य बनाने के लिए

(2) शिक्षार्थी पाठ्यपुस्तकें साझा कर सकें इसलिए

(3) शिक्षार्थी पठन पर ध्यान केन्द्रित कर सकें और अपनी बारी की प्रतीक्षा करें इसलिए

(4) शिक्षार्थी विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए सही उच्चारण के साथ पढ़ने योग्य बन सके इसलिए

[Question ID = 270][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_114_HINDI_Q150]

1. 1 [Option ID = 1077]
2. 2 [Option ID = 1078]
3. 3 [Option ID = 1079]
4. 4 [Option ID = 1080]